RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2017-2019
Despatch Date - 02 March 2018

अंक – 9 (मासिक) वर्ष – 13 मार्च 2018 मूल्य 20/–

श्री माहेश्वरी टाईम्स

मंगलकामनाएं
नव संवत्सर 2075

सोमनाथ साक्षी

अ.भा.माहेश्वरी महासभा की तृतीय कार्यकारी मण्डल एवं चतुर्थ कार्यसमिति बैठक सम्पन्न

हुई प्रतिबंधित प्री–वेडिंग शूटिंग

प्रयास होंगे रोकने के अन्तर्जातीय विवाह

मनाया जाएंगा कन्या जन्मोत्सव

राष्ट्रीय युवा संगठन द्वारा
युवा शिक्षा रत्न अवार्ड
18 मार्च हैदराबाद में

राष्ट्रीय माहेश्वरी महिला संगठन की
तृतीय कार्य समिति बैठक
'सद्भाव 2018' सम्पन्न

KĀBEL
MAKE THE
RIGHT CHOICE
FOR YOUR HOME
SUPEREX FR
FIREX LSOH
UNILAY HR FR
FLAMEX FR-LSH
DO THE
AKALMAND
THING!
GLOBAL
RAM RATNA GROUP
R R KABEL LTD. Regd. Office : Ram Ratna House, Oasis Complex, P. B. Marg, Worli, Mumbai - 400 013.
T : +91 - 22 - 2494 9009 / 2492 4144 • F : +91 - 22 - 2491 2586 • E : mumbai.rrkabel@rrglobal.in
Corp. Office : 305/A, Windsor Plaza, R. C. Dutt Road, Alkapuri, Vadodara - 390 007.
T : +91 - 265 - 2321 891 / 2 / 3 • F : +91 - 265 - 2321 894 • E : vadodara.rrkabel@rrglobal.in
www.rrkabel.com • www.rrglobal.in

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

अंक-9 ▸▸ मार्च 2018 ▸▸ वर्ष-13

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)
श्री बनवारीलाल जाजू (इन्दौर)

अतिथि सम्पादक
सत्यनारायण डाड, भीलवाड़ा

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
गोविन्द मालू (इन्दौर)
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
बंशीलाल भूतड़ा 'किरण' (इन्दौर)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

▸ श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
▸ सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
■ PNB A/c. No. : 0459002100043471
IFSC- PUNB0045900
■ ICICI A/c. No. : 030005001198
IFSC- ICIC0000300

Tariff of Membership
Rs. 800/- for Three years
Rs. 3100/- for Life Time (12 Years)

आदतें नस्ल का पता देती हैं...

विचार क्रान्ति

एक बादशाह के दरबार में एक अजनबी नौकरी के लिए हाज़िर हुआ। क़ाबलियत पूछी गई, कहा, 'सियासी हूँ।' बादशाह के पास राजदरबारियों की भरमार थी, उसे खास 'घोड़ों के अस्तबल का इंचार्ज' बना लिया।

चंद दिनों बाद बादशाह ने उस से अपने सब से महंगे और अज़ीज़ घोड़े के बारे में पूछा, उसने कहा, 'नस्ली नहीं हैं।' बादशाह को ताज्जुब हुआ, उसने जंगल से घोड़े की जानकारी वालो को बुला कर जांच कराई.. उसने बताया, घोड़ा नस्ली है, लेकिन इसकी पैदायश पर इसकी मां मर गई थी, ये एक गाय का दूध पीकर उसके साथ पला है। बादशाह ने अपने सियासी को बुलाया और पूछा तुम को कैसे पता चला के घोड़ा नस्ली नहीं है?' ''उसने कहा 'जब ये घास खाता है तो गायों की तरह सर नीचे करके, जबकि नस्ली घोड़ा घांस मुंह में लेकर सर उठा लेता है।'' बादशाह उसकी परख से बहुत खुश हुआ, उसने सियासी के घर अनाज, घी, भुने और अच्छा मांस बतौर इनाम भिजवाया और उसे रानी के महल में तैनात कर दिया।

चंद दिनों बाद, बादशाह ने उससे बेगम के बारे में राय मांगी, उसने कहा, 'तौर तरीके तो रानी जैसे हैं, लेकिन राजकुमारी नहीं है।' बादशाह के पैरों तले जमीन निकल गई, हवास दुरुस्त हुए तो अपनी सास को बुलाया, मामला बताया, सास ने कहा हक़ीक़त ये है कि आपके पिता ने मेरे पति से हमारी बेटी की पैदायश पर ही रिश्ता मांग लिया था, लेकिन हमारी बेटी 6 माह में ही मर गई थी, लिहाज़ा हमने आपकी बादशाहत से करीबी रिश्ते क़ायम करने के लिए किसी और कि बच्ची को अपनी बेटी बना लिया।' बादशाह ने अपने सियासी से पूछा 'तुम को कैसे जानकारी हुई?' उसने कहा, 'उसका नौकरों के साथ सुलूक मूर्खों से भी बदतर है। एक खानदानी इंसान का दूसरों से व्यवहार करने का एक तरीका एक शिष्टाचार होता हैं, जो रानी में बिल्कुल नहीं। बादशाह फिर उसकी परख से खुश हुआ और बहुत से अनाज, भेड़-बकरियां बतौर इनाम दीं साथ ही उसे अपने दरबार में शामिल कर लिया।

कुछ वक्त गुज़रा, सियासी को बुलाया, अपने बारे में जानकारी चाही। सियासी ने कहा जान की खैर हो तो बताऊ। बादशाह ने वादा किया। उसने कहा, न तो आप बादशाह के पुत्र हो न आपका चलन बादशाहों वाला है। बादशाह को ताव आया, मगर जान की खैर दे चुका था, सीधा अपनी माँ के महल पहुंचा। माँ ने कहा, ये सच है, तुम एक चरवाहे के बेटे हो, हमारी औलाद नहीं थी तो तुम्हें लेकर हमने पाला। बादशाह ने सियासी को बुलाया और पूछा बता, तुझे कैसे पता हुआ? उसने कहा बादशाह जब किसी को इनाम दिया करते है, तो हीरे मोती जवाहरात की शक्ल में देते है....लेकिन आप भेड़-बकरियां, खाने पीने की चीजें देते है...ये चलन बादशाह के बेटे का नहीं, किसी चरवाहे के बेटे का ही हो सकता है।'

सार- किसी इंसान के पास कितनी धन-दौलत, रुतबा, इल्म, बाहुबल है ये सब बाहरी चरित्र हैं। इंसान की असलियत, उसके व्यवहार, उसकी नीयत से होती हैं।

सम्पादकीय

सोमनाथ साक्षी

गुजरात के प्रभास तीर्थ क्षेत्र में श्री ज्योतिर्लिंग सोमनाथ की साक्षी में अखिल भारतवर्षीय श्री माहेश्वरी महासभा की बैठक कई मायनों में उत्तेजनाओं से भरी रही। हालांकि भगवान सोमनाथ का स्वरूप चंद्र की तरत शांत और समुद्र की तरह गंभीर है, लेकिन महासभा की बैठक में आए मुद्दों ने ज्वार-भाटे की स्थितियां निर्मित कर दी। बैठक में मुख्य चर्चा के सामाजिक बिंदू रखे गए थे, वही बिंदू वक्ताओं के लिए उद्बोधन की जमीन बन गए। सभापति श्याम सोनी ने अपने उद्बोधन में ही इन मुद्दों को जाहिर करते हुए महासभा से इन पर विचार करने को कहा।

इनमें विवाहों में प्री-वेडिंग शूट व महिला संगीत की जरूरत, घटती जनसंख्या और विवाह संबंधों में आ रही परेशानियां जैसे विषय शामिल थे। परिवर्तित हो रहे भारतीय समाज की विषमताओं से माहेश्वरी समाज भी अछूता नहीं है। सभापति का मानना था कि यदि हम आज इन विषयों पर फैसला नहीं करेंगे तो समाज का भविष्य अंधकारमय है। हंगामा तब हुआ जब महिला संगठन अध्यक्ष कल्पना गगडानी ने कह दिया यदि युवाओं को साथ रखना है, तो हमें उन्हें वर्जनाओं में नहीं बांधना चाहिए। उन्होंने अपनी बात जिन शब्दों में कही उस पर बैठक में हंगामा खड़ा हो गया। बाद के वक्ताओं ने भी इन मुद्दों पर गहरा चिंतन किया और महासभा ने समाज के लिए कुछ सीमाएं तय करने पर सहमति बनाई।

मुद्दा यह है कि क्या नियम कानूनों से कहीं कोई सुधार लाया जा सकता है? देश में असंख्य कानून बने हैं, लेकिन आप व्यक्ति की जीवनचर्या इनसे परे हैं। इस बात को हमें ध्यान रखना चाहिये। समाज की बेटियों द्वारा अंतरजातीय विवाह किए जा रहे हैं, उन कारणों तक पहुंचना होगा। तब हम उसका समाधान तलाश पाएंगे। विवाहों में प्री-वेडिंग शूट, महिला संगीत जैसे आयोजन आम हो गये हैं, इन्हें रोकने की जिम्मेदारी परिवार को ही सौंपना होगी। महासभा केवल अपना दृष्टिकोण सामने रखकर समाज को प्रेरित करें। इससे भी बढ़कर महासभा को युवाओं के बीच पहुंचना होगा। उन्हें बताना होगा, चुनौतियां क्या है? उनसे कैसे निपटा जा सकता है? जिनकी खुशी के लिए परिवार और समाज चिंतित है? यदि उसी पीढ़ी को हमने समझा लिया तो यह महासभा की बहुत बड़ी सफलता होगी। ये काम युवा और महिला संगठनों के माध्यम से बखूबी किए जा सकते हैं। महासभा के अन्य प्रस्तावों पर भी समाज और संगठन विचार करेगा ही और अपनी प्रतिक्रिया भी देगा लेकिन सोमनाथ की साक्षी में समाज के भविष्य पर जो चिंतन हुआ है, वह नतीजों तक पहुंचे, यही महासभा की जिम्मेदारी है। अंक में आप महासभा की बैठक का वृतांत तो पाएंगे ही साथ ही वह सभी कुछ जिसकी आपको अपेक्षा रहती है।

मैं हर्ष के साथ बताना चाहता हूं श्री माहेश्वरी टाईम्स समाज की नारी शक्ति को समर्पित ''महिला विशेषांक'' का प्रकाशन करने जा रही है। इसमें आप पाएंगे समाज की ऐसी नारी शक्ति की कहानी जिन्होंने अपने दम पर सफलता के आसमान को छुआ है। यदि आपकी जानकारी में कोई ऐसी महिला हों तो हमें जानकारी अवश्य प्रेषित करें। इसके साथ ही हमें वर्तमान अंक पर आपकी प्रतिक्रियाओं का भी इंतजार है। यह अंक आपको कैसा लगा, हमें जरूर बताऐं। इसमें हमने आपकी जिज्ञासा के अनुरूप जानकारी समाहित करने का प्रयास किया है। आशा है आपको यह अंक अवश्य ही पसंद आऐगा।

पुष्कर बाहेती

राजस्थान के छोटे से गांव नगरी (चित्तौड़गढ़) में जन्में तथा वर्तमान में भीलवाड़ा में व्यवसायरत श्री सत्यनारायण डाड एक कुशल व्यवसायी के साथ ही एक ऐसे समाजेसवी व चिंतक हैं, जिन्होंने समाज में नव जाग्रति का शंखनाद किया है। श्री डाड ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा पैतृक ग्राम नगरी में ग्रहण की और फिर बड़े भाई के सान्निध्य में भीलवाड़ा से बीकॉम तक शिक्षा ग्रहण की। इसके पश्चात वर्ष 1968 से भारतीय खाद्य निगम में नौकरी की। 2-3 प्रमोशन के बाद समाजसेवा व अपना कुछ करने की चाह के चलते उन्होंने वर्ष 1974 में स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले ली। इसके पश्चात आपने भीलवाड़ा से व्यवसाय जगत में कदम रखा। आप वर्तमान में कोल्ड स्टोरेज, गारमेंट यूनिट एवं इंसुलेशन ब्रिक्स फैक्ट्री आदि का सफल संचालन कर रहे हैं। समाजसेवा के अंतर्गत आप 8 वर्ष तक भीलवाड़ा नगर माहेश्वरी सभा के मंत्री रहे। उनके इस कार्यकाल में शहर में 15 क्षेत्रीय सभाओं का गठन कर समाज को एकजुट कर एकता उत्पन्न की। इस दौरान 5 बीघा भूमि क्रय कर समाजोपयोगी भवन 'रामेश्वरम' का निर्माण किया गया। उनके कार्यकाल में ऐतिहासिक रूप से 31 जोड़ों का भीलवाड़ा में सामूहिक विवाह आयोजित हुआ। समाज सुधार के अंतर्गत सामाजिक कार्यों एवं भोज में लिफाफा देने की परंपरा के खिलाफ सोच उत्पन्न की परिणाम स्वरूप आज भीलवाड़ा में सामाजिक भोजन में लिफाफा प्रवृत्ति लगभग समाप्त हो गई है। आप श्री अभा माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर के 4 वर्ष तक उपाध्यक्ष भी रहे हैं। वर्तमान में आप महेश प्रगति संस्थान भीलवाड़ा को अध्यक्ष के रूप में सेवा दे रहे हैं। इस संस्था द्वारा भीलवाड़ा ग्रामीण क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार स्मार्ट क्लासेस एवं आधुनिक सुविधाओं से युक्त स्कूल भवन का निर्माण करवाया है।

प्रतिभाओं को समाज दे महत्व

जब भी कोई मुझसे मेरा परिचय पूछता है तो मुझे अपने आपको 'माहेश्वरी' कहने पर अत्यंत गर्व होता है। कारण यही है कि समाज के योगदान किसी से छिपे नहीं हैं। लगभग हर क्षेत्र में समाज की प्रतिभाएं अपनी सफलता का ध्वज फहरा रही हैं। इसके पीछे भगवान महेश का आशीर्वाद ही कहा जा सकता है कि हमारा समाज हमेशा से विलक्षण प्रतिभाओं से परिपूर्ण रहा है, जिन्होंने समाज को सदैव गौरवान्वित करवाया है।

यह सुखद स्थिति है कि उद्योग जगत में तो हमारे समाज ने अन्य समस्त समाजों को पीछे छोड़कर सारे विश्व को हमारी विलक्षण प्रतिभा का लोहा मनवाने के लिए विवश कर दिया है। इसके बावजूद समाज में आर्थिक स्तर में बड़ी असमानता भी है। इसका कारण समाज संगठन द्वारा प्रतिभाओं की दक्षता का पूर्णरूपेण उपयोग न किया जाना है। हमारे समाज की प्रतिभाएं देश-विदेश में अपनी विशिष्ट पहचान रखती हैं, लेकिन समाज संगठन अपनी ही प्रतिभाओं का समुचित उपयोग नहीं कर रहा है। इसका कारण समाज में व्याप्त गुटबंदी है, जिसमें शीर्ष संगठन से लेकर नीचे के स्तर तक प्रतिभाओं का उपयोग न कर सिर्फ गुट विशेष को ही महत्व दिया जाता है। इससे समाज की प्रतिभाओं की उपेक्षा हो रही है और नतीजन संगठन की घटती क्षमता के रूप में सामने आता है।

यदि हमारे शीष संगठन पूर्वाग्रह को छोड़कर इस ओर ध्यान दें तो समाज को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। आज हमारी युवा पीढ़ी सभी क्षेत्रों में अग्रणीय है, चाहें पढ़ाई हो, व्यापार उद्योग या सामाजिक दायित्वों को निभाने का मामला ही क्यों न हो। युवाओं में एक नई ऊर्जा होती है। अतः समाज उनसे अपेक्षा भी अधिक करता है। युवा वर्ग समाज को संगठित करने तथा कुरीतियों से निजात दिलाने में अपनी महती भूमिका निभा सकता है। उनकी ऊर्जा समाज को सर्वांगीण विकास के पक्ष पर ले जा सकती है। लेकिन यह सब तब संभव है, जब हम युवा वर्ग और समाज की प्रतिभाओं को समाज के लिए कुछ करने का अवसर दें।

वर्तमान दौर में माहेश्वरी समाज एक बड़ी समस्या से जूझ रहा है, जो है अंतरजातीय विवाह। हाल ही में में समाज में अंतरजातीय विवाह संबंधों ने तेजी से जोर पकड़ना शुरू कर दिया है। इससे समाज के लोगों के मन में आशंका उत्पन्न होने लग गई है कि क्या हमारा समाज लंबे समय तक अपना वजूद बनाए रख पाएगा? इस संबंध में मेरे विचार से समाज के शीर्ष संगठन से लेकर नीचे के स्तर तक आत्मबोध करना होगा। ऐसे संबंधों से कैसे बचा जा सके इसके लिए आत्म चिंतन करना होगा। मेरे विचार में जरूरत इस बात कि है कि समाज इस प्रकार के विवाह संबंधों को मान्यता प्रदान न करे। किसी भी परिस्थिति में हमारी युवा पीढ़ी भटके नहीं, इसके लिए नई पीढ़ी में संस्कारों के बीजारोपण करने होंगे। हर परिवार को अपना सामाजिक दायित्व समझना होगा।

याद रखें यदि हम शीर्ष पर हैं, तो यह उपलब्धि हमारे 'माहेश्वरी' होने से है। यदि हम अपनी पहचान व संस्कारों से ही दूर हो गए तो भटक जाएंगे। इस भटकाव की भविष्य में हमें बहुत ही बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। इसके लिए हमें अभी से सतर्क होकर अपनी पारिवारिक जिम्मेदारी समझनी होगी। अन्यथा बहुत देर हो जाएगी और स्थितियाँ हमारे हाथों से निकल जाएंगी।

सत्यनारायण डाड
अतिथि सम्पादक

श्री भेंसादपाड़ा माताजी

श्री भेंसाद पाड़ा माताजी जिन्हें भेंसादश्री या भेंसाद माताजी भी कहा जाता है, माहेश्वरी समाज की आगीवाल आगाल खाँप एवं चन्द्रास गौत्र की कुलदेवी हैं।

इन्दौर-अजमेर अथवा रतलाम-अजमेर मार्ग के महत्वपूर्ण स्टेशन नीमच सिटी में स्टेशन से लगभग 4 किमी. की दूरी पर मीणा मोहल्ला में माताजी का मन्दिर स्थित है। ऐसी प्रचलित मान्यता है कि मन्दिर का निर्माण भी नीमच शहर के स्थापत्य काल ही है। मान्यता के अनुसार माताजी की उत्पत्ति अक्टूबर 1984 में हुई थी। माहेश्वरी मोहल्ला, नीमच सिटी के नन्दलाल आगीवाल को भोरकाल में माताजी में माताजी ने लाल वस्त्रों में दर्शन दिये और कहा था कि वे नीमच में प्रकट होंगी। नन्दलाल ने प्रातः ही अपना स्वप्न परिजनों व अन्य आगीवाल बन्धुओं तक पहुंचाया। मन्दिर जो मीणा मोहल्ला में स्थापित था जीर्णोद्धार की कार्य योजना निर्मित की जाने लगी मात्र एक माह के पश्चात ही नवबंर 1984 में ही जीर्णोद्धार कार्य आरंभ हो गया। स्वप्न साकार हुवा व पत्थर की प्रतिमा के रूप में माँ भेंसाद श्री खुदाई के दौरान ही प्रकट हो गई। आगीवाल बन्धुओं द्वारा फरवरी 1985 में ही मन्दिर की जीर्णोद्धार कार्य पुर्ण कर लिया।

विशेष आयोजन

मन्दिर का वातावरण अत्यन्त सुरम्य है। आस्था व श्रद्धा के साथ स्थानीय लोग प्रतिदिन दर्शन, पूजन व आरती में भाग लेते हैं। दोनों नवरात्रि में नो दिनों तक घट स्थापना के पश्चात् विभिन्न पूजन तथा अष्टमी को हवन, धूप, भोग आदि कार्य नियमित आरती के साथ सम्पन्न होते हैं। एक अन्य जानकारी के अनुसार डीडवाना, खेजड़ला व पुरानी दिल्ली में भी माताजी का स्थान है। नीमच शहर में ठहरने के प्रत्येक स्तर के स्थान अनेक हैं।

कैसे पहुँचे

रतलाम (म.प्र.) से चित्तौड़गढ़(राज.) के मध्य पश्चिम रेल्वे के महत्वपूर्ण सीमावर्ती स्टेशन नीमच सिटी में स्टेशन से 4 किमी व बस स्टेण्ड से डेढ़किमी की दूरी पर स्थित मंदिर के लिए दोनों स्थानों से ऑटो रिक्शा व अन्य सुलभ साधन हैं। रतलाम व चित्तौड़गढ़ की ओर से सड़क मार्ग पर बस सुविधा हर समय उपलब्ध रहती है।

अ.भा. माहेश्वरी महासभा की बैठक 'सोमनाथ समागम' सम्पन्न

सौम्य-आतिथ्य में तल्ख मुद्दे और प्रतिभा मंच

सोमनाथ के आंगन में समाज का संस्कृति, संस्कार और समृद्धि का संगम

गुजरात प्रदेश सभा के आतिथ्य को सभी ने सराहा

गुजरात का सौम्य स्वभाव शायद भगवान सोमनाथ के कारण ही है, यही झलक अभा माहेश्वरी महासभा की बैठक के दौरान भी दिखाई दी। बैठक में आए अतिथियों के स्वागत में कोई कसर नहीं रखी गई। महासभा की यह बैठक जिस सौम्यता के बीच आयोजित हुई, उसमें बहस के तल्ख मुद्दों का करारापन समाज के भविष्य को लेकर महासभा की चिंताओं को प्रकट करता नजर आया। सौम्य और कठोर के बीच मंच पर प्रतिभाओं का सम्मान यह विश्वास दिलाने में सफल रहा कि बिगड़ा कुछ नहीं है, एक दिशा भटकाव है, जिसे हमें महसूस करना होगा, कराना होगा और तय करनी होगी महासभा की जिम्मेदारी कि भगवान महेश के अंश अपनी संस्कृति, संस्कार और प्रतिभावान समृद्धि को अक्षुण्य रखते हुए विश्वपटल पर अपने आपको सदैव सर्वोच्च साबित कर पाएं। शायद यह विश्वास दिला पाएं कि जिन चिंताओं ने आज महासभा को घेरा है, उसका चक्रव्यूह भेदन रहस्य युवाओं के पास है। युवाओं पर विश्वास रखें और विश्वास में लें। महिला शक्ति की समानताओं को पहचाने, बजाय उन्हें कमतर आंकने के। जिम्मेदारी सौंपे तो कि समाज के ये दो बड़े घटक भविष्य के नव निर्माण में नींव के पत्थर साबित होंगे। सोमनाथ की साक्षी में वर्जनाओं को पालने की बजाय यदि हमने अपने इस मजबूत इरादों वाले संगठनों को आगे किया तो निश्चित ही यह चिंतन भविष्य के सुनहरे पृष्ठों की आभा बन जाएगा।

»» टीम SMT

भगवान सोमनाथ की नगरी में गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी सभा के आतिथ्य में गत 24 व 25 फरवरी को अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के 28वें सत्र की चतुर्थ कार्यसमिति तथा तृतीय कार्यकारी मंडल की बैठक का आयोजन हुआ। इसके साथ ही नवीन परम्परानुसार अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन तथा महिला संगठन की बैठक भी आयोजित हुई। महिला व युवा संगठन ने भी अपनी कार्यक्रमों की रिपोर्ट प्रस्तुत कर समाजहित में महासभा से सहभागिता की। कार्यक्रम की अध्यक्षता सभापति श्यामसुंदर सोनी ने की। इस अवसर पर देशभर से आये पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे। इस बैठक के दौरान ही इस बार का कोठारी शौर्य पुरस्कार दीया मोदानी को दिया गया। उन्हें पुरस्कार प्रबंधक न्यासी लोकेंद्र करवा वाराणसी एवं महासभा के संगठन मंत्री अजय काबरा द्वारा प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन गुजरात प्रदेश माहेश्वरी सभा मंत्री कृष्णकुमार चांडक ने किया। बैठक का संचालन महामंत्री संदीप काबरा ने किया।

कम उपस्थिति का दर्द

इस बैठक में सदस्यों की पूर्व की अपेक्षा कम उपस्थिति नजर आई। इस कम उपस्थिति का दर्द सभापति श्री सोनी के उद्‌बोधन में भी नजर आया। पूर्व में दो बैठक हो चुकी है। अतः कई सदस्यों ने इनमें भाग लेकर इस बैठक में उपस्थित होने की आवश्यकता ही नहीं समझी। वैसे सभापति ने इसे विधान की कमी कहा, लेकिन कई पूर्व पदाधिकारियों की अनुपस्थिति ने कारण पर नये सिरे से विचार करने के लिये भी विवश कर दिया कि आखिर ऐसा क्यों? इस अवसर पर हमेशा उपस्थित रहने वाले पूर्व सभापति रामपाल सोनी, पद्मश्री बंशीलाल राठी, रघुनाथदास सोमानी व जोधराज लड्ढा के साथ पूर्व महामंत्री रामकुमार भूतड़ा, कमलकिशोर चांडक, युवा संगठन के पूर्व अध्यक्ष रमेश मर्दा, कमल भूतड़ा, पूर्व अर्थमंत्री रमेश बंग, पूर्व उपसभापति रामगोपाल मुंदड़ा, रमेश माहेश्वरी, विजय राठी, जे.एम. बूब, दामोदर बंग, नथमल डालिया, बनवारीलाल जाजू, नवल राठी, पूर्व संयुक्त मंत्री घनश्याम करनानी जैसे कई समाजसेवियों की उपस्थिति भी नजर नहीं आई।

मन की बात में उभरी पीड़ा

दो दिवसीय सोमनाथ सम्मेलन के पहले दिन गुजरात प्रादेशिक के अध्यक्ष त्रिभुवन काबरा ने अपने स्वागत उद्‌बोधन में मन की बात कह दी। उन्होंने कहा कि समाज और पैसे वालों के बीच खाई को पाटना होगा। उनकी पीड़ा थी कि जितना ध्यान समाज पर दिया जाना चाहिये, नहीं दिया जा रहा। उन्होंने कहा कभी हमारी दिनचर्या थी, कमाई का सवा छह फीसदी दान करना। आज शिक्षा के विस्तार और कमजोर समाजजन की मदद जरूरी है। युवा और महिलाओं को जिम्मेदारी सौंपी जानी चाहिए। समाज में जो पदों पर हैं, वे भी अपनी जिम्मेदारी समझें। श्री काबरा का यह उद्‌बोधन बहुत कुछ कह जाता है। उनके मन की बात को यदि महासभा ने समझ लिया तो शायद बहुत कुछ कहने सुनने की जरुरत ही नहीं रहेगी।

चिंता ही रही चिंतन का केंद्र

सभापति श्याम सोनी के लंबे उद्बोधन में यशोगान के साथ समाज को लेकर जो चिंतन उभरा उस पर ज्यादा गौर करना होगा। उनकी चिंताएं भविष्य को लेकर हैं। उनका कहना है कि कुरीतियों के निवारण में हमें 100 साल लग गए। अब जो नई परिपाटियां अन्य समाजों से हमारे समाज में घर कर रही हैं, उनसे समाज को बचाना होगा। उन्होंने बताया कि महासभा ने अब तक इसके लिए क्या किया? 5-6 जनवरी 2019 को जोधपुर में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का ऐलान करते हुए सभापति ने कहा कि हमें हर सभा-सम्मेलन में समाज की इन उभरती समस्याओं पर मंथन करना होगा। महिला संगठन अध्यक्ष कल्पना गगडानी के उद्बोधन के दौरान जोरदार शोर-शराबा हुआ। उनका कहना था, जो लोग नियम कायदे बनाते हैं, वे ही इसका पालन नहीं करते, फिर दूसरों से कैसे उम्मीद कर सकते हैं, खासकर युवा वर्ग से, क्योंकि जो लोग देखते हैं, उस पर ही सवाल खड़े करते हैं।

क्यों उत्पन्न हुआ विवाद

महिला संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पना गगड़ानी ने चर्चा में बताया कि कम खर्चीले विवाह, भोजन की संख्या, प्री-वेडिंग पर बोलते हुए मैंने कहा कि मात्र आचार संहिता से क्या ये बंद हो जाएंगे? देखा देखी न हो, समाज में ऊंच-नीच नहीं रहे, इसलिये कितने नियम बनाएंगे? कल क्या ये कहेंगे कि बीएमडब्ल्यू या मर्सडीज मत लो केवल मारुति 800 या नेनो से काम चलाओ? औरत सिर्फ 5 तोला सोना तक जेवर पहने? इसका कोई अंत या प्रभाव नहीं रहेगा। हमें बुद्धि, विवेक, सादगी क्यों अपनानी चाहिये? ये समझना और समझाना होगा। इसे समाज के नेताओं को पहले अपनाना होगा। हम सब जानते हैं कि हम नियम बनाते हैं दूसरों के लिये और खुद डेस्टीनेशन वेडिंग करते हैं, जहां ब्रेकफास्ट से लेट नाईट तक ड्रिंक चलती है। युवा वर्ग इससे प्रश्न उठाता है, हममें विश्वास खो देता है। इस मुद्दे पर विवाद खड़ा हो गया। तब मैंने माईक लेकर अपने शब्दों का अभिप्राय उन्हें समझाया कि ये काम जबरदस्ती नहीं वरन उन्हें समझाकर इच्छावश उनसे करवायें। ये मेरी प्रार्थना थी कि मेरे विचारों का अन्य अर्थ न निकालें।

प्री-वेडिंग शूट पर लगाई रोक

प्री-वेडिंग शूट को कुरीति और हिंदू संस्कृति के अनुरूप नहीं मानते हुए महासभा ने देशभर में इस पर रोक लगा दी। इस प्रस्ताव को पास करने के बाद देशभर की समितियों से कहा गया है कि वे इसे अपने यहां पर लागू करवाएं। बैठक में तय एजेंडे के अनुसार प्री-वेडिंग शूट पर चर्चा हुई। चार प्रतिनिधियों ने कहा समाज में यह नई कुरीति की तरह सामने आई है। इसे अभी नहीं रोका, तो भविष्य में परिणाम भयावह होंगे। इसके बाद महासभा के सभापति श्याम सोनी ने प्री-वेडिंग शूट पर रोक का प्रस्ताव रखा। 400 से ज्यादा प्रतिनिधियों ने सर्वसम्मति से इसे पास कर दिया। महासभा के महामंत्री संदीप काबरा ने कहा अब प्रदेश और जिला सभा इकाई को इस निर्णय की कॉपी भेजेंगे। उनकी जिम्मेदारी होगी कि वे इसे अपने यहां लागू करवाएं।

प्रांतीय सभाओं व संगठनों ने रखा डाटाबेस

बैठक में प्रांतीय संगठनों ने अपना डाटाबेस प्रस्तुत किया। इनमें पता चला कि कुछ प्रांतों ने महासभा की गाइडलाइन के अनुसार 90 प्रतिशत तक काम पूरा कर लिया, लेकिन कुछ में काम अधूरा है, खासकर सोसायटियों को इकॉनोमिक डाटा जुटाने में। मंच से उन्हें ताकीद की गई कि वे अपना काम जल्दी पूरा कर लें। इससे महासभा को नई योजनाएं बनाने में मदद मिलेगी। यह एक अच्छी पहल है, जिसके सुपरिणाम मिलने की उम्मीद की जा सकती है। बैठक के दौरान श्री बांगड माहेश्वरी मेडिकल वेलफेयर सोसायटी, श्री आदित्य विक्रम बिडला मेमोरियल व्यापार सहयोग केंद्र, बद्रीलाल सोनी माहेश्वरी शिक्षा सहयोग केंद्र, रामगोपाल माहेश्वरी स्मृति शिक्षा केंद्र, श्रीकृष्णदास जाजू ट्रस्ट आदि के प्रतिवेदन भी प्रस्तुत किये गये।

सभापति ने यह कहा

▸▸ मुझे कुछ लोगों ने जानकारी दी कि कुछ लोग सोमनाथ इसलिए नहीं आए कि हमारा संविधान कहता है कि सत्र में वोटिंग का अधिकार कायम रखना है तो दो बैठक में उपस्थित होना जरूरी है। वृंदावन में 90 प्रतिशत लोग उपस्थित हो गए और लोगों के मन में आया कि मेरे वोटिंग का अधिकार तो कायम है तो सोमनाथ जाने की क्या आवश्यकता है?

▸▸ हमें समाज को वोटिंग से बाहर निकालना है लेकिन जब तक हमारे सदस्यों का माइंडसेट नहीं बदलेगा तब तक हम चुनाव करवाते रहेंगे ऐसे में क्या हम अपने दायित्वों के साथ न्याय कर पाएंगे? कहीं न कहीं यह बात सोचनीय है।

▸▸ आज दर्पण और सिद्धि की उपस्थिति और उनके जीवन वृत्तांत ने यह प्रस्तुत किया, यह बताया है कि व्यक्ति अगर जीवन में कुछ ठान लेता है तो कुछ भी असंभव नहीं है।

▸▸ क्या यह मीटिंग या यह अवसर कुछ ऐसा संकल्प लेने का अवसर नहीं है कि समाज के विकास की जो जिम्मेदारी हमारे ऊपर है, हम उसका निर्वहन करने का पूरा प्रयास करेंगे। पिछली बैठक से इस बैठक में क्या हुआ? क्या छूटा? उसे हमें आगे कैसे करना है? उसका रोडमैप निर्धारित करने के लिए यह मीटिंग है।

▸▸ जहां पर भी समाज के 50 परिवार हैं वहां महासभा के पदाधिकारी या प्रदेश सभा के पदाधिकारी पहुंचकर समाज को एकत्र करें। महासभा की सारी योजनाएं, ट्रस्टों की जानकारी उन परिवारों तक पहुंचाएं।

▸▸ बड़े गर्व के साथ मैं यह बात आप से कह सकता हूं कि इन 14 महीनों में हमारे सभी महासभा पदाधिकारियों व प्रदेश पदाधिकारियों ने मिलकर करीब 500 ऐसे स्थानों पर समाज को जागृत करने के कार्यक्रम किए।

▸▸ 100 साल पहले हमारे बुजुर्गों ने जब इस संस्था को बनाया, उसमें मूलभूत भावना थी सुधार की। शनैः शनैः हमने उसमें परिवर्तन किया। सुधार से सेवा के क्षेत्र में आए। सेवा से विकास के क्षेत्र में आए, लेकिन मेरा मानना है कि हम विकास के किसी भी शिखर पर पहुंच जाए लेकिन समाज साथ नहीं रहा, समाज खत्म हो गया तो ऐसा विकास किसको दिखाएंगे? ऐसा विकास किस काम का?

▸▸ 5-6 जनवरी 2019 को जोधपुर में हम महासभा के द्वारा एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन लेना चाहते हैं। इसमें 40 हजार की उपस्थिति हम अपेक्षित करते हैं।

▸▸ इन सम्मेलनों में समाज की प्रमुख समस्याओं को रखना है। यदि हम इन समस्याओं को हल नहीं कर पाए तो हमें जो जवाबदारी मिली है, हम उसका सफलतापूर्वक निर्वहन नहीं कर पाएंगे।

▸▸ अगर समाज के अंतर्जातीय आंकड़ों को हम देखें तो पाएंगे कि हमारी लड़कियां दूसरे समाज के लड़कों के साथ गृहस्थ आश्रम बसाने को तैयार हैं। इसके दो कारण हैं एक तो जो हायर एजुकेशन प्राप्त हैं, उस क्वालीफिकेशन के बाद समाज में उनके अनुसार लड़का नहीं मिलता तो वह दूसरे समाज के लड़कों के साथ शादी करने को तैयार हो जाती हैं। दूसरी वो बच्चियां जो एकेडमिक में अच्छी नहीं हैं, उनके माता-पिता ताबड़तोड़ उनकी शादी कर रहे हैं। यह समस्या काफी गंभीर है। यदि हम इस ओर अभी से गंभीरता से ध्यान नहीं देंगे तो हमारे समाज में अंतर्जातीय विवाह की संख्या दिनोंदिन बढ़ती जाएगी। इस समस्या पर चिंतन करने की आवश्यकता है।

▸▸ एक नई बीमारी भी आ रही प्री-वेडिंग शूट की समस्या तेजी से उभर रही है। इस समस्या पर भी हमें ध्यान देना चाहिए। हमारे बच्चों की शादी में एक-दूसरे से अच्छा दिखने के कारण यह समस्या भी तेजी से बढ़ रही है।

युवाओं में उत्पन्न करेंगे जागृति

महासभा की बैठक में जो निर्णय लिये गये हैं, हम उनका पालन करेंगे। समाज में प्री-वेडिंग शूट तथा अंतर्राजातीय विवाह रोकने के लिये स्थानीय स्तर तक संपूर्ण संगठन को साथ लेकर कार्य योजना तैयार की जाएगी। इसके लिये युवा वर्ग की काउंसलिंग कर उन्हें इनके दुष्प्रभावों से अवगत कराएंगे। जिससे वे इनसे दूर हटें। इसके साथ ही हमारा यह प्रयास होगा कि समय पर युवाओं का विवाह हो सके। उसके लिये 18 से 21 वर्ष की युवतियों तथा 21 से 24 वर्ष के युवकों की भी काउंसलिंग भी करेंगे।

बैठक में ये हुए निर्णय

- 5-6 जनवरी 2019 को जोधपुर में अंतरराष्ट्रीय माह अधिवेशन आयोजित करने का निर्णय। 40000 समाजबंधु अपेक्षित। पंजीयन शुल्क 2000 रुपए। पंजीयन की अंतिम तिथि 31 अगस्त 2018।
- वर्ष 2018 में स्थानीय, जिला, प्रदेश व आंचलिक अधिवेशन आयोजित कर समाज की समस्याओं व सुधार पर फोकस का निर्देश।
- वर्तमान स्थिति से अगले 70-80 वर्षों में समाज की जनसंख्या घटकर एक लाख तक रह जाएगी। अतः पांच-सात वर्षों में ही सुधार के कार्य करना जरूरी।
- विवाह सहयोग समिति द्वारा निःशुल्क वेबसाइट www.maheshwariparinay.com लाँच की गई।
- महिला व युवा संगठन के सहयोग से 10 से 16 वर्ष के बालक-बालिका के लिए शिविर आयोजित कर उन्हें समाज के संस्कारों से अवगत करवाना। सतत माइंडचेंज के कार्यक्रम आयोजित करना।
- सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण के लिए अंतिम तिथि 31 मार्च तय।
- सामाजिक विषयों की सीडी महेश नवमी पर भेजने का निर्णय व महिला संगठनों के माध्यम से कन्या जन्म उत्सव मनाने का अनुरोध।
- टेक फ्रेंडली जिला सभाओं को महासभा द्वारा पुरस्कृत करने की घोषणा। उपस्थिति आईडी कार्ड दिखाकर दर्ज की गईं व आगे भी करने की योजना।
- महासभा का यू ट्यूब चैनल आगामी बैठक के पूर्व आरंभ करने का निर्णय। केंद्रीय कार्यालय नागपुर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग शीघ्र शुरू होगी।
- बद्रीलाल सोनी शिक्षा सहयोग केंद्र द्वारा 20 विद्यार्थियों का पूरा खर्च उठाने का निर्णय। बच्चों को गोद लेने व छात्रावासों में प्रवेश दिलाकर संपूर्ण व्यय उठाने का विचार।
- कार्यसमिति की आगामी मीटिंग 19-20 मई को नेपाल में। निर्वाचन अधिकारी द्वारा नए प्रावधानों की 16 बिंदुओं में व्याख्या व जानकारी-सभी को भेजने का निर्णय।

बैठक में किसने क्या कहा

संस्कारों को सहेजें

जमाना नहीं बदला, हमने संस्कारों को छोड़ दिया है। जरूरत सही उम्र में बच्चों की शादी करें। सही उम्र में बेटी को ब्याहो और बहू को भी पढ़ाओ।

-त्रिभुवन काबरा
अध्यक्ष-गुजरात प्रदेश माहेश्वरी सभा

प्री-वेडिंग शूट संस्कृति के खिलाफ

समाज में शादियां टूट रही हैं, तो माता-पिता जिम्मेदार हैं। हम अपने पुत्र-पुत्री को सही संस्कार दें, तो यह समस्या आऐगी ही नहीं। प्री-वेडिंग शूट वास्तव में हमारी संस्कृति के पूर्णतः खिलाफ है। **- महेश लद्दड़**
अध्यक्ष-बड़ौदा जिला माहेश्वरी सभा

स्वयं करें तय

हमें तय करना है कि हमें किस तरह का जीवन जीना है। भारत में रहना है या यू.एस.ए. में। इसके लिये अपने संस्कारों को संरक्षित करना होगा।

- एस.एन. चांडक
नई दिल्ली

अपव्यय को रोकें

समाज में अपव्यय रोकने के प्रयास हों। जो समाज बंधु 10 लाख रुपये से अधिक ऐसे समारोह में खर्च करते हैं, उनसे समाजहित में एक निश्चित राशि लेने का नियम बने।
- कैलाश कोठारी, भीलवाड़ा

समय पर करें संतानों के विवाह

विवाह के मामले में चिंतन जरूरी है, जिससे समय पर विवाह हो। वर्तमान में तो स्थिति यह हो रही है कि लोगों को ब्याज अर्थात् पोते का मुंह देखने को ही नहीं मिल रहा है, तो 'ब्याज प्यारा' होना तो दूर की बात है। विवाह संबंध टूटें नहीं, इसके लिये भी गहन चिंतन हो। **-जयकिशन सारड़ा** नेपाल

सभी मिलकर काम करें

युवा व महिला संगठन महासभा की सहयोगी संस्था हैं। सभी को साथ मिलकर समाजहित में कार्य करना है। यह संकल्प लें। **- जुगलकिशोर सोमानी**
संयुक्त मंत्री-महामंत्री कार्यालय

आयोजन समिति सदस्यगण

इन्हें सम्मानित कर गौरवान्वित हुई महासभा

महासभा की इस बैठक के दौरान समाज की प्रतिभा दर्पण ईनाणी व सिद्धि करनानी को विशिष्टि प्रतिभा के रूप में सम्मानित किया गया। अद्वितीय साहस के लिए कोठारी बन्धु शौर्य स्मृति पुरस्कार से दीया मोदानी को सम्मानित किया गया। आइयें जानें उनकी कहानी उनकी जुबानी . . .

दर्पण ईनानी

तीन वर्ष की आयु में मैंने अपनी आंखों की रोशनी खो दी थी। जब मुझे बुखार आया था तो डॉक्टर ने इंजेक्शन दिया। उस इंजेक्शन के रिएक्शन के कारण मैंने अपनी आँखों की रोशनी पूरी तरह से खो दी। फिर चार से पांच साल तक इलाज करवाते रहे और फिर स्कूल की खोज करते रहे। मेरी पूरी स्कूल की पढ़ाई नार्मल स्कूल में हुई। मैंने ब्रेल लिपि का सहारा नहीं लिया। नार्मल कम्प्यूटर से पढ़ाई पूरी की। प्रश्न पत्र को स्कैन व कॉपी कर डाल देते थे। मैं एक टॉकिंग सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल करता हूं जिसकी मदद से कम्प्यूटर की स्क्रीन पर जो दिखता है वह सॉफ्टवेयर के माध्यम से मुझे सुनने को मिलता है। मैं प्रश्न सुनता और उसके बाद उत्तर टाइप करता था जिसका प्रिंट आउट निकलता था। इसके बाद सभी बच्चों की आंसरशीट के साथ मेरी भी कॉपी चेक हो जाती थी। बोर्ड में ही राइटर की जरूरत पड़ी। इसी तरह जब में 14 वर्ष का था तब मैंने शतरंज खेलने की शुरुआत की। अब प्रोफेशनल शतरंज खेल रहा हूं। तात्पर्य यह है कि आपके मन में अगर पूरी लगन हो तो आपको लोगों का साथ जरूर मिलता है।

सिद्धि करनानी

मैंने एमबीए किया है आईआईएम अहमदाबाद से। जब मैं वहां पर एमबीए कर रही थीं तो हमारे कोर्स में था शोध यात्रा। उसके लिए हम सिक्किम गए थे। वहां मुझे पता चला कि सिक्किम पूरा आर्गेनिक राज्य में बदल गया है। वहां पर सिर्फ जैविक खेती होती है। वे लोग किसी भी प्रकार का कीटनाशक उपयोग नहीं करते हैं। पर वहां के जो किसान भाई हैं, उनके लिए वहां पर मार्केट नहीं है। उनको सही उपज के सही दाम नहीं मिल रहे हैं। जैविक खेती स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक है और उसकी बाजार में भी बहुत मांग है। ऐसे में मैंने सोचा अगर किसानों को हम मार्केट से सही तरीके से जोड़ सकें तो उन्हें बेहतर दाम दे सकते हैं। मैंने एमबीएम किया और प्लेसमेंट नहीं लिया किसी भी कंपनी में। उसके बाद मैंने खुद अपना स्टार्टअप अपने बैचमेट के साथ शुरू किया और अभी हम सिक्किम में 1 हजार किसानों के साथ काम कर रहे हैं, उनको ट्रेंड कर रहे हैं। वहां पर हमने एक प्रोसेसिंग फैक्ट्री लगाई है। जब हमारे पीएम नरेंद्र मोदी सिक्किम आए, तो हम से मिले और हम से बात की। पिछले माह हमें महामहिम राष्ट्रपति से "फर्स्ट लेडी अवॉर्ड" नार्थ ईस्ट में किसानों के साथ आर्गेनिक खेती करने के लिए मिला।

शौर्य सम्मान से सम्मानित दीया मोदानी

इस बार का कोठारी शौर्य पुरस्कार दीया मोदानी को दिया गया। उन्हें पुरस्कार प्रबंधक न्यासी लोकेंद्र करवा वाराणसी एवं महासभा के संगठन मंत्री अजय काबरा द्वारा प्रदान किया गया। पूरा परिवार केरल की यात्रा पर गया था। इसी दौरान इनकी बस एक गहरी खाई में गिर गई। इस 15 वर्षीय बालिका ने साहस का परिचय देते हुए न सिर्फ पूरे परिवार की जान बचाई बल्कि उन्हें अस्पताल तक भी पहुंचाया।

यादगार बन गई बैठक

हमारा यह सौभाग्य है कि इस बैठक की व्यवस्था संभालने का अवसर मिला। देशभर से आये समाजसेवियों का सान्निध्य व मार्गदर्शन यादगार बन गया। सभी साथियों के साथ व आगंतुकों के सहयोग ने सबकुछ आसान कर दिया। अब तो ये पल हमारी स्वर्णिम यादगार में शामिल हो गये हैं, जिन्हें हम कभी नहीं भूलेंगे।

कृष्ण कुमार चाण्डक
मंत्री-गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी सभा

सुरेशचन्द्र मूंदड़ा
स्वागत अध्यक्ष

श्याम सुन्दर राठी
कार्यसमिति सदस्य

महेश लड्ढा
आवास समिति संयोजक

सत्यनारायण ईनानी
स्वागत समिति सदस्य

महिला संगठन ने जगाया 'सद्भाव'

अ.भा माहेश्वरी महिला संगठन के एकादश सत्र की तृतीय कार्य समिति बैठक सम्पन्न

पुणे। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा अपने 11 वें सत्र की तृतीय कार्य समिति बैठक "सद्भाव 2018" का आयोजन गत 22-23 फरवरी को महेश सांस्कृतिक भवन पुणे में किया गया। इसमें समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करते हुए समाज के विकास पर जोर दिया गया।

कार्यक्रम के शुभारंभ में महेश वंदना कविता मालपानी, स्वागत गीत उर्मिला लड्ढा तथा रेखा राठी द्वारा प्रस्तुत किया गया। इसमें सुगंधा समिति प्रभारी एवं संयोजिकाओं ने प्रस्तुति दी। इनमें पुष्पा तोषनीवाल, नीलम सारड़ा चैन्नई, नीना भंडारी विदर्भ, प्रेम बल्दवा राजसमंद, रत्ना जाजू महाराष्ट्र, मनोरमा काल्या भीलवाड़ा शामिल थीं। जिला अध्यक्ष गीता राठी द्वारा शाब्दिक स्वागत किया गया। मंच संचालन राष्ट्रीय महामंत्री आशा माहेश्वरी द्वारा किया गया। सर्वप्रथम देश के कोने-कोने से पधारी सभी पदाधिकारियों एवं कार्य समिति सदस्याओं का शाब्दिक स्वागत अभिनंदन किया गया। तत्पश्चात जो समाज सदस्य-सदस्याएं स्वर्गवास कर चुके हैं, उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

श्रीमती गगडानी ने किया प्रेरित

राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पना गगरानी ने अध्यक्षीय उद्बोधन दिया। उन्होंने कहा कि मैं महाराष्ट्र प्रदेश की आभारी हूं जिन्होंने बैठक का आयोजन किया। उन्होंने कहा कि इतिहास से सीखना भी जरूरी है। शिवाजी द्वारा इतनी बड़ी मुगल सत्ता से जूझना हिंदू राष्ट्र के अस्तित्व की पहचान बनाना हमें प्रेरित करता है। महिला संगठन को भी ऐसा ही इतिहास बनाना है।

परिवार की समझाई परिभाषा

कोलकत्ता कार्यक्रम पर भी चर्चा हुई। सुकीर्ति समिति प्रभारी सोनाली मूंदड़ा, सुरम्या समिति प्रभारी निशा लड्ढा, सुरभि समिति प्रभारी प्रेमा झंवर, सुलेखा समिति प्रभारी मंजू मानधना, संवरणा समिति प्रभारी निर्मला बाहेती, प्रदेश अध्यक्ष निर्मला मल्ल, सीमा मुदंडा, शीला समदानी, इंद्रा कमल गांधी सभी का सहयोग के लिये आभार व्यक्त किया गया। सदन द्वारा कोलकाता कार्यकारिणी की पुष्टि की गई। अर्थ मंत्री कौशल्या गट्टानी द्वारा आय- व्यय का ब्योरा प्रस्तुत किया गया। निर्वतमान राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशीला काबरा द्वारा उद्बोधन में कहा गया कि फाल्गुन के इस मदमस्त मौसम में शौर्य की नगरी पूना में बैठक आयोजित की गई है। उन्होंने नारी को धरा, बच्चों को स्तम्भ तथा पिता को छत का उदाहरण देकर समाज की सुंदर व्याख्या की।

सभी अंचलों ने चलाई सेवा यात्रा

समस्त आंचलिक उपाध्यक्ष एवं संयुक्त मंत्री द्वारा अपने-अपने अंचल की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। उत्तरांचल- उपाध्यक्ष कांता गगरानी व संयुक्त मंत्री शर्मिला राठी ने बताया कि 13 जनवरी को दिल्ली में 11 समितियों का प्रारुप तैयार किया गया तथा सुदर्शन ब्रज यात्रा का आयोजन किया

गया। पूर्वोत्तर- मंजू कोठारी (संयुक्त मंत्री) ने बताया की पांचों प्रदेशों का भ्रमण किया गया। पुरी का अधिवेशन तथा डायरेक्ट्री तैयार की गई। खेलकूद महोत्सव उर्जिता-2018 कोलकाता में सहभागिता की गई। पश्चिमांचल उपाध्यक्ष ममता मोदानी व संयुक्त मंत्री फूलकंवर मूंदड़ा ने बताया कि भीलवाड़ा में आंचलिक बैठक तथा खेलकूद महोत्सव क्रीड़ा कुंभ का आयोजन किया गया। मध्यांचल उपाध्यक्ष ज्योति राठी व संयुक्त मंत्री मंगल मर्दा ने पांचों प्रदेशों को सशक्त स्तम्भ बताया तथा क्रिकेट टीम की सराहना करके बताया कि पांचों मैच अंचल ने जीते। दक्षिणाचंल की संयुक्त मंत्री श्रीमती प्रकाश मूंदड़ा ने बताया कि विधान संशोधन पर चर्चा हुई। संगठन ने राष्ट्रीय संगठन के निर्देशानुसार कार्य किया।

समितियों ने बताई सेवा की कहानी

वर्तमान सत्र में सेवा गतिविधियों को गति देने के लिये विभिन्न समितियों का गठन पूरे देश में किया गया। इन्होंने सक्रिय रूप से कार्य किया। पुष्पा तोषनीवाल सुगंधा समिति प्रभारी द्वारा पीपीटी प्रजेन्टेशन से सभी अंचलों में चले कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। मंजू मानधना ने सुलेखा समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि चिंतन मनन से समाज में जागृति लाने का प्रयास किया गया। उर्मिला कलंत्री ने संचालिका समिति की रिपोर्ट में बताया कि 2717 स्थानों पर बी "स्मार्ट विद फोन" कार्यशालाऐं लगाई गयीं। गिरिजा सारड़ा ने सुश्रीता समिति की रिपोर्ट के वाचन में बताया कि कुकिंग, सुजोग थैरेपी, कलर थैरेपी, न्यूमरोलाजी की जानकारी दी गई। नारी दिवस पर नारी सम्मान करने का सभी प्रदेशों ने प्रोग्राम किये। शोभा भदादा ने सौष्ठा समिति की रिपोर्ट में बताया कि 1 वर्ष में 27 प्रदेशों में जिलास्तर पर कैम्प लगाायें व कैंसर, टॉइफाइड, डायबिटिज टेस्ट की सेवा दीं। संवरणा समिति की रिपोर्ट निर्मला बाहेती ने प्रस्तुत कर बताया कि उत्तरांचल में 5 कन्याओं का कन्यादान, 4 संबंध जुड़वाए। 200 बायोडाटा का आदान-प्रदान किया। पश्चिमांचल में 4 संबंध तय करवाये व 12 जोड़ों के विवाह में आर्थिक सहयोग दिया। दक्षिणांचल में औरंगाबाद में 11 जोड़ों का विवाह करवाया। मध्यांचल में 13 तय करवाये व संबंध व 4 जोड़ों का सामुहिक विवाह करवाया। पूर्वोचल में अभी तक 70 संबंध करवाये जा चुके हैं। इसी प्रकार अन्य समितियों ने भी अपनी सेवा गतिविधियों की रिपोर्ट पेश की गई।

सांस्कृतिक कार्यक्रम व अगले दिन स्वागत

रात्रि में महाराष्ट्र प्रदेश द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। द्वितीय दिवस 23 जुलाई को भावभीना स्वागत समारोह प्रातः 11 बजे से प्रारंभ हुआ। मुख्य अतिथि मैनाबाई धनराज राठी व प्रमुख वक्ता रजनी लखोटिया थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कल्पना गगरानी ने की। सोनाली मूंदड़ा द्वारा अतिथि स्वागत किया गया। प्रमुख अतिथि सुशीला काबरा, आशा माहेश्वरी, सम्मानीय अतिथि लता लाहोटी, प्रकाश मुंदड़ा, पुष्पा तोषनीवाल थीं। कार्यक्रम का संचालन अंजलि तापडिया ने किया। स्वागत गीत प्रतिमा सारड़ा, ज्योति सारड़ा, मनीषा भूतड़ा ने प्रस्तुत किया।

कविताओं ने गुदगुदाया

स्वागत समारोह में काव्य प्रतियोगिता सम्पन्न हुई, जिसका संचालन अनुश्री ने किया। विषय था गांव बने प्यारा, शहर से हो न्यारा। विकसित गांव होंगे तो शहर की और भागना नहीं पड़ेगा।" प्रत्येक अंचल में से एक प्रतियोगी इसमें शामिल हुईं। इसमें पूर्वांचल से उर्मिला तापड़िया, मध्यांचल से उषा मोहन्तो, उत्तरांचल से मंजू हुरकुट व दक्षिणांचल से अर्पणा काबरा शामिल थी। इस प्रतियोगिताओं में प्रथम मध्यांचल, द्वितीय दक्षिणांचल रहें।

नुक्कड़ नाटक से दिखाई सुधार की राह

नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता में समाज की समस्याऐं शामिल थीं। इसमें पूर्वांचल ने "बेटी घर ना घुसायें सर", उत्तरांचल ने "आपकी सोच बन गयी बच्चों पर बोझ" मध्यांचल ने "तलाक समस्या या समाधान" पश्चिमांचल ने "खुद संभलों परिवार संभालो" तथा दक्षिणांचल ने "महिला कमाई न बने सर धुनाई" विषय पर प्रस्तुति दी। इसमें नकारात्मक-सकारात्मक पहलू के साथ सामाजिक संदेश दिया गया। इसमें प्रथम पूर्वांचल तथा द्वितीय मध्यांचल रहे। इसी अवसर पर रेखा मंत्री, निर्मला सारड़ा व संजय झंवर को सम्मानित किया गया। अंत में श्रीमती गगडानी के आभार प्रदर्शन से कार्यक्रम का समापन हुआ।

स्वास्थ्य की चिंता के लिए लगा 'सेहत मेला'

माहेश्वरी युवा संगठन के इस आयोजन का समाजसेवी शरद बागड़ी ने किया उद्घाटन

नागपुर. स्थानीय माहेश्वरी युवा संगठन व माहेश्वरी पंचायत द्वारा समाजजनों के स्वास्थ्य की चिंता के लिए एक अभूतपूर्व प्रयास किया गया। इसके अंतर्गत समाजजनों को अच्छा स्वास्थ्य, चिकित्सा एवं परामर्श प्रदान करने के लिए गत 28 जनवरी से 18 फरवरी तक सेहत मेले का आयोजन किया गया।

युवा संगठन अध्यक्ष हेमंत राठी, सचिव शैलेष मोकाती तथा माहेश्वरी पंचायत अध्यक्ष चंद्रकिशोर चांडक के नेतृत्व में आयोजित इस 'सेहत मेला' के प्रकल्प संयोजक डॉ. आनंद भूतड़ा व सहसंयोजक डॉ. सौरभ राठी तथा डॉ. अंकूर धूत थे। कार्यक्रम के प्रमुख अतिथि पोर्टफोलियो कंसल्टेंट, लेखक व कई राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त समाजसेवक शरद गोपीदास बागड़ी व विशेष अतिथि अभा माहेश्वरी महासभा के नागपुर जिलाध्यक्ष शिवरतन गांधी थे। अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। योगेश सांवल ने प्रमुख अतिथि शरद बागड़ी व पूर्व अध्यक्ष सचिन बजाज ने विशेष अतिथि शिवरतन गांधी का पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया। हेमांशु चांडक ने प्रमुख अतिथि श्री बागड़ी का परिचय दिया व बताया कि समाजसेवा के लिए श्री बागड़ी को मोतीलाल ऑसवाल सिक्यूरिटीज लि. से 'वेल्थ क्रियेटर ऑफ डिकेड, केंद्रीय मानवाधिकार संगठन नईदिल्ली से 'समाज-रत्न', भारत विकास परिषद से 'विकास रत्न', राजस्थान सेवा समिति से 'राजस्थान-श्री', केंद्रीय मानवधिकार परिषद देल्ही से 'समाज-भूषण', माहेश्वरी ऑफ द ईयर 2016', क्रीड़ा भारती व नागपुर विवि से 'जीवन गौरव' सम्मान आदि कई राष्ट्रीय पुरस्कार मिले।

आयोजन की हुई सराहना

श्री बागड़ी ने अपने संबोधन में मेले की प्रशंसा करते हुए कहा कि आज साधारण परिवार व मध्यम वर्गीय गृहस्थ का 70 प्रतिशत बजट शिक्षा व चिकित्सा में खत्म हो जाता है। ऐसे में यह उपक्रम मध्यम वर्ग को बहुत सहायता व मदद करेगा। दूसरा इस तरह के आयोजन से समाज में एकता व भाईचारे को बढ़ावा मिलेगा। आज की परिस्थिति में सामाजिक एकता की बहुत जरूरत है।

मात्र 300 रुपए में संपूर्ण चिकित्सा

अध्यक्ष हेमंत राठी ने बताया सेहत मेले में माहेश्वरी चिकित्सकों के सहयोग से माहेश्वरी युवा संगठन ने समाजबंधुओं को नाममात्र 300 रुपए लेकर उत्कृष्ट स्वास्थ परीक्षण व चिकित्सा परामर्श उपलब्ध कराने की व्यवस्था की है। सेहत मेले के अंतर्गत यदि किसी जरूरतमंद सदस्य को पहली बार कोई गंभीर बीमारी ज्ञात होती है तो माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा उत्तम स्वास्थ्य परीक्षण हेतु यथोचित सहायता उपलब्ध की जाएगी। पैनल में करीब 117 डॉक्टर डॉ. गिरधर हेड़ा, डॉ. हरीश राठी, डॉ. मधुसूदन सारडा आदि अपनी सेवा प्रदान कर रहे थे। आभार प्रदर्शन श्रीकांत पनपालिया ने दिया।

बागड़ी ने किया सुराज्य दौड़ का उद्घाटन

नागपुर महा नगरपालिका, बौद्ध मागासवर्गीय सेवा संस्था, महाराष्ट्र एथेलेटिक्स एसोसिएशन की स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित सुराज्य दौड़ 2018 महाराष्ट्र राज्य मैराथान का फ्लैग ऑफ व उद्घाटन मुख्य अतिथि महापौर नंदाताई जिचकार, डॉ. राजन वेळुकर कुलगुरु रायसोनी विद्यापीठ, अनिल सोले आमदार, मिलिंद माने आमदार व जेष्ठ समाजसेवक शरद गोपीदास बागड़ी के हाथों हुआ। इस अवसर पर नागपुर के सभी नगरसेवक, आमदार, विधायक व पदाधिकारी मौजुद थे। मैराथन में सभी उम्र के करीब छह हजार धावकों ने भाग लिया। बतौर मुख्य अतिथि श्री बागड़ी ने आयोजकों का अभिवादन करते हुए कहा कि आज के समय में इस तरह के खेलकूद की जरूरत है। शहर की विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों व आमदार अनिल सोले, विधायक मिलिंद माने के हाथों श्री बागड़ी का पुष्पगुच्छ व स्मृति चिह्न से सम्मान किया गया। विजेताओं को पुरस्कार वितरण श्री बागड़ी, श्री सोले, श्री माने, विमल श्रीवास्तव मानपा नगरसेवक व उपसभापति प्रमोद तभाने के हाथों किया गया। मंच संचालन विवेक मेंढी ने किया।

फिर हुए म.प्र. पश्चिमांचल युवा संगठन के चुनाव

अब अभा माहेश्वरी युवा संगठन ने करवाये प्रदेश युवा संगठन के चुनाव

इंदौर. लंबे समय से लंबित मप्र पश्चिमांचल माहेश्वरी युवा संगठन के चुनावों के कारण थमी संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने के लिए मप्र पश्चिमांचल प्रादेशिक सभा ने पहल कर चुनाव करवा दिए थे। इसके बाद युवा संगठन व प्रदेश सभा में टकराव की स्थिति बन गई थी। राष्ट्रीय युवा संगठन ने इन चुनावों को नकराते हुए अपने स्तर पर गत दिनों राष्ट्रीय पर्यवेक्षक की उपस्थिति में चुनाव संपन्न करवाए।

अभा माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा इंदौर जिला माहेश्वरी युवा संगठन के आतिथ्य में तथा राष्ट्रीय पर्यवेक्षक की उपस्थिति में चुनाव संपन्न करवाए गए। इसमें सभी पदाधिकारी निर्विरोध चुने गए। इसके साथ युवा संगठन ने लंबे समय से लंबित मप्र पश्चिमांचल प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन के चुनावों के मामले का पटाक्षेप कर दिया। उल्लेखनीय है कि प्रदेश के कार्यकर्ताओं के आपसी मतभेद के कारण पूर्व में युवा संगठन की चुनाव प्रक्रिया निरस्त हो गई थी। अतः युवा संगठन तदर्थ समिति के माध्यम से संगठनात्मक गतिविधि चला रहा था।

ऐसी स्थिति में प्रदेश सभा ने करवाया था चुनाव

प्रदेश युवा संगठन प्रदेश सभा की सहयोगी संस्था की तरह कार्य करता है। अतः लंबे समय से युवा संगठन के चुनाव न होने से प्रदेश की सामाजिक गतिविधियां प्रभावित हो रही थीं। अतः युवा संगठन के कार्यकर्ताओं के आग्रह पर ही मप्र पश्चिमांचल माहेश्वरी सभा ने हस्तक्षेप करते हुए नागदा (मप्र) में प्रादेशिक युवा संगठन के चुनाव संपन्न करवाए थे। मप्र पश्चिमांचल माहेश्वरी सभा के महामंत्री पुष्प माहेश्वरी के अनुसार संगठन के पदाधिकारियों की बैठक में कुछ जिलों से युवा संगठन के चुनाव शीघ्र करवाने बाबत पत्र आए थे। उनको पदाधिकारियों की बैठक में रखा गया। तब पदाधिकारियों ने सर्वानुमति से कहा था कि पश्चिमी मप्र माहेश्वरी सभा को हस्तक्षेप कर युवा संगठन के चुनाव कराने चाहिए। उसी बैठक में अध्यक्ष राजेंद्र ईनाणी उन्हें मुझे चुनाव अधिकारी बनाया गया। बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार ही चुनावी प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ कर नागदा में चुनाव कराए थे।

युवा संगठन ने नकारा

मप्र पश्चिमांचल माहेश्वरी युवा संगठन के हाल ही में नागदा में संपन्न चुनाव को लेकर विवाद की स्थिति बन गई थी। पूरे प्रकरण में युवा संगठन की शीर्ष संस्था अभा माहेश्वरी युवा संगठन व पश्चिमांचल माहेश्वरी सभा आमने-सामने हो गई थी। पश्चिमांचल माहेश्वरी सभा इस चुनाव को विधि सम्मत बता रही थी तो अभा माहेश्वरी युवा संगठन का कहना था कि पूरी प्रक्रिया ही असंवैधानिक है। इसी बीच सूचना मिली कि महिदपुर के पीयूष राठी की सदस्यता ही समाप्त कर दी है। गत कई दिनों से यह विवाद सुर्खियों में था। युवा संगठन का मत था कि युवा संगठन एक पृथक संस्था है। अतः प्रादेशिक माहेश्वरी सभा को युवा संगठन के चुनाव करवाने का कोई वैधानिक अधिकार ही नहीं था। आखिर लंबे समय तक चली खींचतान के बाद भी राष्ट्रीय युवा संगठन ने प्रादेशिक सभा द्वारा करवाए गए चुनावों को मान्यता नहीं दी और अपने स्तर पर चुनाव करवाने की घोषणा की।

अब ये युवा संभालेंगे प्रदेश

युवा संगठन द्वारा इंदौर में करवाए मप्र पश्चिमांचल माहेश्वरी युवा संगठन के चुनाव में सर्वसम्मति से अध्यक्ष के रूप में प्रदेश की बागडोर राहुल मानधना (इंदौर) को सौंप दी। इसमें सर्वसम्मति से ही पवन मालानी सचिव (आगर-मालवा), चिराग मोदानी कोषाध्यक्ष (राजगढ़), जितेंद्र तोषनीवाल संगठन मंत्री (रतलाम), अंकित अजमेरा सांस्कृतिक मंत्री (इंदौर ग्रामीण), लखन लड्ढा खेल मंत्री (इंदौर), उपाध्यक्ष- जीवनलाल गांधी (बड़वानी), कैलाश बाहेती (इंदौर), सतीश भंडारी (उज्जैन), मनोज नवाल (नीमच), सहसचिव- भरत डागा (इंदौर), शोभित बाहेती (धार) व उत्कर्ष काकानी (राजगढ़) चुने गए।

विवाद ने घटाया युवाओं का विश्वास

अभा माहेश्वरी युवा संगठन तथा मप्र पश्चिमांचल माहेश्वरी सभा के बीच प्रदेश युवा संगठन के चुनावों को लेकर चले मतभेद का कारण कुछ भी हो, चाहे इसे उचित मानें या अनुचित लेकिन इससे युवा वर्ग पर अवश्य ही प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। वर्तमान में समाज संगठनों की सबसे बड़ी चिंता संगठन से युवा वर्ग के दूर होने की है। अतः लक्ष्य किसी भी तरह उन्हें समाज की मुख्यधारा में लाया जाना होना चाहिए, लेकिन इन विवादों के कारण ऐसी स्थितियों से बचना पसंद करने वाले युवा दूर हट गए। इसका नतीजा गत दिनों हुए चुनाव में स्पष्ट दिखाई दिया। इसका अर्थ यह नहीं है कि युवा संगठन का निर्णय गलत है लेकिन फिर भी बैठकर समाज हित में निर्णय अवश्य लिया जा सकता था।

विधान विरुद्ध थे प्रदेश सभा द्वारा करवाए गए चुनाव

किन्हीं कारणों से पश्चिमांचल प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन के चुनाव नहीं हो पा रहे थे। इन स्थितियों में संगठन की गतिविधियाँ शिथिल न हों, इसके लिए हमने तदर्थ समिति गठित की थी। प्रदेश युवा संगठन के चुनाव करवाने का अधिकार अभा युवा संगठन को ही है, लेकिन प्रादेशिक माहेश्वरी सभा ने अपने स्तर पर प्रदेश युवा संगठन के चुनाव करवा दिए थे। इन चुनावों को प्रदेश सभा न करवाए यह अनुरोध हमने महासभा से भी किया था। महासभा द्वारा भी प्रदेश सभा को अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर चुनाव न करवाने के निर्देश दिए थे। इनके बावजूद प्रदेश सभा ने प्रदेश युवा संगठन के चुनाव करवा दिए। अतः इन विधान विरुद्ध चुनावों को न तो युवा संगठन ने मान्यता दी और न ही महासभा ने। अतः अभा माहेश्वरी युवा संगठन ने गत 11 फरवरी को जो चुनाव करवाए हैं, वो ही विधि मान्य हैं, पूर्व के नहीं।

- राजकुमार काल्या
अध्यक्ष अभा माहेश्वरी युवा संगठन

हमारा लक्ष्य सिर्फ सहयोग था

लंबे समय से चुनाव न होने से प्रदेश युवा संगठन शिथिल हो गया था। युवा संगठन प्रयास करके भी चुनाव नहीं करवा पा रहा था। इसे प्रदेश की संगठनात्मक गतिविधियाँ प्रभावित हो रही थीं। हम जानते थे कि प्रदेश युवा संगठन के चुनाव करवाना युवा संगठन की जिम्मेदारी है, फिर भी हमने समाज को गतिशील रखने के लिए युवा सदस्यों के आग्रह पर चुनाव करवाने का निर्णय लिया था। इसमें हमारी मंशा युवा संगठन के विधान की अवहेलना करने या संगठन का अपमान करने की नहीं थी, बल्कि हमारी यह कदम तो सिर्फ सहयोग स्वरूप था। हमने इन चुनावों को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न करवाकर इसकी जानकारी अभा माहेश्वरी युवा संगठन को देकर उनसे इन चुनावों को मान्यता प्रदान करने का अनुरोध किया था। खेद है कि युवा संगठन ने हमारी भावनाओं को नहीं समझा। युवा संगठन भी निर्णय लेने के लिए स्वतंत्रत है।

- राजेंद्र ईनाणी
अध्यक्ष पश्चिमांचल माहेश्वरी सभा

सेवा गतिविधियों का हुआ सतत आयोजन

आगरा. पश्चिमी उत्तरप्रदेश महिला संगठन द्वारा अध्यक्ष विनीता राठी व सचिव मंजू हरकुट के नेतृत्व में जनवरी माह में विभिन्न सेवा गतिविधियों का आयोजन हुआ। इसमें सुश्रिता द्वारा गुड़ से बने व्यंजनों की स्पर्धा तथा अमरोहा में फूलों से ज्वेलरी बनाने की प्रतियोगिता आयोजित की गई। सुगंधा द्वारा मीरापुर की सदस्याओं द्वारा गोद लिए गांव मुकल्लमपुरा में स्थापना दिवस पर बच्चों को आवश्यक सामग्री बांटी गई। सुकीर्ति द्वारा मोदीनगर मंडल द्वारा स्कूली बच्चों की राष्ट्रीय पर्व शीर्षक पर नृत्य व गायन प्रतियोगिता करवा कर उपयोगी सामग्री वितरित की गई। 'सुलेखा' द्वारा राष्ट्रीय स्तर की दोहा लेखन प्रतियोगिता की तैयारी के साथ ही बदायूँ मंडल की सदस्यों द्वारा स्वामी विवेकानंद की जयंती पर पोस्टर बनवाए गए। पूना में होने वाली अखिल भारतीय कार्यसमिति बैठक के लिए काव्य पाठन प्रतियोगिता के लिए प्रदेश से एक कविता उत्तरांचल उपाध्यक्ष कांता गगरानी को भेजी गई। संचारिका द्वारा अभा एवं प्रादेशिक सभी सूचनाओं को संचार माध्यम से सभी सदस्याओं तक पहुंचाया जाता है। सौष्ठा द्वारा संक्रांति के उपलक्ष्य में हाथरस में बालिकाओं के लिए खेलकूद स्पर्धा करवाई गई। सुरभि द्वारा नववर्ष के उपलक्ष्य में बरेली, कासगंज, नजीबाबाद व छर्रा में श्रीकृष्ण लीला व सुंदरकांड का आयोजन किया गया। संक्रांति के उपलक्ष्य में मेरठ, बरेली, बदायूं मुजफ्फरनगर व मीरापुर द्वारा भजन संध्या एवं निर्धन वर्ग को गर्म शाल व शीत ऋतु की खाद्य सामग्री बांटी गई। मीरापुर द्वारा 100 बच्चों को वस्त्र व खाद्य सामग्री दी गई। हाथरस द्वारा एक फैक्ट्री में जाकर महिला श्रमिकों को स्वच्छता की जानकारी व गर्म वस्त्र दिए गए। नजीबाबाद, आगरा, सहारनपुर द्वारा कुष्ठ आश्रम व अनाथ आश्रम जाकर वस्तुएं दी गईं। मथुरा द्वारा सृजन नामक संस्था में 25 बच्चोयं को उपयोगी वस्तुएं प्रदान की गईं। नजीबाबाद द्वारा वार्षिकोत्सव मनाया गया। इस प्रकार सुरम्या, संवरना, सुषमा समिति मोदीनगर द्वारा बसंत पंचमी पर अति निर्धन छात्रों को फीस व खाद्य सामग्री दी गई। आगरा की सदस्यों द्वारा गायों के लिए 70 किलो गुड़ दिया गया। गणतंत्र दिवस पर विभिन्न शहरों में झंडारोहण कर राष्ट्रीय पर्वों का महत्व बताया गया। शुचिता द्वारा भी विभिन्न स्पर्धाएँ आयोजित करवाई गईं।

श्री ट्रांसफॉमर्स को एमएसएमई अवॉर्ड

जयपुर. विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र स्थित ईकाई श्री ट्रांसफॉमर्स को सुप्रसिद्ध 'इंडिया 500 एमएसएमई अवॉर्ड 2017-18' से नवाजा गया। राष्ट्रीय स्तर पर एमएसएमई क्षेत्र की इकाइयों की गुजरात स्थित शीर्ष औद्योगिक संगठन संस्था 'एमएसएमई 5000' द्वारा उक्त अवॉर्ड सीईओ सुरेंद्र बजाज को दिया गया। पुरस्कार स्वरूप प्रमाण-पत्र व ट्रॉफी भेंट की गई। फर्म का चयन ईकाई द्वारा विनिर्माण में नवीनतम तकनीक के प्रयोग एवं भारत सरकार के उपक्रम ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी द्वारा निर्देशित तीन/चार सितारों वाले ट्रांसफॉर्मरों के निर्माण के आधार पर किया गया।

व्यस्त जीवन प्रार्थना को कठिन बना देता है परंतु प्रार्थना हमारे व्यस्त जीवन को सरल बना देती है।

विवाह पंजीयन शिविर का हुआ आयोजन

बीकानेर. श्री प्रीति क्लब और भारत विकास परिषद के संयुक्त तत्वावधान में विवाह पंजीयन शिविर का आयोजन स्थानीय माहेश्वरी सदन जस्सुसर गेट के बाहर गत 12 फरवरी को किया गया। संरक्षक रामकिशन रावत व मगनलाल चांडक ने उपस्थित जनसमूह का स्वागत किया। प्रीति क्लब अध्यक्ष घनश्याम कल्याणी तथा भारत विकास परिषद के डॉ. बी.के. बेनीवाल ने शिविर के आयोजन की महत्ता बताई। क्लब सचिव नारायणदास दम्माणी एवं परिषद के सचिव हरिकृष्ण भार्गव ने बताया कि शिविर में सर्वधर्म एवं जाति के 35 विवाहित जोड़ों ने उपस्थित होकर अपना पंजीयन करवाया। संपूर्ण कार्यक्रम का संचालन पवन राठी ने किया। किशन दम्माणी, गोपीकिशन पेड़ीवाल, अशोक बागड़ी, सुखजी राठी, सुरेश गुप्ता, पार्षद श्यामसुंदर चांडक, कुसुम गौड़, मणिकांता, सुरेश कोठारी, नारायण डागा, पवन राठी आदि मौजूद थे।

महेश सोसायटी की बैठक सम्पन्न

उदयपुर. महेश सोसायटी उदयपुर की कार्यकारिणी की बैठक सचिव राकेश मूंदड़ा के यहाँ आयोजित हुई। प्रचार प्रसार मंत्री गौतम सोमानी ने बताया कि अध्यक्ष विजयराज गादिया के आकस्मिक निधन से रिक्त हुए पद पर उपाध्यक्ष इंदरलाल मंडोवरा को सर्वसम्मति से अध्यक्ष मनोनीत किया गया। कार्यकारिणी में संरक्षक शंकरलाल भदादा एवं मुरलीधर गट्टानी, उपाध्यक्ष कैलाश कालानी, सचिव राकेश मूंदड़ा, कोषाध्यक्ष ब्रजगोपाल चांडक, संगठन मंत्री दिनेश मूथा, प्रचार प्रसार मंत्री गौतम सोमानी, सांस्कृतिक मंत्री राकेश लड्ढा, मदनगोपाल लावटी, निर्मल राठी व मुकेश मूंदड़ा ने श्री गदिया को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए होली मिलन व फागोत्सव कार्यक्रम को स्थगित करने का निर्णय लिया।

शिवमहापुराण का हुआ आयोजन

उज्जैन. श्री माहेश्वरी मेवाड़ा थोक पंचायत महिला मंडल एवं प्रगति महिला मंडल के संयुक्त तत्वावधान में शिव महापुराण कथा का आयोजन स्थानीय चारधाम मंदिर के हॉल में किया गया। पं. प्रदीप मिश्रा सीहोर ने व्यासपीठ से कथा का रसपान करवाया। कथा का शुभारंभ 2 जनवरी को शोभायात्रा तथा शिव प्राकट्य कथा के साथ हुआ। 3 तारीख को पार्वती जन्मोत्सव, 4 को शिव पार्वती विवाह, 5 को गणेश जन्मोत्सव, 6 को गणेश बाल लीला व 7 जनवरी को श्री गणेश विवाह तथा 8 जनवरी को शिव महात्मय उत्सव मनाया गया। महिला मंडल अध्यक्ष पुष्पा मंत्री, सचिव संगीता भूतड़ा, प्रगति मंडल अध्यक्ष आरती राठी, सचिव सरिता बाहेती, पंचायत अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण मूंदड़ा व सचिव अरुण भूतड़ा उपस्थित थे। कार्यक्रम के मुख्य यजमान श्यामसुंदर भूतड़ा, मुख्य संयोजक उषा मूंदड़ा, सहसंयोजक सीमा मूंदड़ा, कोषाध्यक्ष संतोष सोडानी, शांता मण्डोवरा आदि उपस्थित थीं। कार्यक्रम की मार्गदर्शक शोभा मूंदड़ा थीं।

मेवाड़ा समाज के चुनाव सम्पन्न

सूरत. गत 13 जनवरी के दिन श्री मेवाड़ माहेश्वरी समाज के चुनाव मुख्य चुनाव अधिकारी रामसहाय सोनी व राजेंद्र बसेर की देखरेख में निर्विरोध हुए। इसमें अध्यक्ष जगदीशप्रसाद नराणीवाल, उपाध्यक्ष जानकीलाल मंडोवरा, सचिव सुरेश झंवर, सहसचिव रामसहाय सोनी, संगठन मंत्री रामबगस सोमानी, कोषाध्यक्ष गोपाल डाड, संरक्षक भेरूलाल झंवर, लक्ष्मीलाल लढा को बनाया गया।

बॉर्डर के खनन पट्टे निरस्त करने की मांग

भीलवाड़ा. संस्था पीपुल फॉर एनीमल्स के प्रदेश प्रभारी बाबूलाल जाजू ने प्रधानमंत्री को पत्र पेषित कर बीकानेर में रक्षा मंत्रालय के बने नियमों के विरुद्ध पाक बॉर्डर सीमा पर मिलीभगत कर आवंटित किए गए खनन पट्टों को निरस्त करवाने की मांग की है। श्री जाजू ने बताया कि राजस्थान सरकार द्वारा हाल ही में पाक बॉर्डर पर बीकानेर से 150 किमी दूर खाजूवाला में बज्जू क्षेत्र में खनन के पट्टे जारी कर देश की सुरक्षा खतरे में डालने वाला कृत्य किया है। राजस्थान सरकार द्वारा जिप्सम के खनन के लिए रक्षा मंत्रालय के बने नियमों को ताक में रखकर 209 खनन के पट्टे आवंटित कर दिए गए हैं, जिससे देश की सुरक्षा व्यवस्था को खतरा उत्पन्न होने की आशंका है।

श्री माहेश्वरी टाईम्स जनवरी अंक विमोचित

नासिक. जिला माहेश्वरी महिला संगठन की षष्ठम सत्र की चतुर्थ कार्यसमिति बैठक लासलगांव में आयोजित हुई। इसमें श्री माहेश्वरी टाइम्स के जनवरी 2018 अंक का विमोचन किया गया। श्री माहेश्वरी टाइम्स पत्रिका की तरफ से प्रतिनिधि के रूप में मालेगांव से सुमिता राजकुमार मूंधड़ा उपस्थित थीं। नासिक जिला माहेश्वरी महिला संगठन अध्यक्ष सरला मालपानी, सचिव स्वाति बूब, नीता डागा, कांता राठी, सुमन ताई, नैना हेड़ा, रचना मालपाणी आदि पदाधिकारियों ने माहेश्वरी टाइम्स पत्रिका की सराहना की।

मुद्राओं से चिकित्सा पर दिया मार्गदर्शन

जयपुर. साहित्य मंडल श्रीनाथद्वारा और राजस्थान ब्रजभाषा अकादमी, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में गत 7 व 8 फरवरी को आयोजित पाटोत्सव ब्रजभाषा समारोह का शुभारंभ मुंबई से आए पारसमल दुग्गड़ के "मुद्राओं से रोग चिकित्सा" पर उद्बोधन से हुआ। श्री दुग्गड़ ने उपस्थित साहित्यकारों से मुद्राओं का अभ्यास भी करवाया। सम्मान-पुरस्कार की कड़ी में भी श्री दुग्गड़ को गोपीलाल कंचनबाई दुग्गड़ स्मृति सम्मान 2018 से सम्मानित किया गया।

वाद–विवाद प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

नासिक. सुलेखा समिति द्वारा आयोजित महिला सशक्तीकरण (पक्ष में) वाद-विवाद प्रतियोगिता में सुमिता राजकुमार मूंधड़ा ने विशेष उपलब्धि प्राप्त की। नासिक जिला माहेश्वरी महिला संगठन के षष्ठम सत्र की चतुर्थ कार्यसमिति बैठक लासलगांव में सुमिता मूंधड़ा को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। मालेगांव माहेश्वरी समाज के लिए यह बड़े गर्व की बात है।

यूँ ना छोड़ें जिंदगी की किताब को खुला,
बेवक्त की हवा ना जाने कौन सा पन्ना पलट दे

एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

परबतसर. मध्य राजस्थान माहेश्वरी महिला संगठन के तत्वावधान में माहेश्वरी महिला मंडल परबतसर द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। 'फर्स्ट एड बॉक्स' द्वारा किए जाने वाले उपचार की जानकारी डॉक्टर बी.आर.जंगीड़ (फिजशियन) द्वारा दी गई। 'स्वेटर वितरण' कार्यक्रम के अंतर्गत राजकीय बालिका स्कूल में गरीब छात्राओं को 110 स्वेटर व मोजे का वितरण किया गया। इसमें प्रदेश, जिला व स्थानीय महिला मंडल का योगदान रहा। मध्य राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष सुनीता रांदड़ ने 'प्री-वेडिंग शूट' नामक पनपती कुरीति को बंद करने का आह्वान किया। 'बेटी पढ़ाओ-बहू पढ़ाओ' का नारा देते हुए बच्चों की शादी सही उम्र में करने पर जोर दिया। प्रदेशाध्यक्ष सुनीता रांदड, शांता धूत, मंजू काबरा, कृष्णा मंत्री, गीता जाखेटीया, सविता झंवर, दुर्गा मोदी, शारदा काबरा, मंजू मानधनिया, विमला मंत्री आदि महिलाएँ मौजूद थीं। मंच संचालन जिला चिकित्सा समिति संयोजिका शोभा मूंदड़ा ने किया।

जिला संगठन की बैठक सम्पन्न

खाचरौद (उज्जैन). उज्जैन जिला माहेश्वरी महिला संगठन के पंचम सत्र की दूसरी बैठक का आयोजन खाचरौद में किया गया। गीता तोतला ने अतिथि के रूप में उपस्थित रहकर सभी सदस्याओं को आगे बढ़कर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। जिलाध्यक्ष कृष्णा जाजू ने अभा स्पर्धाओं के लिए महिलाओं को प्रोत्साहित किया। पश्चिम मप्र की आंचलिक उपाध्यक्ष उषा सोडानी ने अभा माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा गठित समितियों की जानकारी सभी ग्रामीण व तहसील की महिलाओं को दी। खाचरौद की सदस्याओं ने 1 लघु नाटिका तलाक समस्या समाधान पर प्रस्तुत कर आज की ज्वलंत समस्या पर सोचने को विवश किया। इसी के साथ 45 साल तक की बहुओं का एक सखी मंडल बनाया गया। शैला असावा अध्यक्ष मनोनीत की गईं। राधा असावा, आशा नवाल, नमिता तोषनीवाल, मोनिका तोषनीवाल, टीना गगरानी, महक गगरानी सहित पूरी टीम का सहयोग रहा। उक्त जानकारी रितु समदानी ने दी।

दुश्मन इतनी आसानी से कहाँ मिलते हैं!
बहुत लोगों का भला करना पड़ता है!

महिला मंडल ने ली पद की शपथ

महू. श्री माहेश्वरी महिला मंडल की वर्ष 2018-19 की नवनिर्वाचित पदाधिकारी अध्यक्ष किरण माहेश्वरी, उपाध्यक्ष लता लड्ढा, सचिव सीता चिचाणी, सहसचिव स्वाति शारदा, कोषाध्यक्ष संगीता बियाणी, प्रचार मंत्री रजनी सोडानी व कार्यकारिणी का शपथ विधि समारोह माहेश्वरी स्कूल में गत 13 फरवरी को आयोजित हुआ। इसमे महिलाओं ने हाथ में जलते दीपक थाम शपथ ली। मुख्य अतिथि शपथ अधिकारी सुमन लोया थीं। संचालन स्वाति शारदा ने किया। आभार सीता चिचाणी ने माना। यह जानकारी प्रचार मंत्री रजनी सोडानी ने दी।

रक्तदान व स्वास्थ्य परीक्षण शिविर सम्पन्न

हावड़ा. माहेश्वरी सभा, महिला संगठन व युवा मंच हावड़ा के संयुक्त तत्वावधान में गत 28 जनवरी को सुबह 11 बजे से रक्तदान शिविर एवं स्वास्थ्य परीक्षण का आयोजन यश लखोटिया की स्मृति में अनिल लाखोटिया द्वारा प्रायोजित किया गया। इसमें 115 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। इस कार्यक्रम में अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के संयुक्त मंत्री पूर्वांचल नंदकिशोर लाखोटिया, प्रदेशाध्यक्ष भंवरलाल राठी, शिवरतन झँवर, पंकज राठी राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्वांचल, मनीष मोहता अध्यक्ष प्रदेश युवा संगठन अतिथि के रूप में उपस्थित थे। सभा अध्यक्ष श्यामसुंदर राठी, मंत्री अशोक कुमार भट्टड़, महिला अध्यक्ष गायत्री जाजू, युवा अध्यक्ष नारायण चांडक, मंत्री रोहित राठी, संयोजक नथमल आगीवाल, गिरधारीलाल बजाज, संगीता काबरा, सुशीला बजाज, आलोक राठी, जितेंद्र चांडक एवं प्रदेश सभा, माहेश्वरी सभा, महिला संगठन एवं युवा मंच हावड़ा के समस्त पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे।

जगन्नाथपुरी में सेवा सदन की सौगात

पुष्कर (राजस्थान). समाजबंधुओं की भावनाओं के अनुरूप विश्वविख्यात तीर्थ भगवान श्री जगन्नाथजी की पावन धरा पुरी में श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन, पुष्कर द्वारा एक भव्य भवन निर्माण का स्वप्न साकार होने जा रहा है। इस हेतु श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन द्वारा काशी जगन्नाथपुर, मंगलघाट स्टर्लिंग बायपास (कृपालुजी महाराज आश्रम के सामने) पर भूखंड क्रय किया गया है। उक्त जानकारी देते हुए महामंत्री रमेशचंद्र छापरवाल ने बताया कि उपरोक्त पूरी योजना की क्रियान्वित के द्वितीय चरण के अंतर्गत क्रय किए गए भूखंड का भूमिपूजन कार्यक्रम आगामी 12 मार्च सोमवार चैत्र कृष्ण पक्ष दशमी को प्रातः 11.15 से दोपहर 1 बजे के मध्य समारोहपूर्वक आयोजित किया जाएगा। इसमें आमंत्रित समाजबंधुओं हेतु आवास एवं भोजन की समुचित व्यवस्था की गई है।

महेश बैंक की बालानगर में शाखा का शुभारंभ

हैदराबाद. महेश बैंक की बालागनर स्थित शाखा का पूर्णतः वातानुकूलित नवीन परिसर में मेदक के सांसद कोत्ता प्रभाकर रेड्डी एवं कुक्कटपल्ली के विधायक मधवाराम कृष्णराम के कर कमलों से दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर फतेहनगर डिवीजन के पार्षद सतीश बाबू पंडाल विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। शुभारंभ समारोह में अतिथियों के साथ उपस्थित बैंक के संरक्षकों का स्वागत करते हुए चेयरमैन पुरुषोत्तम मानधणा ने करते हुए कहा कि सम्मानित ग्राहकों के लिए बैंक द्वारा एटीएम की सुविधा भी उपलब्ध करवाई गई। मेदक के सांसद कोत्ता प्रभाकर रेड्डी ने बैंक की शाखा प्रारंभ करने के लिए प्रबंधन को बधाई दी तथा कहा कि क्षेत्र के छोटे उद्यमियों की वित्तीय ऋण आदि आवश्यकताओं को समझ कर महेश बैंक उनके विकास में सहायक सिद्ध होगा। विधायक मधवाराम कृष्णाराव ने भी बैंक प्रबंधन को बधाई दी। बैंक के चेयरमैन इमीरेट्स रमेशकुमार बंग ने कहा कि बैंकिंग व्यवसाय में आ रहे परिवर्तनों को दृष्टिगत रखते हुए नवीन तकनीकी संसाधन के साथ बैंक के समर्पित कर्मचारी व्यावसायिक बैंकों से प्रतिस्पर्धा करते हुए उत्तरोतर महेश बैंक को विकास पथ पर अग्रसर रख रहे हुए हैं। इस अवसर पर बैंक के निदेशक मंडल के चैनसुख काबरा, रामप्रकाश भंडारी, बृजगोपाल असावा, सीए किशनगोपाल मणियार, कमलनारायण राठी, नंदकिशोर हेड़ा, ओमप्रकाश जाखोटिया भी मौजूद थे। बैंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंधन निदेशक उमेशचंद्र असावा, उपमहाप्रबंधक रंजना शर्मा, अजीत वर्मा के साथ शाखा प्रबंधक घनश्याम मालाणी एवं वरिष्ठ अधिकारियों ने ग्राहकों एवं अतिथियों का स्वागत किया। वाइस चेयरमैन रामपाल अट्टल ने सभी का आभार माना।

हल्दी कुमकुम का किया आयोजन

नासिक. जिला माहेश्वरी महिला संगठन के अंतर्गत महालक्ष्मी माहेश्वरी महिला मंडल मालेगांव द्वारा नए वर्ष के पहले त्योहार मकर संक्रांति के निमित्त हल्दी-कुमकुम गत 19 जनवरी को आयोजित किया। सर्वप्रथम गणपतिजी का वंदन करके अध्यक्ष सरिता बाहेती ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम में एक रुपए के सिक्के व मोली से बने गहनों की स्पर्धा आयोजित की गई। इसमें महिलाओं ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया। आरती चौधरी व प्रिया कलंत्री ने जज का कार्य बखूबी किया। सिक्कों के गहने बनाने की कला अवर्णनीय थी। विजेताओं का पारितोषिक देकर अभिनंदन किया। वर्षभर में प्रोजेक्ट में कार्य किए हुए सदस्यों का उपहार स्वरूप मांगलिंक (गुड़) देकर अभिनंदन किया। सूत्र संचालन शमा जाजू और सुमिता मूंधड़ा ने किया। अहवाल वाचन वंदना जाजू तथा आभार शारदा लाहोटी ने किया।

पत्रकारिता के लिए भंडारी सम्मानित

बनेड़ा. (भीलवाड़ा). बनेड़ा में उपखंडस्तरीय 69वां गणतंत्र दिवस धूमधाम से मना। कार्यक्रम के दौरान सराहनीय पत्रकारिता के लिए भीलवाड़ा हलचल न्यूज के उभरते युवा पत्रकार केके भंडारी को उपखंड अधिकारी रतनलाल (सब डिवीजनल मजिस्ट्रेट) द्वारा सम्मानित किया गया। हेमेंद्रसिंह बनेड़ा (पूर्व सांसद), राजकीय कॉलेज के प्राचार्य एसएल श्रीमाली, तहसीलदार पन्नालाल, बीडीओ कविता जासौरिया सहित कई अधिकारी, जनप्रतिनिधि व गणमान्यजन मौजूद थे।

आरोग्य शिविर का हुआ आयोजन

अमरावती. महेश सेवा समिति द्वारा 7 से 13 जनवरी तक स्थानीय निरोग संस्था के सहयोग से आयएएसएस संस्था मेरठ में रामचरित मानस पर आधारित मानस योग सेवा के 'आरोग्य व आध्यात्म विकास शिविर' का आयोजन किया गया। यह समिति का 18वाँ आयोजन था। इसमें बाहरगांव से आए करीब 250 शिविरार्थियों के निवास की उत्तम व्यवस्था की गई थी। समिति अध्यक्ष कमलकिशोर राठी, सचिव आरबी अटल, कोषाध्यक्ष विट्ठलदास जाजू तथा कार्यकारिणी सदस्य डॉ. सत्यनारायण कासट ने शिविर की अवधि में उपस्थित रहकर सहयोग दिया। निरोग संस्था की ओर से सुरेशचंद्र करवा, सामान्य प्रशासन नंदकिशोर राठी, कार्यक्रम संचालन, स्टेज व्यवस्था, स्मृति चिह्न की जिम्मेदारी अरुणभाई टांक व हेमंत गुल्हाने, वैद्यकीय जांच व प्रबोधन की जिम्मेदारी डॉ. कमलकिशोर नावंदर व डॉ. वैशाली गुल्हाने आदि ने निभाई।

मकर संक्रांति पर की जनसेवा

नासिक. जिला माहेश्वरी महिला संगठन व सुगंधी समिति के अंतर्गत महालक्ष्मी माहेश्वरी महिला मंडल मालेगांव द्वारा नए वर्ष के पहले त्योहार भोगी संक्रांति निमित्त पुराने कपड़ों का वितरण झुग्गियों में जाकर जरूरतमंदों को किया गया। इसमें लगभग 200 लोग मौजूद थे। इसमें 3 से 12 वर्ष के 60 बच्चे भी शामिल थे। इनको कपड़ों के साथ मसाला खिचड़ी व जलेबी दी गई। बच्चों को पहले धार्मिक श्लोक पठन, योगा, अनुपयोगी वस्तुओं से उपयोगी वस्तुएँ बनाना सिखाया गया। सभी ने बच्चों के साथ मनोरंजक खेल खेले। मंडल के सभी पदाधिकारी व सदस्य बड़ी संख्या में मौजूद थे। अध्यक्ष सरिता बाहेती ने सभी का अभिनंदन किया। शमा जाजू, बीना भंडारी, सुमिता मूंधड़ा, अनिता कलंत्री, रत्ना लढ़ा, पुष्पा बंग, सोनल काला आदि का आभार शारदा लाहोटी ने माना।

चिकित्सा व रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

उदयपुर. जिला सभा संरक्षक जानकीलाल मूंदड़ा और अध्यक्ष मोहनलाल देवपुरा ने बताया कि जिला सभा, माहेश्वरी सभा एवं सलूंबर माहेश्वरी समाज द्वारा मुख्य संयोजक रमेशचंद्र भदादा, नाथूलाल कचोरिया तथा श्यामलाल सोनी की संरक्षता में गत 21 जनवरी को माहेश्वरी भवन सलूंबर में विशाल चिकित्सा एवं रक्तदान शिविर का आयोजन डॉ. बीएल सोमानी (हृदय रोग, थाइराइड, डायबिटीज), डॉ. लोकेश परतानी (नाक, कान, गला), डॉ. पावा (बाल रोग विशेषज्ञ) व डॉ. फातिमा (स्त्री रोग विशेषज्ञ) की संरक्षकता में आयोजित हुआ। जिला मंत्री संपतलाल मंडोवरा एवं उपाध्यक्ष मुरलीधर गट्टानी ने बताया कि इस शिविर में विभिन्न रोग ग्रसित 251 रोगियों को परामर्श तथा निःशुल्क दवाइयां उपलब्ध करवाई गईं एवं 34 यूनिट रक्तदान हुआ। शिविर संयोजक रमेश भदादा ने बताया कि मुख्य अतिथि कमला गांधी नगर पालिका चेयरमैन की उपस्थिति में सभी चिकित्सकों का शॉल ओढ़ाकर अभिनंदन करते हुए रक्तदाताओं और कार्यकर्ताओं को प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। शिविर की सफलता में विजय प्रकाश मूंदड़ा, शंकरलाल भदादा, गोपाल बाहेती, जीवन कोठारी, प्रदीप आगाल, जयप्रकाश आगाल, राकेश कचोरिया, रमेश मूंदड़ा, विनोद झंवर, जितेंद्र बागाल (गट्टू भाई), शार्दुल बागाल, राहुल आगाल, जगदीश भंडारी आदि कई सदस्यों का योगदान रहा।

हाथों में पत्थर नहीं,
फिर भी चोट देती है,
ये जुबान भी अजीब है,
अच्छे-अच्छों के घर तोड़ देती है.

महिला गौरव ने की समाजसेवा

उदयपुर. संस्था माहेश्वरी महिला गौरव द्वारा संरक्षिका कौशल्या गट्टानी व अध्यक्ष सरिता न्याती के नेतृत्व में सेवा गतिविधियां आयोजित की गईं। सुषमा समिति द्वारा इस माह में ग्रामीण स्कूलों में जाकर जरूरतमंद बच्चों को ऊनी स्वेटर भेंट किए गए। जनवरी में सुषमा समिति द्वारा माहेश्वरी महिला गौरव उदयपुर की तरफ से हनीपाल स्कूल सेक्टर-4 में वाटर कूलर भेंट किया गया। इसी के साथ लाइव एट न्यूज के तहत महिला गौरव की सदस्याओं ने दैनिक भास्कर कार्यालय जाकर अखबार बनने और छपने से लेकर, खबरों के संपादन की प्रक्रिया जानी। इसमें गौरव की संरक्षक कौशल्या गट्टानी, कविता बल्दवा, आशा नरानीवाल, मंजू गांधी एवं अनेक सदस्य मौजूद थीं। इसी माह में मकर संक्रांति के तहत फॉर्म हाउस पर विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताएं जिसमें कुर्सी रेस, सितोलिया, क्रिकेट आदि स्पर्धाएं आयोजित हुईं। फरवरी में सुषमा समिति द्वारा माहेश्वरी महिला गौरव की तरफ से सदस्याओं ने गांवों की समस्याओं को सुना एवं उसका समाधान हाथोंहाथ निकाला।

महिला मंडल का गठन

सूरत. श्री माहेश्वरी महिला मंडल (मेन) सूरत की ओर से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें सर्वसम्मति से अंजना-अनिल सिंगी को अध्यक्ष और इंदिरा मुरारी साबू को सचिव बनाया गया। उपाध्यक्ष प्रतिभा सुनील मालासरिया, सहसचिव जयश्री गोपालदास भराड़िया, कोषाध्यक्ष सरिता-सत्यनारायण दरगड़ को बनाया गया। पदाधिकारियों के चयन में भूतपूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष विमला साबू व गुजरात प्रांतीय अध्यक्ष उमा जाजू की उपस्थित रही।

स्वदेशी मेले का किया अवलोकन

राजनांदगांव. भारतीय विपणन विकास केंद्र व स्वदेशी जागरण मंच द्वारा आयोजित स्वदेशी मेले का सीएसआईडीसी अध्यक्ष छगनलाल मूंदड़ा ने अवलोकन किया। श्री मूंदड़ा के आगमन पर मेला संयोजक प्रदीप गांधी पूर्व सांसद, अनिल श्रीवास्तव मुख्य महाप्रबंधक सीएसआईडीसी व आयोजन दल सदस्यों ने उनका स्वागत किया। लीलाराम भोजवानी, संतोष अग्रवाल, शिव वर्मा, धीरू गांधी, देवशरण सेन, योगेश खत्री सहित विभिन्न पदाधिकारी मौजूद थे।

कैलिफोर्निया में होगा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

कैलिफोर्निया. माहेश्वरी महासभा ऑफ नार्थ अमेरिका (एमएमएनए) नौवें अंतरराष्ट्रीय माहेश्वरी राजस्थानी कन्वेंशन (आईएमआरसी सैन फ्रांसिस्को 2018) का आयोजन 30 जून से 3 जुलाई 2018 तक सांता क्लारा, कैलिफोर्निया में करेगी। मेरियोट, सांता क्लारा में आयोजित इस कन्वेंशन में समाज के 800 से अधिक प्रतिनिधियों के शामिल होने की उम्मीद है। इस कन्वेंशन में दुनियाभर से समाज के परिवार इकट्ठा होकर राजस्थान की समृद्ध एवं पारंपरिक संस्कृति से रूबरू होंगे। साथ ही समाज के लोगों से अपने रिश्तों को और प्रगाढ़करेंगे। पराग बजाज ने बताया कि एमएमएनए समाज के प्रतिष्ठित लोगों का एक ऐसा संगठन है जो कि चैरिटी के जरिये सामाजिक बदलाव लाने पर जोर देते हैं। कन्वेंशन की सफलता में एमएमएनए सखी, राजस्थानी अब्रॉड यूथ समाज एवं राजस्थानी अब्रॉड सीनियर समाज महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इस आयोजन के लिए संस्था की वेबसाइट या ईमेल से पंजीयन करवाया जा सकता है।

हैंडीक्राफ्ट मेले की अतिथि बनी माहेश्वरी

जबलपुर. शहीद स्मारक में भारत के 7 राज्यों एवं अन्य स्थानों के हैंडलूम और हैंडीक्रॉफ्ट प्रदर्शनी के साथ मेले का आयोजन किया गया। शुभारंभ मुख्य अतिथि श्वेता नीरजसिंह चेयरमैन इंड एंडस्ट्री कोऑपरेटिव जिला पंचायत जबलपुर की उपस्थिति तथा माहेश्वरी महिला मंडल एवं इनरव्हील क्लब जबलपुर की पूर्व अध्यक्ष उषा माहेश्वरी (जेठा) के विशिष्ट आतिथ्य में संपन्न हुआ।

कपासन नपाध्यक्ष के खिलाफ दिया ज्ञापन

उदयपुर. माहेश्वरी समाज के शिक्षा अधिकारी सुभाष माहेश्वरी प्रधानाचार्य राजकीय महाराणा उच्च मावि कपासन जिला चित्तौड़गढ़के साथ उपखंड अधिकारी कार्यालय में गणतंत्र दिवस तैयारी बैठक में कपासन नपाध्यक्ष द्वारा अभद्रता करते हुए समाज को भी अपमानित किया गया था। इस कथित अभद्रता एवं अपमानजनक व्यवहार को लेकर एक ज्ञापन संभागीय आयुक्त बी.एस. देथा को प्रस्तुत कर उक्त नपाध्यक्ष दिलीप व्यास एवं संदर्भित अधिकारियों को तुरंत प्रभाव से हटाने की मांग समाजजनों ने की। माहेश्वरी समाज के प्रतिनिधिमंडल में जानकीलाल मूंदड़ा, मोहनलाल देवपुरा, संपतलाल मंडोवरा, मुरलीधर गट्टानी, गोपाल गादिया, राधाकृष्ण गट्टानी, दिनेश अजमेरा, गोविंद लावटी, अशोक बाहेती सहित समाज के कई अग्रणी गणमान्यजन मौजूद थे।

धूमधाम से मनाया गया राष्ट्रीय पर्व

रायपुर (छग). महेश सभा द्वारा गणतंत्र दिवस पर्व धूमधाम से मनाया गया। गत 26 जनवरी को सुबह 8 बजे महेश सभा, महेश महिला संगठन व महेश युवा संगठन सदस्य महेश भूमि, मोवा पर एकत्रित हुए। सभी ने मिलकर ध्वजारोहण किया एवं राष्ट्रीय गीत गाये। महेश महिला संगठन द्वारा 5 शहीद परिवारों का सम्मान किया गया। प्रत्येक परिवार को शॉल, नारियल एवं 10 हजार रुपए नकदी देकर सम्मानित किया गया। महेश युवा संगठन द्वारा राष्ट्रीय पर्व के उपलक्ष में पतंगबाजी का भी कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य रूप से शुभकरण सोमानी, गोपाल राठी, जगदीश मोहता, सत्यनारायण सोनी, गणेश चांडक आदि मौजूद थे। उपरोक्त जानकारी महेश सभा सचिव किसनगोपाल करवा ने दी।

मंत्री बने प्रादेशिक संयुक्त सचिव

भौंरासा. पश्चिमी मप्र प्रादेशिक माहेश्वरी ट्रस्ट युवा संगठन के चुनाव बिरला ग्राम नागदा में संपन्न हुए। इसमें भौंरासा के युवा समाजसेवी नारायण मंत्री संयुक्त मंत्री नियुक्त किए गए। निर्वाचन अधिकारी प्रादेशिक सभा के अध्यक्ष राजेंद्र ईनानी थे। समाजसेवी पुष्प माहेश्वरी, रमेशचंद्र जाजू, प्रकाश मंत्री, अशोक सोमानी, सुरेश झँवर, मुकेश झँवर, हेमंत जाजू, पप्पी भूतड़ा आदि ने हर्ष व्यक्त किया।

अखंड रामायण पाठ का हुआ आयोजन

अहमदाबाद. श्री माहेश्वरी रामायण मंडल ओढ़त द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर अखंड रामचरितमानस पाठ एवं अखंड ज्योत का आयोजन चारभुजा मंदिर कबड़तल पाटिया, अहमदाबाद पर हुआ। कार्यक्रम 13 फरवरी प्रातः 8 बजकर 15 मिनट से शुरू हुआ और दूसरे दिन 14 फरवरी को दोपहर 12.15 बजे समापन किया गया। उसके बाद समाज की सामूहिक प्रसादी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था अध्यक्ष लक्ष्मीलाल झंवर, विनोद चौधरी, शंकरलाल मेहलाना, अशोक बहेड़िया, चंद्रप्रकाश कासट, रामगोपाल तोतला, राकेश देवपुरा, सुरेश जागेटिया, मनीष कोठारी, ओम सोमाणी आदि ने सहयोग दिया। अखंड रामायण पाठ में अहमदाबाद के प्रसिद्ध मानस मंडलों को आमंत्रित किया गया था। इसमें महेश सेवा समिति शाहीबाग, नोबल नरोड़ा माहेश्वरी मंडल, माहेश्वरी महिला भजन मंडल, श्रीनाथजी मित्र मंडल ओढ़व, चांदखेड़ा माहेश्वरी रामायण मंडल एवं चारभुजा समिति कुबडतल मुख्य थीं।

पुण्य स्मृति में किया पौधारोपण

भीलवाड़ा. पर्यावरण संवर्धन संस्थान की प्रेरणा से स्व. श्री इंद्रमल सोमाणी की स्मृति में सोमाणी परिवार द्वारा शिवाजी गार्डन के समीप श्रीनाथ सर्किल पर पौधारोपण किया गया। संस्थान के राजेश सोमाणी ने बताया कि संस्थान के पदाधिकारियों सहित सोमाणी परिवार के सदस्यों ने बारी-बारी से विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया। सभी ने परिवार में मांगलिक आयोजन व परिजनों की पुण्यस्मृति में पौधारोपण के आयोजन का संकल्प लिया। इस मौके पर जगदीश सोमाणी, बद्रीलाल सोमाणी, राजेंद्र देवपुरा, राजेश सोमाणी, मुकेश सोमाणी, आशीष काबरा, रोशनलाल सोमाणी, आनंदीलाल सोमाणी, पवन कोगटा, यशोदादेवी काबरा, रामचंद्रदेवी मालीवाल, ललित सोमाणी, अनिल चेचाणी, उत्सवलाल सूर्या, विमल पाटनी, अरविंद जैन, प्रेमचंद बाहेती आदि मौजूद थे।

'जिन्दंगी को समझना बहुत मुशकिल हैं जनाब,
कोई सपनों की खातिर 'अपनों' से दूर रहता हैं
और कोई 'अपनों' के खातिर
सपनों से दूर'...

फाइनेंस के क्षेत्र की जानकारी देगा मनी वेव्स

इंदौर. वैसे तो इंदौर मध्यप्रदेश की व्यावसायिक राजधानी है और मध्यभारत के इंदौर शहर को संपूर्ण भारत में अपने यहां स्थापित व्यवसायों के लिए पहचाना जाता है। फिर भी फाइनेंस व निवेश के क्षेत्र में आज भी लोगों में जागरूकता की कमी है। इसी को पूरा करने और आम जनता को फाइनेंस व निवेश मार्केट से परिचित करवाने हेतु मनी वेव्स अखबार का प्रकाशन इंदौर से शुरू हुआ है। गत 7 जनवरी को आदित्य बिड़ला ऑडोटोरियम में इस अनूठे अखबार का विमोचन उद्योगपति दिनेश मित्तल, एसोसिएशन ऑफ इंडस्ट्रीज अध्यक्ष आलोक दवे, वरिष्ठ पत्रकार वीरेंद्र नानावटी, मार्केटिक मैनेजर आरके शुक्ला व सीए पंकज कालानी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में इंदौर की सभी फाइनेंस व निवेश कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ माहेश्वरी समाज की कई हस्तियां शामिल थीं। सभी ने अखबार की खूब सराहना की व फाइनेंस की दुनिया में इस तरह के प्रकाशन के प्रयास को इंदौर शहर का पहला अनूठा प्रयास बताया। संपादक डॉ. चंद्रप्रकाश हेड़ा ने बताया कि इस अखबार को आम व्यक्ति की पहुंच में बनाने के लिए प्रयास किये जा रहे हैं। फाइनेंस क्षेत्र की महत्वपूर्ण जानकारी के साथ प्रकाशित यह अखबार आम व्यक्ति के लिए आर्थिक संरचना बनाने में मददगार साबित होगा। अखबार माध्यम से आम जनता को जागरूक करने, सरकार की नीतियों को जनता तक पहुंचाने व उनकी बात सरकार तक पहुंचाने के साथ ही जरूरतमंदों को समय-समय पर मार्गदर्शन प्रदान करेगा। अतिथियों का स्वागत विनीता हेड़ा द्वारा स्मृति चिह्न भेंट कर किया गया। आभार मनी वेव्स की प्रबंधक राशिका हेड़ा ने माना।

शिव पंचायत व राधाकृष्ण प्रतिमा की स्थापना

भीलवाड़ा. गोपालद्वारा मंदिर संपत्ति ट्रस्ट की ओर से शिव पंचायत व भगवान राधाकृष्ण की प्रतिमाओं की स्थापना संतों के सान्निध्य में हुई। इसमें पूर्व दूदाधारी मंदिर से कलशयात्रा निकाली गई। ट्रस्ट के सचिव छीतरमल बाहेती ने बताया कि कलश यात्रा में मंदसौर मेनपुरी आश्रम के संत नित्यानंद बग्घी में सवार थे। इस अवसर पर संत राम चेतनदास, पंचमुखी दरबार के महंत लक्ष्मणदास, नृसिंहद्वारा ओंकारेश्वर के महंत श्याम सुंदरदास, ओंकारेश्वर के महंत श्याम सुंदरदास, प्रतापपुरा के संत शिवचरण, टेकरी के बालाजी के महंत बनवारीशरण काठियाबाबा आदि कई संतों के सान्निध्य में प्राण-प्रतिष्ठा संपन्न हुई। ट्रस्ट अध्यक्ष केदार जागेटिया ने संतों का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया।

युवा संगठन ने आयोजित किया सेहत मेला

नागपुर. माहेश्वरी युवा संगठन व माहेश्वरी पंचायत द्वारा समाजबंधुओं को अच्छी स्वास्थ्य चिकित्सा एवं परामर्श सेवा उपलब्ध करवाने हेतु 'सेहत मेले' का आयोजन गत 28 जनवरी से 18 फरवरी तक किया गया। युवा संगठन अध्यक्ष हेमंत राठी, सचिव शैलेष मोकाती, माहेश्वरी पंचायत अध्यक्ष चंद्रकिशोर चांडक, प्रकल्प संयोजक डॉ. आनंद भूतड़ा, सहसंयोजक डॉ. सौरभ राठी, डॉ. अंकुर धूत आदि का योगदान रहा। प्रमुख अतिथि पोर्टफोलियो कंसल्टेंट, लेखक व कई राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त समाजसेवक शरद गोपीदास बागड़ी व विशेष अतिथि अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के नागपुर जिलाध्यक्ष शिवरतन गांधी थे। अध्यक्ष हेमंत राठी ने बताया कि सेहत मेले में माहेश्वरी डॉक्टरों के सहयोग से माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा समाजबंधुओं को नाममात्र शुल्क रुपए 300 लेकर उत्कृष्ट स्वास्थ्य परीक्षण व चिकित्सा परामर्श उपलब्ध कराने की व्यवस्था कराई गई। पैनल में करीब 117 डॉक्टरों ने सेवा प्रदान की। आभार पूर्व अध्यक्ष सचिन बजाज ने माना।

राजस्थान दर्शन का किया विमोचन

भीलवाड़ा. राजस्थान के पर्यटन स्थलों पर 108 पेज की 250 से अधिक रंगीन छायाचित्र की पुस्तक राजस्थान दर्शन का विमोचन केंद्रीय पर्यटन राज्यमंत्री के.जे. अल्फोस, भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू एवं भारतीय सांस्कृतिक निधि इंटेक के कंवीनर पर्यावरणविद् बाबूलाल जाजू ने संयुक्त रूप से पर्यटन मंत्री के कार्यालय नईदिल्ली में किया। विमोचन के अवसर पर श्री अल्फोस व श्री जाजू ने कहा कि राजस्थान के ऐतिहासिक, पुरातात्विक, धार्मिक एवं पर्यटन के महत्व के स्थलों की जानकारी व वहां की सांस्कृतिक परंपराओं का सारगर्भित वर्णन होने से राजस्थान आने वाले देशी-विदेशी पर्यटकों के लिए यह पुस्तक उपयोगी साबित होगी। पुस्तक के लेखक सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के पूर्व संयुक्त निदेशक श्यामसुंदर जोशी ने पर्यटन राज्यमंत्री अल्फोस, भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जाजू का स्वागत करते हुए राजस्थान फड़ चित्रकारी की पेंटिंग भेंट की।

जय महेश फाउंडेशन का शुभारंभ

वरंगल. स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक सामाजिक दायित्व निभाने हेतु जय महेश फाउंडेशन का गठन किया गया। इसका उद्घाटन स्थानीय प्रगतिशील मारवाड़ी समाज भवन में मुख्य अथिति डॉ. महेश मर्दा, हैदराबाद एवं विशिष्ट अतिथि हरिप्रसाद चांडक निवर्तमान महामंत्री आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के कर कमलों से हुआ। विशेष अतिथि जय महेश फाउंडेशन के चेयरमैन ओमप्रकाश लोया, सेक्रेटरी संपतकुमार लाहोटी, प्रगतिशील मारवाड़ी समाज के अध्यक्ष वेणुगोपाल मूंदड़ा, माहेश्वरी समाज अध्यक्ष प्रहलाद सोनी, प्रगतिशील मारवाड़ी समाज के निवर्तमान अध्यक्ष भगवानदास मानधनी, वरिष्ठजन पूसाराम मणियार थे। इस उद्घाटन समारोह में फाउंडेशन की प्रथम सामाजिक योजना "परिवार सुरक्षा योजना" की घोषणा की गई। यह योजना तेलंगाना स्तर पर रखी गई है। इसके अंतर्गत सदस्यता प्राप्त सदस्य की मौत होने पर उस सदस्य परिवार को दो लाख रुपये की तत्काल आर्थिक सहायता दी जाएगी। इस आर्थिक सहायता में बाकी सभी सदस्य समान रूप से योगदान देंगे। इस कार्यक्रम में जय महेश फाउंडेशन के सहमंत्री नवलकिशोर मणियार, कोषाध्यक्ष जितेंद्र मूंदड़ा, वरंगल जिला महेश्वरी सभा के मंत्री बृजगोपाल लाहोटी, उपाध्यक्ष सत्यनारायण लड्ढा, संगठन मंत्री श्यामसुंदर लोया, आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी सभा उपाध्यक्ष रमेशचंद बंग सहित समस्त सदस्य उपस्थित थे।

> अच्छे के साथ अच्छे बनें किन्तु बुरे के साथ बुरे नहीं, क्योंकि हीरे से तो हीरा तराशा जा सकता है परन्तु कीचड से कभी कीचड साफ़ नहीं होती..

कन्याओं को भेंट किया जरूरी सामान

अहमदाबाद. माहेश्वरी सखी संगठन अहमदाबाद द्वारा गत 24 जनवरी को अपनी सभी सदस्याओं के आर्थिक सहयोग से दो जरूरतमंद कन्याओं को दायजा घर गृहस्थी का सारा सामान भेंट स्वरूप दिया गया। इसमें संतोष दिलीप सोनी एवं सुमन सुनील पुंगलिया का विशेष सहयोग रहा। उन दो कन्याओं में से एक नेत्रहीन कन्या का आर्य समाज में विवाह भी करवाया गया। अध्यक्ष मीना मूंदड़ा ने कार्यक्रम की शुरुआत की। राष्ट्रीय संचारिक समिति की संयोजिका सुशीला माहेश्वरी के अनुसार इस कार्यक्रम में इंदिरा राठी, राधा माहेश्वरी एवं संगठन की सभी पूर्व अध्यक्षाएं उपस्थित थीं।

माहेश्वरी गौरव से प्रतिभाएं सम्मानित

नौखा. गत 21 जनवरी को स्थानीय माहेश्वरी समाज द्वारा तहसील स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह 'माहेश्वरी गौरव 2018' का नौखा तहसील स्तर पर आयोजन चांडक भवन में किया गया। इसमें शैक्षणिक सत्र 2016-17 में सफल रहे प्रोफेशनल व प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल रहे 63 विद्यार्थियों को तहसील स्तर पर सम्मानित किया गया। अध्यक्ष रामनिवास लाहोटी ने बताया कि यह कार्यक्रम माहेश्वरी सभा, माहेश्वरी युवा संगठन व माहेश्वरी महिला मंडल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि सोहनलाल गट्टानी प्रदेशाध्यक्ष उत्तरी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा थे। विशिष्ट अतिथि केसरीचंद तापड़िया प्रदेशाध्यक्ष मध्य राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा, संजय करनाणी जिलाध्यक्ष माहेश्वरी सभा बीकानेर, लता मूंदड़ा प्रदेशाध्यक्ष माहेश्वरी महिला मंडल, कन्हैयालाल झंवर पूर्व संसदीय सचिव राजस्थान सरकार, सुषमा बजाज जिलाध्यक्ष बीकानेर माहेश्वरी महिला मंडल थीं। इस कार्यक्रम के साथ ही माहेश्वरी समाज नौखा द्वारा प्रकाशित नवीन कैलेंडर 2018 का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम की व्यवस्थाओं में आसकरण भट्टड़, मनोहरलाल सोनी, किशनगोपाल चितलांग्या, अशोक लाहोटी, पुरुषोत्तम तापड़िया, नेमीचंद भट्टड़, प्रहलादराय मोहता, भंवरलाल जाजू, किशोर दम्माणी, सत्यनारायण मालाणी, निर्मल झँवर, शिवप्रकाश चांडक, ललित बिहाणी, जगदीश डागा, महावीर तापड़िया, बजरंग कोठारी, सुरेंद्र भट्टड़, किशन तापड़िया, हरि लखोटिया सहित समस्त सदस्य मौजूद थे। सभा अध्यक्ष रामनिवास लाहोटी ने सभी का आभार माना। मंच संचालन ललित झंवर व पवन तापड़िया ने संयुक्त रूप से किया।

जया माहेश्वरी हुई पुरस्कृत

शुजालपुर. गणतंत्र दिवस पर हुए कार्यक्रम में कलेक्टर श्रीकांत बनोठ के हाथों श्रीमती जया माहेश्वरी एड्स काउंसलर शुजालपुर सिविल सर्जन कार्यालय शाजापुर को शुजालपुर में आयोजित ब्लड बैंक शिविरों में तत्पर कार्य करने व स्वैच्छिक रक्तदान कैंप लगवाने में सहयोग आदि उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

सम्मान हमेशा समय और
स्थिति का होता है,
पर इंसान उसे अपना
समझ लेता है!

गग्गड़ को समाज रत्न सम्मान

भीलवाड़ा. माहेश्वरी समाज में नेपथ्य में रहने वाले प्रबुद्धजनों के सम्मान की कड़ी में अंतरराष्ट्रीय माहेश्वरी कपल क्लब भारत की राजस्थान प्रदेश शाखा द्वारा माहेश्वरी समाज के राष्ट्रीय संगठनों के प्रमुख स्तंभ देवकरण गग्गड़ का अभिनंदन किया गया। सम्मान समारोह की अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी छीतरमल सोनी ने की। मुख्य अतिथि अंतरराष्ट्रीय माहेश्वरी कपल क्लब भारत के राष्ट्रीय महासचिव अनीता-डॉ. अशोक सोडाणी एवं राजस्थान प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. सुमन-सुरेश सोनी तथा विशिष्ठ अतिथि भीलवाड़ा जिला उपाध्यक्ष निशा-सुनील सोनी, जिला सांस्कृतिक सचिव चेतना-सुनील जागेटिया व जिला परिवार समन्वय सचिव नीलम-प्रकाश दरगड़ थे।

रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

दिल्ली. गत 27 जनवरी को माहेश्वरी महिला संगठन, दक्षिणी दिल्ली द्वारा 'सौष्ठा' समिति के अंतर्गत साकेत के सेलेक्ट सिटी मॉल में रोटरी ब्लड बैंक के साथ एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान 225 यूनिट रक्त एकत्र हुआ। रक्तदाताओं को नाश्ता, टी शर्ट, उपहार व प्रमाण पत्र दिए गए। इसमें वीणा जाजू, सुनीता पेड़ीवाल, सुधा डागा, सुषमा भट्टड़, सारिका बाहेती, पुष्पा डागा, शशि लखानी, संगीता पुंगलिया, मधु बाहेती, राजश्री मोहता, जमुना बांगड़, उषा बाहेती, सुषमा डागा, कृष्णा काबरा, निकिता जाजू आदि का सहयोग रहा। 'सौष्ठा' की सहसंयोजिका स्नेह माहेश्वरी तथा उत्तरांचल सहसचिव शर्मिला राठी ने भी शिविर में पहुँचकर सबका मनोबल बढ़ाया।

माहेश्वरी महिला संगठन दिल्ली में सेवा गतिविधियां

दिल्ली. प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन दिल्ली द्वारा प्रदेश अध्यक्ष किरण लढ़ा व सचिव श्यामा भांगड़िया के नेतृत्व में विभिन्न सेवा गतिविधियां आयोजित की गईं। इसके अंतर्गत समिति सुगंधा द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 8 से 12 जनवरी तक बाराबंकी के रामवन कुटीर आश्रम में निःशुल्क नेत्र ऑपरेशन में सेवा दी गई। 846 रोगियों का सफल ऑपरेशन किया गया व ऑपरेशन हेतु 1 लाख 22 हजार रुपए की धनराशि प्रदान की गई। साथ में 300 से अधिक लोगों को जरूरत का सामान भी भेंट स्वरूप दिया गया। प्रदेश प्रकल्प प्रमुख राजश्री मोहता की सुपुत्री दंत चिकित्सक डॉ. पयस्वि मोहता ने साथ जाकर दंत रोगियों का परीक्षण किया। मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में ड्रोन बोस्को आश्रम जाकर बच्चों को नाश्ता करवाया व जरूरत का सामान वितरित किया। प्रदेश के पूर्वी क्षेत्र ने 15 जनवरी को सेवाधाम आश्रम जाकर वहां खाना बनवाकर भोजन करवाया और खुद भी किया तथा आश्रम में जरूरत का सामान बिस्तर, पेन, कॉपी आदि भेंट किए। 17 जनवरी को एम्स में करीब 500 लोगों को दक्षिण क्षेत्र से सुंगधा समिति की सहसंयोजिका जमुना बांगड़ के नेतृत्व में भोजन वितरण किया गया। सुरम्या समिति द्वारा 4 जनवरी को दिल्ली प्रदेश के पश्चिमी क्षेत्र में गृहलक्ष्मी कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें कॉर्न डिश कॉम्पिटिशन रखा गया। इसी दिन प्रदेश के दक्षिणी क्षेत्र द्वारा भी 52 सदस्यों के साथ पिकनिक मनाकर कई तरह के इंडोर गेम्स खेले गए। सुलेखा समिति द्वारा काव्य लेखन व नुक्कड़ नाटक लेखन प्रतियोगिता रखी गई जिसमें काव्य लेखन की 2 एंट्री आई। इनमें से 1 को उत्तरांचल से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कांता जी व सहसचिव शर्मिलाजी को भेजी गई है। संचारिका समिति के अंतर्गत फेसबुक व व्हाट्सएप पर दिल्ली प्रदेश की रिपोर्ट्स अपलोड की गई। सौष्ठा समिति अंतर्गत प्रदेश के पूर्वी क्षेत्र द्वारा 21 जनवरी को संपूर्ण स्वास्थ्य प्राप्ति हेतु सही जीवन शैली विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें समिति की सहसंयोजिका डॉ. स्नेह माहेश्वरी ने संयमित खान-पान, रहन-सहन व प्राणायाम के द्वारा कैसे अपना स्वास्थ्य सुधारा जाए व औषधि मुक्त जीवन कैसे जिया जाये पर परिचर्चा के माध्यम से मार्गदर्शन दिया। 26 जनवरी को प्रदेश के पश्चिमी क्षेत्र द्वारा श्री गायत्री नवयुवक मंडल दिल्ली के राजा के साथ मिलकर 1500 निशक्त लोगों को बेहतर जीवन जीने में सहयोग के लिए सुनने की मशीन, व्हीलचेयर, स्टिक, साइकिल व सिलाई मशीन आदि लगभग 4 हजार उपकरण वितरित किए गए। 27 जनवरी को प्रदेश के दक्षिणी क्षेत्र ने साकेत के सलेक्ट सिटी मॉल में रोटरी ब्लड बैंक के साथ मिलकर रक्तदान शिविर लगाया गया, जिसमें 225 यूनिट रक्त एकत्र हुआ। सभी रक्तदाताओं को टीशर्ट व सर्टिफिकेट भेंट किए गए।

समाजसेवा रत्न से जैथलिया सम्मानित

भीलवाड़ा. माहेश्वरी समाज में परिपाटी से हटकर कुछ अलग करने का साहस दिखाने वाले व्यक्तित्वों के सम्मान की कड़ी में अंतरराष्ट्रीय माहेश्वरी कपल क्लब भारत की राजस्थान प्रदेश शाखा द्वारा भीलवाड़ा माहेश्वरी समाज के व्यक्तित्व सूर्यप्रकाश जैथलिया का सम्मान किया गया। श्री जैथलिया ने हिंदी फिल्म 'मीराधा' का निर्माण व निर्देशन किया। उनके इस सफल प्रयास पर उन्हें 'सम्मान सृजन का' समाजसेवा रत्न अवॉर्ड भेंट किया गया।

बेहिसाब हसरतें न पालिए..
जो मिला, पहले उसे सम्भालिए...।

गणतंत्र दिवस पर सम्मानित हुए सारडा

गच्छीपुरा. कस्बे के व्यवसायी राजाराम सारडा को चिकित्सा, शिक्षा एवं समाजसेवा में उल्लेखनीय कार्य करने पर जिला प्रशासन ने गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह में सम्मानित किया। श्री सारडा की धर्मपत्नी कमलादेवी सारडा ने समाजसेवा का कार्य करने की सोची, लेकिन उनकी 2010 में उनकी मृत्यु हो गई। इसके बाद पति राजाराम सारडा ने इस काम को आगे बढ़ाया। मरीजों की आर्थिक मदद, अस्पताल में एक्सरे रूम, मुख्य द्वार का निर्माण व रक्तदान शिविरों का आयोजन किया। उन्होंने विद्यालयों में गरीब बच्चों की भी मदद की।

नाथद्वारा यात्रा सम्पन्न

महू. श्री माहेश्वरी महिला मंडल एवं तरुणी मंडल ने दो दिवसीय नाथद्वारा यात्रा की। मंडल ने यात्रा ट्रेन द्वारा की, जिसमें समाज की करीब 50 महिलाओं ने भाग लिया। श्रीनाथजी में महिलाओं ने भगवान के दर्शन का लाभ लिया एवं मंडल की ओर से राजभोग एवं छत्र चढ़ाया गया।

प्रतिभाओं का किया सम्मान

मेरठ. पढ़ेगा समाज तो बढ़ेगा समाज की मुहिम पर माहेश्वरी शिक्षा सहायता समिति द्वारा समाज के समस्त प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के प्रोत्साहन हेतु 'प्रतिभा सम्मान' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें समाज के विद्यार्थियों द्वारा प्रोजेक्ट प्रदर्शनी, सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता (एकल व युगल), शैक्षिक मार्गदर्शन सेमिनार आकर्षण का केंद्र रहे। शुभारंभ मुख्य अतिथि सत्यप्रकाश अग्रवाल विधायक मेरठ कैंट द्वारा किया गया। तत्पश्चात फीटजी, अरोमा, टॉपर्स हब, प्रोबे कोचिंग ने सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन करवाया। प्रोजेक्ट प्रदर्शनी में बच्चों के तकनीकी ज्ञान ने विशेष रूप से ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। हाईस्कूल, इंटरमीडिएट, स्नातक, स्नातकोत्तर, डायरेक्ट एवं काम्पीटिशन एग्जाम, राष्ट्रीय खेलकूद में सफलता पाने वाले विद्यार्थियों को समिति द्वारा सम्मानित किया गया। कनिका राठी का आईईएस एग्जाम में सफलता पाने और प्रणव माहेश्वरी का आईआईटी मुंबई में चयन होने पर विशिष्ट सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन शिवम माहेश्वरी व मंत्री दीपक मूना ने किया। अध्यक्ष देवेंद्र भट्टर, मंत्री दीपक मूना, कोषाध्यक्ष नरेश मूंदड़ा, गौरव टावरी, कमल ढक, अश्वनी कोठारी, मनीष केला, सचिन, अमित, चेतन लाहोटी, राजीव राठी, संदीप माहेश्वरी, मनीष शारदा, अमित शारदा, अंकुर मूना, मधु माहेश्वरी, अनुभव केला, प्रशांत मूना, अशीष सांवल, विशाल ढक, राजेश माहेश्वरी आदि ने कार्यक्रम में सहयोग दिया।

पारिवारिक मिलन समारोह का हुआ आयोजन

नागदा. लायंस क्लब नागदा ग्रेटर के पारिवारिक मिलन समारोह का आयोजन कमला राठी कृषि फॉर्म हाउस पर हुआ। समारोह के दौरान ही सेवा गतिविधियों के तहत मकला के शासकीय प्राथि के 38 जरूरतमंद बच्चों को स्कूली बैग व पाठ्य सामग्री निःशुल्क रूप से प्रदान की गई। मुख्य अतिथि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री थावरचंद गहलोत एवं नागदा विधायक दिलीपसिंह शेखावत थे। स्वागत उद्बोधन लायंस ग्रेटर अध्यक्ष घनश्याम राठी ने दिया। सामाजिक गतिविधियों की मुक्तकंठ से सराहना लायंस क्लब ग्रेटर अध्यक्ष घनश्याम-सुनीता राठी ने की। कार्यक्रम का संचालन सचिव सौरभ-श्रुति मोहता ने किया। गोविंद मोहता, अशोक बिसानी, सतीश बजाज, झमक राठी, राजकुमार मोहता, प्रकाश राठी, बंशीलाल राठी, मुरलीधर राठी आदि मौजूद थे।

हर तमन्ना जब दिल से रुख्सत हो गई,
यक़ीन मानिये फुर्सत ही फुर्सत हो गई।

कैंसर रोगियों के लिए दी आर्थिक सहायता

सारडा, माहेश्वरी बैंक से लक्ष्मीनारायण डागा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। फाउंडेशन के मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ. बीएस श्रीनाथ ने फाउंडेशन द्वारा किए जा रहे कार्यों की पूर्ण जानकारी दी तथा इस सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

बैंगलोर. माहेश्वरी महिला मंडल की सौष्ठा समिति द्वारा मानवीय सेवा कार्य के अंतर्गत श्री शंकरा कैंसर फाउंडेशन को गत 4 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय कैंसर दिवस पर एक लाख रुपए का चेक भेंट किया। सचिव श्वेता बियानी ने बताया कि इस अवसर पर माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्ष सुशीला बागड़ी, उपाध्यक्ष कांता काबरा, कोषाध्यक्ष शोभा भूतड़ा, (अभा माहेश्वरी महिला मंडल), दक्षिणांचल की संयुक्त मंत्री प्रकाश मूंदड़ा, सलाहकार समिति से पुष्पा सारडा, कृष्णा डागा सहित माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष बसंत सारडा, मंत्री निर्मलाकुमार तापड़िया, सेवा ट्रस्ट के मोहन माहेश्वरी फाउंडेशन से गौरीशंकर

चांडक सम्मानित

बीकानेर. नगर विकास न्यास द्वारा गणतंत्र दिवस के साथ सम्मान समारोह का आयोजन भी किया गया। इसमें सामाजिक कार्य के लिए समाजसेवी मगनलाल चाँडक को सम्मानित किया गया।

भजन संध्या का किया आयोजन

मेरठ. स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल ने गत 6 जनवरी को नववर्ष व संक्रांति के उपलक्ष्य में भजन संध्या का आयोजन वामनदेव जी के मंदिर में किया। यहाँ भगवान को गर्म कपड़े पहनाये व फल और मिठाई का भोग लगाया। महिला मंडल व समाज सदस्यों ने मिलकर भजन गाए। संक्रांति के उपलक्ष्य में गर्म शॉल, खिचड़ी, गुड़, नमक व रेवड़ी का वितरण किया गया। अंत में प्रसाद बांटा गया। मधु, प्रगति, लता, आशा, उषा, जनक, रानू, मंजू, सुनीता, राज, सुनील, मोना, कविता, रचना, अलका, वंदना, दीपाली सहित सभी सदस्याओं का सहयोग रहा।

बधर माता का हुआ जागरण

हैदराबाद. श्री बधर माता माहेश्वरी सेवा समिति द्वारा सोमाणी, मर्दा, छापरवाल, बागड़ी व थिरानी आदि माहेश्वरी खांपों की कुलदेवी बधर माता का आठवां रात्रि जागरण गत दिनों संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलदेवी के हवन से हुआ। हवन की पूजा विधि हनुमान सोमाणी और रामगोपाल मर्दा ने सपत्नीक कराई। सांयकाल कुलदेवी की पूजा प्रधान संयोजक राजेश सोमाणी, रमेश मर्दा, राजगोपाल मर्दा, राहुल मर्दा, रामगोपाल मर्दा, हनुमान सोमाणी, औरंगाबाद से आए श्यामसुंदर सोमाणी, नितिनकुमार सोमाणी ने पूर्ण करवाई। नव कन्या का पूजन विट्ठल सोमाणी, श्याम सोमाणी ओर गोविंद सोमाणी ने करवाया। अनुराग भूतड़ा ने देर रात तक भजनों की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर बधर माता ट्रस्ट व राजस्थान के अध्यक्ष श्यामसुंदर सोमाणी व मंत्री नितिनकुमार सोमाणी का स्वागत सेवा समिति परामर्शदाता सत्यनारायण मर्दा व हंसराज सोमाणी ने किया।

गणतंत्र दिवस पर किया ध्वजारोहण

रायपुर. गणतंत्र दिवस के अवसर पर उद्योग भवन में आयोजित ध्वजारोहण कार्यक्रम में सीएसआईडीसी अध्यक्ष छगनलाल मूंदड़ा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। साथ ही श्री मूंदड़ा भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय, जिला कार्यालय तथा अशोका रतन सोसायटी के ध्वजारोहण कार्यक्रम में अतिथि के रूप में भी शामिल हुए।

अपने लिए नही तो
उन लोगो के लिए
कामयाब बनो....
जो आपको हमेशा
नाकाम देखना चाहते है...

अस्पताल में दी सेवाएं

अजमेर. जिला माहेश्वरी युवा संगठन के तत्वावधान व जिला परामर्शदाता प्रदीप झंवर (ब्यावर), व किशन हेड़ा (ब्यावर) के मार्गदर्शन व प्रोत्साहन एवं ब्यावर क्षेत्र के अजमेर जिला माहेश्वरी युवा संगठन के कार्यकारी मंडल सदस्यों के सहयोग से अमृतकौर अस्पताल ब्यावर में गत 21 जनवरी सुबह 9 बजे 'न्यू बॉर्न बेबी' किट व फल का वितरण अजमेर जिला माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष अमित सोमानी (किशनगढ़) के नेतृत्व में कार्य किया गया। इसमें अजमेर जिला माहेश्वरी युवा संगठन 'संरक्षक' सुनील काहल्या (नसीराबाद), महामंत्री अंशुल पोरवाल, कोषाध्यक्ष महावीर राठी, उपाध्यक्ष गोपाल सारड़ा (ब्यावर), उपाध्यक्ष ललित नवाल, उपाध्यक्ष कमलेश काहल्या, मंत्री- रिषी छापरवाल, पंकज हेड़ा (ब्यावर), लोकेश मालू, विजय तोषनीवाल, संगठन मंत्री अर्पित काबरा सहित समस्य सदस्यों का सहयोग रहा।

राजेन्द्र बियाणी हुए सम्मानित

केकड़ी (भीलवाड़ा). राजेंद्र बियानी को भारत विकास परिषद में उत्कर्ष सेवा देने के लिए उपखंड अधिकारी ने गणतंत्र दिवस पर हुए कार्यक्रम में सम्मानित किया।

परिचय सम्मेलन में जुड़े 9 रिश्ते

चित्तौड़गढ़. राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन एवं चित्तौड़गढ़जिला माहेश्वरी युवा संगठन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित माहेश्वरी युवक-युवती द्वितीय परिचय सम्मेलन में 1126 युवक-युवतियों ने भाग लिया। संगठन जिलाध्यक्ष प्रदीप लड्ढा ने बताया कि सम्मेलन में दूसरे दिन सोमवार को विशेष समन्वय सत्र का आयोजन किया गया। इसमें विशेष रूप से उन लोगों ने हिस्सा लिया जिनके संबंधों में प्रथम दिन कुछ बात आगे बढ़ी। सम्मेलन की उपलब्धि यह रही कि 9 जोड़ों के संबंध इस सम्मेलन में तय हुए। सम्मेलन के सहसंयोजक बालकृष्ण सोनी ने बताया कि सम्मेलन की व्यवस्थाओं एवं संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार काल्या ने संगठन के प्रदेशाध्यक्ष सीपी नामधराणी को परिचय सम्मेलन का राष्ट्रीय संयोजक मनोनीत किया।

निःशुल्क सामूहिक विवाह का हुआ आयोजन

इंदौर. जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा चतुर्थ सामूहिक विवाह का आयोजन किया गया। जिला संगठन की अध्यक्ष प्रमिला भूतड़ा एवं सचिव सुमन सारडा ने बताया कि बसंत पंचमी 22 जनवरी को इंदौर में 2 जोड़ों का निःशुल्क सामूहिक विवाह श्री युवराज स्वामीश्री प्रज्ञाचार्यजी महाराज (उज्जैन) के सान्निध्य में हुआ। श्री बिजासन क्षेत्र माहेश्वरी महिला संगठन इस आयोजन का आतिथ्यकर्ता था। मुख्य संयोजक अर्चना ओपी माहेश्वरी, सुलेखा मालपानी, सहसंयोजक कुसुम माहेश्वरी, सुनीता लड्ढा, हेमा बियाणी, अर्चना भूतड़ा, सुशीला राठी ने अलग-अलग समितियों में भोजन, मेहंदी, गीत, संगीत व पांडाल आदि की व्यवस्था संभाली। सरला हेड़ा, मीनाक्षी नवाल, अन्नपूर्णा माहेश्वरी, सीमा गगरानी, सुषमा मालू ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। किरण लाहोटी, दमयंती मणियार, पुष्पा मोलासरिया, दीप्ति भूतड़ा के मार्गदर्शन में चल समारोह निकाला गया। प्रदेश के महामंत्री पुष्प माहेश्वरी, जनकल्याण ट्रस्ट अध्यक्ष रामेश्वरलाल असावा, कोषाध्यक्ष मांगीलाल कासट, संयोजक किशनगोपाल पुंगलिया, निर्मला बाहेती, उर्मिला झँवर, मंजू भलिका, बिजासन क्षेत्र अध्यक्ष जयनारायण दम्मानी, सचिव कमलेश माहेश्वरी, युवा संगठन अध्यक्ष राहुल मानधन्या, सचिव अक्षत झँवर सहित अनेक अतिथि शामिल थे।

पारिवारिक मनोरंजन उत्सव मनाया

इंदौर. श्री लक्ष्मी माहेश्वरी महिला संगठन पूर्वी क्षेत्र द्वारा मकर संक्रांति के अवसर पर 14 जनवरी को पारिवारिक मनोरंजन उत्सव का आयोजन किया गया। संस्थाध्यक्ष सीमा मुछाल एवं सचिव निशा झंवर ने बताया कि कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें मुख्य पतंग उड़ान प्रतियोगिता भी शामिल थी। रंग-बिरंगे सजावट वाले माहौल में एक बहुत ही दिलचस्प बॉलीवुड लुक समान स्पर्धा थी, जिसमें सभी बच्चे बॉलीवुड स्टार की वेशभूषा में आए थे। चित्रकारी में 15 से 20 बच्चों ने बड़े उत्साह से भाग लिया। कार्यक्रम की संयोजक समता मूंदड़ा, विनीता काबरा एवं शैला राठी तथा सहसंयोजक शीतल राठी एवं श्रुति मूंदड़ा थीं।

महिला मंडल द्वारा वृद्धजनों की सेवा

कानपुर. श्री माहेश्वरी महिला मंडल के तत्वावधान में गत 6 जनवरी को स्थानीय वृद्धाश्रम किदवई नगर में मध्याह्न भोज आयोजित किया गया। इस भोज में करीब 100 महिलाएं और पुरुष शामिल हुए। वृद्ध महिलाओं और पुरुषों के मध्य नित्य उपयोगी आवश्यक सामग्री का वितरण किया गया। इसके पश्चात उनके मनोरंजन हेतु विभिन्न गेम्स (भजन-अंताक्षरी जैसे) एवं हाऊजी का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय संगठन मंत्री मंजू बांगड़, महिला मंडल अध्यक्ष मंजू जाजू, सचिव करुणा अटल, शालिनी करनानी, प्रीति तोषनीवाल, सुमन, सीमा, नीलम, निशा राठी, राज काबरा आदि मौजूद थीं।

मकर संक्रांति पर हुए रंगारंग कार्यक्रम

चंद्रपुर (महाराष्ट्र). स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा मकर संक्रांति पर हल्दी कुमकुम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महिला मंडल द्वारा 'अपनी संस्कृति अपने संस्कार' पर एक लघु नाटिका प्रस्तुत की गई। साथ ही महाराष्ट्रीय शृंगार व संक्रांत के टून प्रतियोगिता रखी गई। इसमें महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। निर्णायक के रूप में मीनाक्षी बाहेती व कांटा जाजू उपस्थित थीं। महिला क्रिकेट टीम को प्रमाण पत्र व पुष्पगुच्छ से सम्मानित किया गया। निर्मला जाजू की अध्यक्षता में शीला राठी, दीपा जाजू, आरती चांडक, कविता लोहिया, किरण चांडक, पायल सारडा, हर्षा तोषनीवाल, मोनिका सोमानी, श्यामल जाजू सहित समस्त सदस्याओं का सहयोग रहा।

सब्र और सहनशीलता
कोई कमजोरियां नहीं होती है
ये तो अंदरूनी ताकत है
जो सब में नहीं होती.

रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

ब्यावर. भारत विकास परिषद स्थानीय शाखा की ओर से गत 26 जनवरी को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर के दौरान तिरंगे एवं तिरंगे बैलून से आकर्षक सजावट की गई। शिविर प्रकल्प प्रभारी राजेंद्र काबरा ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला प्रमुख डॉ. क्षमाशील गुप्त व शाखा अध्यक्ष प्रकाश ईनाणी थे। इस मौके पर शहर के युवा वर्ग सहित मातृशक्ति, व्यापारी वर्ग ने भी स्वैच्छिक रक्तदान किया। सायं 5 बजे तक चले स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में 171 यूनिट रक्तदान किया गया। स्वैच्छिक रक्तदाताओं को सम्मान पत्र के साथ तिरंगा बैच व एक पौधा भी भेंट किया गया। रक्तदाताओं के सम्मान के साथ पर्यावरण संरक्षण का एक अनूठा अनुकरणीय उदाहरण पेश किया गया। इस नवीन सोच को सभी ने सराहा। दीपक झँवर की प्रेरणा से आदित्य पब्लिक व मंगलम् ऑटोमोबाईल्स, आरएसएस, विहिप तथा शहर की कई सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं ने इस रक्तदान शिविर में बढ़-चढ़कर भाग लिया।

बैंक स्टाफ एसोसिएशन में माहेश्वरी

लखनऊ. गत दिनों संपन्न 'यूनियन बैंक स्टाफ एसोसिएशन' की प्रांतीय बैठक में पुष्पेंद्र माहेश्वरी सर्वसम्मति से यूपी की यूनियन बैंक स्टाफ एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी चुने गए। जिला माहेश्वरी युवा मंच बरेली के प्रवक्ता सचिनकुमार माहेश्वरी ने उक्त जानकारी दी।

दंगे के शहीद को दी श्रद्धांजलि

बरेली. जिला माहेश्वरी युवा मंच द्वारा कासगंज में हुए दंगे में शहीद देशभक्त चंदन गुप्ता को समाज की तरफ से शहीद चौक, डीडीपुरम् पर श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में डॉ. प्रमेंद्र माहेश्वरी, विनय माहेश्वरी, माधव माहेश्वरी, नितिन काबरा, संकेत माहेश्वरी, प्रियंक मूना, केके माहेश्वरी, सचिन माहेश्वरी, अजय माहेश्वरी आदि मौजूद थे।

कुलदेवी को 56 भोग, मेधावियों का सम्मान

डीडवाना. मानधना-भराड़िया सुरल्या सेवा समिति की अष्टम वार्षिक साधारण सभा गत दिनों संपन्न हुई। सभा की अध्यक्षता संस्था अध्यक्ष लक्ष्मण माहेश्वरी ने की। मीटिंग का संचालन मंत्री लीलाधर मानधन्या ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हैदराबाद के महेश बैंक के चेयरमैन पुरुषोत्तम मानधना थे। अतिथि स्वागत संस्था अध्यक्ष ने किया। प्रातः 9 बजे माताजी के मंदिर मानधना बगीची का अभिषेक किया गया। सभी ने अपने हाथों से पंचामृत से अभिषेक किया। कमलापुर निवासी पुरुषोत्तम शिवशंकर मानधना द्वारा 56 भोग माताजी को अर्पित किए गए। संस्था अध्यक्ष लक्ष्मी माहेश्वरी, मंत्री लीलाधर मानधन्या, कोषाध्यक्ष राजगोपाल मानधना, पुरुषोत्तम मानधना सहित कई सदस्य मौजूद थे। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी वृद्धजन सम्मान समारोह आयोजित हुआ। इसमें सबसे अधिक उम्र की महिला सदस्य कमलाबाई सत्यनारायण मानधना सोलापुर का सम्मान शॉल-श्रीफल एवं पुष्पमाला से किया गया। इस अवसर पर मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान भी किया गया।

समाज भवन पर किया झंडावंदन

नीमच. स्थानीय माहेश्वरी समाज नीमच द्वारा आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में समाज भवन पर ओपी मंत्री एवं सचिव रमेशचंद्र सोनी द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ बापूलाल अजमेरा, गोविंद मंत्री, आनंद कालानी, कन्हैयालाल मूंदड़ा, सुनील गगरानी एवं कार्यकारिणी के सभी सदस्य मौजूद थे। इस अवसर पर सामूहिक देशगान एवं देशभक्ति के गीत का आयोजन भी किया गया। उक्त जानकारी मीडिया प्रमुख कमलेश मंत्री ने दी।

कठिन परिस्थितियों में संघर्ष करने पर एक बहुमूल्य संपत्ति विकसित होती है, जिसका नाम है आत्मबल। अपने आप पर भरोसा रखें..

युवक–युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन

फरीदाबाद. माहेश्वरी मंडल ने गत 26 से 28 जनवरी को नवम त्रिदिवसीय माहेश्वरी विवाह योग्य युवक-युवतियों का परिचय सम्मेलन आयोजित किया। इसमें 615 प्रविष्टियां आईं। इनका समावेश कर पुस्तक 'गठबंधन' का प्रकाशन किया गया। काफी संख्या में युवक-युवतियों ने मंच पर आकर परिचय दिया। सम्मेलन के मुख्य संयोजक महावीर बिहानी थे। कार्यक्रम का शुभारंभ 26 जनवरी को विशिष्ट अतिथि समाजसेवी राजकुमार करवा के हाथों हुआ। इस अवसर पर स्वागताध्यक्ष रमेश झंवर, हप प्रादेशिक अध्यक्ष ओमप्रकाश पसारी, दिल्ली प्रदेशाध्यक्ष डॉ. एसएन चांडक, मा. मंडल अध्यक्ष सुशील नेवर, सेवा ट्रस्ट अध्यक्ष प्रमोद भूतड़ा, महिला मंडल अध्यक्ष नीतू भूतड़ा, युवा संगठन अध्यक्ष संदीप कोठारी तथा मा. मंडल सचिव बिनोद बिहानी थे। महासभा कार्यसमिति सदस्य प्रदीप पेड़ीवाल अबोर, राकेश राठी अबोर, गोविंद सोनी नेपाल, दिल्ली प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश मालपानी, ह.प. युवा संगठन अध्यक्ष विकास माहेश्वरी, सचिव अनुराग झंवर, बहादुरगढ़ युवा संगठन अध्यक्ष आशीष सारडा मौजूद थे। माहेश्वरी मंडल अध्यक्ष सुशील नेवर व सचिव बिनोद बिहानी ने आभार माना।

तन्वी का उपन्यास प्रकाशित

पुणे. ख्यात कर सलाहकार सुरेश लखोटिया की 19 वर्षीय सीए सुपुत्री तन्वी राठी ने एक अंग्रेजी उपन्यास 'व्हॉट बिटविन दी इनार्मिटी' लिखा है। इस उपान्यास का विमोचन गत दिनों महाराष्ट्र के सहकारिता मंत्री सुभाष देशमुख तथा वेस्टर्न रेलवे के सीनियर कमर्शियल मैनेजर बख्यितार दादाभाई आदि के हाथों हुआ।

मारवाड़ी महिला सम्मेलन का हुआ गठन

अहमदाबाद. अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की राष्ट्रीय मध्यांचल उपाध्यक्ष सुमन मूंदड़ा एवं राष्ट्रीय शिक्षा समिति प्रमुख इंदु गर्ग के तत्वावधान में अहमदाबाद शाखा का गठन किया गया। इसमें संस्थापक पुष्पलता बांगर एवं पुष्पलता मालपानी को बनाया गया। सुधा काबरा को अध्यक्ष, निशा धानुका को सचिव एवं रेखा जागेटिया को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया एवं पिन लगाकर शपथ ग्रहण करवाई गई। शोभा भट्टर, कमला मिश्रा एवं सदस्याओं ने इनका स्वागत किया।

रक्तदान के साथ निःशुल्क परामर्श

भीलवाड़ा. श्रीमती केसरबाई की 28वीं पुण्यतिथि के अवसर पर चिकित्सा शिविर व रक्तदान शिविर का शुभारंभ संगम उद्योग के संस्थापक रामपाल सोनी, अनुराग सोनी व अरमान सोनी ने किया। शिविर में हेल्थ अवेयरनेस टॉक में ख्यात चिकित्सक डॉ. संदीप झाला व लेप्रो सर्जन डॉ. मनी गोयल ने सलाह दी। रामपाल सोनी ने उच्च चिकित्सा सेवा के लिए स्मृति चिह्न भेंटकर उनको सम्मानित किया। इस अवसर पर अपनी बेस्ट परफॉर्मेंस के लिए हास्पिटल स्टॉफ को भी सम्मानित किया गया। हॉस्पिटल के सीईओ श्याम बिड़ला ने बताया कि रामस्नेही ब्लड बैंक के सहयोग से इस अवसर पर 90 यूनिट रक्तदान किया गया। रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। 468 मरीजों ने निःशुल्क परामर्श प्राप्त किया।

सेंचुरी बनाने पर वरिष्ठ का किया सम्मान

जलगाँव. माहेश्वरी फ्रेंड्स ग्रुप की ओर से गत 26 जनवरी के अवसर पर सेंचुरी ऑफ दि जेष्ठ माहेश्वरी माहेश्वरी शतायु जेष्ठ सम्मान योजना का शुभारंभ किया गया। इसमें सम्मान पत्र, शॉल, श्रीफल, धार्मिक पुस्तकें, गुलाब पुष्प आदि देकर 100 साल उम्र तक पहुँचने वाले समाजजनों का जिला सभा अध्यक्ष मनीष झँवर, शहर सभा के अध्यक्ष राधेश्याम बजाज, फ्रेंड्स ग्रुप के अध्यक्ष राजेश आगीवाल, सचिव महेश आगीवाल, प्रकल्प प्रमुख प्रकाशकुमार लाठी, दीपक हेड़ा, डॉ. सुरेंद्र काबरा, डॉ. किशोर करवा, डॉ. सतीश आगीवाल आदि ने सम्मान किया गया।

रिश्ता कभी खत्म नहीं होता ,
बातों से
छूटा तो आँखों में रह जाता है,
आँखों से छूटा तो यादों में
रह जाता है...!!!

विद्यालय में मना 65वाँ वार्षिकोत्सव

इंदौर. छत्रीबाग स्थित श्री माहेश्वरी समाज के सबसे प्राचीन विद्यालय श्री माहेश्वरी उमावि इंदौर के 65वें वार्षिकोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन समाजसेवी डॉ. रवींद्र राठी के मुख्य आतिथ्य एवं समाजसेवी नीलेश मालपानी की अध्यक्षता में हुआ। इसके पूर्व अतिथियों ने विद्यालय में कला एवं विज्ञान-प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। श्री माहेश्वरी विद्यालय ट्रस्ट के अध्यक्ष अशोक डागा, विद्यालय के अध्यक्ष अजय सोडानी तथा विद्यालय की प्राचार्य आशा त्रिवेदी ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष अशोक डागा, पवन लड्ढा, आरके डागा, माहेश्वरी एकेडमी विद्यालय के अध्यक्ष घनश्याम झँवर, मंत्री नितिन माहेश्वरी, बीडी तोषनीवाल, बाल मंदिर के मंत्री देवेंद्र बाहेती, मनोज कुइया, ईश्वर बाहेती, बजरंगलाल गग्गड़, श्याम सारडा, बंशीलाल भूतड़ा, मधुसूदन भलिका, आरएल माहेश्वरी, प्रकाश सोडानी आदि मौजूद थे।

बॉयज होस्टल में जिम का शुभारंभ

इंदौर. एबी माहेश्वरी एजुकेशनल ट्रस्ट द्वारा संचालित श्रीमती सीतादेवी जयनारायण जाजू माहेश्वरी बॉयज होस्टल में कचोलिया परिवार के सहयोग से निर्मित सर्वसुविधायुक्त जिम का शुभारंभ सर्वोच्च न्यायालय के एडवोकेट संजय झँवर व टैक्स प्रैक्टिनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सीए विक्रम गुप्ते व सीए इंस्टिट्यूट के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सीए मनोज फडनीस ने किया। अतिथियों का स्वागत ट्रस्ट चेयरमैन रामअवतार जाजू, सचिव भरत सारडा एवं मुकेश कचोलिया ने किया। जिम में कमर्शियल ट्रेडमिल, मल्टीफंक्शनल स्पीन बाइक, अपन बॉडी व लोअर बॉडी केबल, वेट, रैक, बाल पूली, डंबल्स, बेटल रोप, इक्लाइन, डीक्लाइन बेंच प्रेस इत्यादि उपकरण लगाए गए हैं। इस अवसर पर मैनेजिंग कमेटी के ट्रस्टी बीपी ईनानी, गोपाल न्याती, किशन मूंदड़ा, प्रेमप्रकाश जाजू, गिरधरगोपाल बियाणी, आरडी असावा, बीएम भंडारी, दिनेश कासट, आरएल माहेश्वरी, केजी कोगटा, राजेंद्र सारडा सहित अनेक समाजजन मौजूद थे।

भूलने की सारी बातें याद है
इसीलिए ज़िन्दगी में विवाद है

डॉ. गांधी की पुस्तक का विमोचन

नागपुर. विदर्भ गौरव प्रतिष्ठान की ओर से शंकरनगर स्थित श्रीमंत बाबूराव धनवटे सभागृह में गत 11 जनवरी को ख्यात रेडियोलॉजिस्ट डॉ. रमेश गाँधी (एमडी, डीएमआरडी) की 'मोम के पुतले' पुस्तक का विमोचन समारोहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता यशवंतराव चह्वान प्रतिष्ठान के अध्यक्ष डॉ. गिरीश गांधी ने की। विमोचन कृष्णा इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस के कुलगुरु डॉ. वेदप्रकाश मिश्रा के कर कमलों द्वारा हुआ। मंच पर हिंदी विभाग प्रमुख डॉ. प्रमोद शर्मा, लेखक ओमप्रकाश शिव, उर्दू के लेखक डॉ. मोहम्मद असदुल्लाह एवं श्रीरतन डागा मौजूद थे। पुस्तक में हिंदी कविता, गजल, हायकू, चतुष्पदी एवं क्षणिकाओं का समावेश है। कार्यक्रम का संचालन वंदना गांधी ने किया।

निःशुल्क योग व नेत्र परीक्षण का आयोजन

बाग (धार). गत 7 जनवरी को निःशुल्क योग परीक्षण एवं रक्तदान शिविर उर्मिला झँवर (नाथी जीजी) फाउंडेशन बाग के द्वारा स्व. श्रीमती उर्मिला झँवर की स्मृति में आयोजित किया गया। शुभारंभ बड़वानी के नेत्र सर्जन डॉ. राजेंद्र मांडनिया एवं इंदौर के डॉ. कृष्णा चितलांग्या की टीम ने तथा योग प्रशिक्षक इंदौर की विनय मोदानी (झँवर परिवार की बेटी) ने दीप प्रज्वलित कर किया। इसमें 230 से अधिक मरीजों की जांच की गई। 20 मोतियाबिंद के ऑपरेशन निःशुल्क इंदौर में इंदौर आई हास्पिटल में किए गए। ट्रस्ट के दिनेश झंवर ने बताया कि शिविर की शुरुआत सुबह 8 बजे से योग के साथ हुई। रक्तदान शिविर में 70 यूनिट रक्त प्राप्त हुआ। रक्तदान में बड़वानी के डॉक्टरों की टीम ने सहयोग दिया। आभार परिवार के वरिष्ठ सदस्य एवं ट्रस्टी बालकृष्ण झँवर ने माना

फैमिली स्पोर्ट्स स्पर्धा का हुआ आयोजन

अहमदाबाद. माहेश्वरी युवा संगठन ने वीर सावरकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, मेमको, नरोदा में फैमिली स्पोर्ट्स स्पर्धा का सफल आयोजन किया। इस स्पोर्ट्स स्पर्धा का मुख्य आकर्षण था बॉक्स क्रिकेट लीग मैच। इस बॉक्स लीग में 12 टीमें थीं। फाइनल क्रिकेट स्वाग्गेर्स और माहेश्वरी फाइटर्स में हुआ। रोमांचक मुकाबले में क्रिकेट स्वाग्गेर्स ने 20 रनों से जीत दर्ज की। मैन ऑफ द सीरिज राजीव मंधुरा, सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज मयंक बागड़ी, सर्वश्रेष्ठ फील्डर स्वप्निल माहेश्वरी, सर्वश्रेष्ठ बॉलर राजीव मुंधरा रहे। इसके साथ अन्य खेल गतिविधियों जैसे कैरम, टेबल टेनिस, शतरंज, बैडमिंटन, दौड़, बोरा दौड़ के साथ और काफी मनोरंजक इवेंट्स ने पूरे दिन को एक फैमिली स्पोर्ट्स स्पर्धा का रूप दिया। इस कार्यक्रम में लगभग 450 सदस्यों ने भाग लिया।

स्नेह मिलन के साथ पुरस्कार वितरण

अहमदाबाद. जिला माहेश्वरी सभा द्वारा गत 7 जनवरी को माहेश्वरी प्रगति मंउल शाहीबाग में एक पुरस्कार वितरण समारोह व स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिला मंत्री राजेंद्र पेड़ीवाल ने बताया कि जिलाध्यक्ष श्यामलाल ईनाणी ने नेतृत्व में जिले में प्रथम बार मल्टीमीडिया, एलईडी तथा डीजे की मदद से यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम संयोजक राजेंद्र पेड़ीवाल ने बताया कि माहेश्वरियों की सही जनसंख्या व आर्थिक सर्वेक्षण के लिए सभी वर्गों से फॉर्म भरने का आह्वान किया गया। समाज गौरव से आईपी माहेश्वरी को ज्वाइंट इनकम टैक्स कमिश्नर बनने के लिए और राकेश सोमानी रिटायर्ड सेनानी को सम्मानित किया गया।

समाज के खिलाफ अपशब्द पर आक्रोश

राजसमंद. श्री महेश प्रगति संस्थान एवं श्री माहेश्वरी सेवा समिति राजसमंद के तत्वावधान में मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन देकर कपासन नगर पालिका अध्यक्ष द्वारा समाज को अपशब्द कहे जाने पर आक्रोश व्यक्त किया गया। इस अवसर पर श्री महेश प्रगति संस्थान अध्यक्ष रामगोपाल सोमानी, श्री माहेश्वरी सेवा समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेंद्र देवपुरा, शंकरलाल लड्ढा, प्रेम अजमेरा, ओमप्रकाश मंत्री, मुरलीधर तोषनीवाल, जगदीश मंडोवरा, गोपाल मंत्री, कमलेश दरगड़, सुनील लखोटिया, विनोद पोरवाल, युवाध्यक्ष प्रदीप लड्ढा, गौरव मूंदड़ा, संपत लड्ढा, दामोदर काहल्या, लक्ष्मीलाल ईनाणी, जयप्रकाश मंत्री, श्री महेश महिला प्रगति संस्थान अध्यक्ष उर्मिला तोषनीवाल, लक्ष्मी लखोटिया, राधिका लड्ढा, अरुणा सोमानी, रतन न्याती आदि मौजूद थे।

माहेश्वरी फुटबॉल लीग सीजन–2 का आयोजन

पुणे. महेश सेवा संघ युवा समिति द्वारा माहेश्वरी फुटबॉल लीग सीजन-2 का आयोजन गत 26 से 28 जनवरी तक किया गया। इस इवेंट के प्रमुख स्पांसर यशोधन एसोसिएट्स, सह स्पांसर चोखी ढाणी, मीडिया पार्टनर महेश सहकारी बैंक व लोकमत मीडिया प्रालि तथा ई मीडिया पार्टनर पुनेडियरी डॉट कॉम थे। स्पर्धा का शुभारंभ माहेश्वरी सहकारी बैंक के वाइस चेयरमैन जुगलकिशोर पुंगलिया के हाथों हुआ। विशेष अतिथि के रूप में राहुल नावंदर, जुगल राठी, अमोल माचले, शेखर मूंदड़ा, सुरेश लखोटिया आदि उपस्थित थे। इस स्पर्धा में 18 वर्ष से अधिक आयु ओपन वर्ग में 10 तथा 14 वर्ष से कम आयु बालक वर्ग में 6 टीमें शामिल हुईं। बालक वर्ग में विजेता टीम वी-9 इलीवेटर रॉकर्स को 5 हजार रुपए नकद तथा ट्रॉफी से उपविजेता टीम के साथ सम्मानित किया गया। ओपन वर्ग में गेरॅन ग्लेडिएटर को 21 हजार रुपए तथा उपविजेता टीम को 11 हजार रुपए के नकद पुरस्कार व ट्रॉफी से पुरस्कृत किया गया। इस पूरे आयोजन में 1 हजार से अधिक गणमान्यजन उपस्थित रहे। खिलाड़ियों के नाश्ता, चाय व भोजन की व्यवस्था आयोजकों द्वारा की गई।

अ.भा. दरक महासम्मेलन सम्पन्न

औरंगाबाद. अखिल भारतीय दरक महासम्मेलन स्थानीय अग्रसेन भवन में आयोजित हुआ। इसमें 500 से अधिक दरक सदस्यों ने भाग लिया। दरक परिवार के देशभर में सदस्य हैं। श्री मूसादेवी दरक परिवार की कुलदेवी हैं जिनका एकमात्र मंदिर पाकिस्तान में है। भारत में श्री मूसादेवी मंदिर का निर्माण हो इस उद्देश्य से सारे दरक समाजजन सम्मेलन में एकत्र हुए थे। सभी ने कुलदेवी का मंदिर राजस्थान में बनाने का निर्णय लिया गया। इसके लिए राजस्थान के किशनगढ़ में मंदिर के लिए जगह ली गई। 25 अप्रैल को मंदिर का भूमिपूजन किए जाने का निर्णय सम्मेलन में लिया गया। इसके लिये श्री मूसामाता राष्ट्रीय चेरिटेबल ट्रस्ट की स्थापना की गई व काशीनाथ दरक का राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में सर्वानुमति से चयन किया गया। औरंगाबाद जिला माहेश्वरी समाज अध्यक्ष रमेशचंद्र दरक, सुभाष दरक, रामचंद्र दरक, शीतल दरक, दुर्गेश दरक, मनोज दरक, राजकुमार दरक, दिनेश दरक, विनय दरक, गोविंद दरक, हनुमान दरक आदि कई सदस्य उपस्थित थे।

फ्रेंड्स ग्रुप ने ली पद की शपथ

इंदौर. माहेश्वरी फ्रेंड्स ग्रुप का शपथ विधि समारोह संतोष सभागृह में आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि जगदीश मंजू बाहेती (रिटायर्ड जिला मजिस्ट्रेट) व विशेष अतिथि गोविंद नीला मूंदड़ा (उद्योगपति एवं समाजसेवी) थे। अध्यक्ष द्वारा नवनियुक्त अध्यक्ष सुरेशचंद्र सावित्री सिंगी एवं पदाधिकारियों दंपति को पद की शपथ दिलाई गई। जगदीश मंजू बाहेती ने कार्यकारिणी दंपत्ति को शपथ दिलाई। इसके पश्चात निवृर्त्तमान अध्यक्ष नारायणदास श्यामा माहेश्वरी ने अध्यक्ष की पिन सुरेशचंद्र सावित्री सिंगी को लगाकर अपना कार्यभार सौंपा। कैलाशचंद्र-गीता सोमानी ने सचिव की पिन बलराम कुसुम मंत्री को लगाकर कार्यभार सौंपा।

हमारी तेज आवाज एवं गुस्से के लिए कभी समस्या जिम्मेदार नहीं होती, इसी समस्या को कोई दूसरा दिमाग बिना आवाज़ के हल कर देता है.

जैम के माध्यम से खरीदी–बिक्री की दी जानकारी

रायपुर. गत 29 जनवरी को सीएसआईडीसी के सभाकक्ष में जैम पर आधारित कार्यशाला में सीएसआईडीसी अध्यक्ष छगनलाल मूंदड़ा शामिल हुए। कार्यशाला में मुख्य रूप से भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के एस.के. गुप्ता जैम के संबंध में जानकारी देने हेतु उपस्थित हुए। शासकीय खरीदी बिक्री जैम के माध्यम से करने के संबंध में प्रोजेक्टर के माध्यम से उपस्थित व्यापारियों व उद्योगपतियों को अवगत कराया। उपस्थित व्यापारियों द्वारा जैम के माध्यम से खरीदी बिक्री में हो रही कठिनाइयों के संबंध में जानकारी दी गई जिसका समाधान भी किया गया।

फिटनेस कार्यशाला का हुआ आयोजन

चंद्रपुर. स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा महिलाओं के लिए जुंबा वर्कशॉप का आयोजन 15 से 25 दिसंबर तक आकाश सर के मार्गदर्शन में किया गया। अध्यक्ष निर्मला जाजू के नेतृत्व में शीला राठी, दीपा जाजू, आरती चांडक, कविता लोहिया, किरण चांडक, पायल सारडा, हर्षा तोषनीवाल, मोनिका सोमानी, श्यामल जाजू, स्वाति माहेश्वरी सहित समस्त सदस्याओं का सहयोग रहा।

गणतंत्र दिवस का किया आयोजन

खरगोन. जिला शृंगार मंडल द्वारा 26 जनवरी के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें मंडल अध्यक्ष राजेश रावत ने अतिथियों का सम्मान किया गया। इस दौरान जिलाध्यक्ष स्मिता बियानी, मारवाड़ी समाज की पूर्व अधयक्ष जानकी खटौड़, अध्यक्ष कौशल्या अग्रवाल आदि का सम्मान किया गया।

धनुर्मास महोत्सव धूमधाम से संपन्न

पुणे. संस्था श्री माहेश्वरी बालाजी मंदिर में प्रतिवर्षानुसार श्री धनुर्मास महोत्सव 16 दिसंबर से 14 जनवरी तक धूमधाम से मनाया गया। इसमें 11 जनवरी को श्री गोदाम्बाजी तथा श्री बालाजी भगवान का विवाह संपन्न हुआ। इस दिन भगवान की उत्सव मूर्ति पालकी में रखकर प्रदक्षिणा की गई। मंदिर में भव्य मंडप पुष्पों व लाइटों से सजाया गया। समाप्ति के दिन 351 भक्तों ने प्रसाद का यजमान पद लिया। संस्था के सहसचिव अशोक जाजू ने सभी का आभार माना। संस्था अध्यक्ष सुरेश नावंदर, विश्वस्त मंडल, युवा संगठन तथा संस्था सभापद कैलाश मूंदड़ा, प्रदीप सारडा, केसरमल राठी, विजय जाजू आदि का सहयोग रहा।

वृद्धाश्रम में बाँटी खुशियाँ

खरगोन. माहेश्वरी महिला मंडल सदस्याओं द्वारा महेश्वर वृद्धाश्रम में वृद्धों के साथ एक दिन बिताया व भजन गाए गये। महिलाओं ने भजन गाये नृत्य किये, तो पुरुषों ने ढोलक व ताल बजाये। कपड़े, साड़ी, पेटीकोट, शर्ट, रबड़ी, कचोरी, पिंडखजूर, गजक आदि बांटी। जिलाध्यक्ष स्मिता बियानी, जानकी खटौड़, उमा सोमानी, पूर्णिमा, राधा आदि मौजूद थीं।

मकर संक्रांति पर सेवा

खंडवा. स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा अध्यक्ष रचना राठी के नेतृत्व में मकर संक्रांति के उपलक्ष में रामकृष्ण सेवा ट्रस्ट में बेसहारा गरीबों को भोजन करवाया गया। इस अवसर पर माहेश्वरी भवन में हल्दी-कुमकुम का आयोजन किया गया व तिल के गहनों की स्पर्धा रखी गई। सभी को स्वल्पाहार कराया गया।

तरक्कियों की दौड़ में उसी का जोर चल गया,
बना के रास्ता अपना जो भीड़ से निकल गया।

माधुरी थाइलैंड में सम्मानित

अमरावती. रांगोली कलाकार माधुरी-सतीश सुदा पूरे महाराष्ट्र में उत्तम गुणवत्ता का ख्याल रखते हुए निष्ठा के साथ सेवा कार्य करती हैं। उनके इस योगदान को लेकर इंटनेशनल प्राइड ऑफ इंडिया 2018 पुरस्कार से एशिया खंड के 11 एकत्रीकरण में थाइलैंड में आयोजित अंतरराष्ट्रीय अभ्यास परिषद में उन्हें सम्मानित किया गया। श्रीमती सुदा (भट्टड़) जगदीश सुदा तथा इंद्रकांता सुदा की पुत्रवधू हैं।

पूजा झंवर बनी सीए-सीएस

कोलकाता. समाज सदस्य शिवनारायण झंवर एवं सुमितादेवी झंवर (मूल निवासी नापासर जिला बीकानेर) की सुपुत्री तथा किसनलाल झंवर व गीतादेवी झंवर की सुपौत्री पूजा ने उत्कृष्ट प्रतिभा का परिचय देते हुए सीए एवं सीएस की फाइनल परीक्षा में सफलता प्राप्त की है।

अर्जुन को सीए में 24वीं रैंक

जोधपुर. द इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंट (आईसीएआई) की ओर से आयोजित सीए फाइनल की परीक्षा में जोधपुर के अर्जुन शाह ने पूरे भारत से 24वीं रैंक प्राप्त कर माहेश्वरी समाज को गौरवान्वित किया है। अर्जुन के पिता शिवप्रकाश शाह इंश्योरेंस एजेंट और मां विजयलक्ष्मी गृहिणी हैं।

काव्य को स्वर्ण पदक

अहमदाबाद. श्री डुंगरगढ़ व अहमदाबाद निवासी गीतादेवी-स्व. श्री शोभाचंद्र झंवर की सुपौत्री तथा श्रीमती रेखादेवी-मनोजकुमार झंवर की सुपुत्री काव्या झंवर ने गुजरात लॉ विवि की बीएलएलबी की प्रथम वर्ष की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पूरे गुजरात में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। विवि द्वारा अहमदाबाद में आयोजित सम्मान समारोह में भारत के राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने काव्या को स्वर्ण पदक देकर सम्मानित किया।

वैभव बने सीए-सीएस

भीलवाड़ा. स्व. श्री चांदमल झंवर व श्रीमती रुक्मणदेवी झंवर के सुपौत्र सीए अशोककुमार झंवर तथा मंजू झंवर के सुपुत्र वैभव ने सीए फाइनल की परीक्षा में भीलवाड़ा जिले में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वैभव ने अगस्त 2017 में सीएस फाइनल की परीक्षा में भी भीलवाड़ा जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया था। वैभव की बहन वैशाली भी सीए हैं।

अक्षिता का हुआ सम्मान

भीलवाड़ा. गणतंत्र दिवस के अवसर पर पूर्व सरपंच व मध्य राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के उपाध्यक्ष राधामोहन सारड़ा-कौशल्या देवी की पौत्री एवं विजयलक्ष्मी व दिनेश सारड़ा की सुपुत्री अक्षिता को उपखंड अधिकारी द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित फुटबॉल स्पर्धा के लिए सम्मानित किया गया।

सूची बनी सीए

कोलकाता. सुशीलकुमार झंवर एवं हीरादेवी झंवर (मूल निवासी नापासर जिला बीकानेर) की सुपुत्री तथा मगनीराम झंवर व नानूदेवी झंवर की सुपौत्री सूची ने सीए फाइनल की परीक्षा में सफलता प्राप्त की है।

स्वाति बनी सीए व सीएस

कोलकाता. समाज सदस्य शिवरतन झंवर एवं श्रीमती हीरादेवी झंवर (मूल निवासी नापासर जिला बीकानेर) की सुपुत्री तथा माणकलाल झंवर एवं सूरजीदेवी झंवर की सुपौत्री स्वाति ने अपनी उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रतिभा का परिचय देते हुए सीए एवं सीएस की फाइनल परीक्षा में सफलता प्राप्त की है।

लड़के-लड़कियों के रिश्ते ढूँढना हुआ बेहद आसान
हमारी वेबसाइट है
इसका सही समाधान

High Status,
Middle Status,
NRI, Manglik, Non Manglik,
Biodata MBA, MCA, Doctor,
Engg. Biodata, CA, CS,
ICWA Biodata

Graduate,
Post Graduate Biodata
Professional Biodata
Businessman Biodata
Service Class Biodata

माहेश्वरी समाज के लिए
60 हजार से अधिक

जैन समाज के लिए
70 हजार से अधिक

अग्रवाल समाज के लिए
1 लाख से अधिक

Website
www.maheshwari.org
www.jain2jain.org
www.agrawal2agrawal.org

Registration Free

Registration Free

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें-

39/1, Old Rajendra Nagar, New Delhi-110060
Phones :011-25746867, M. : 093129 46867

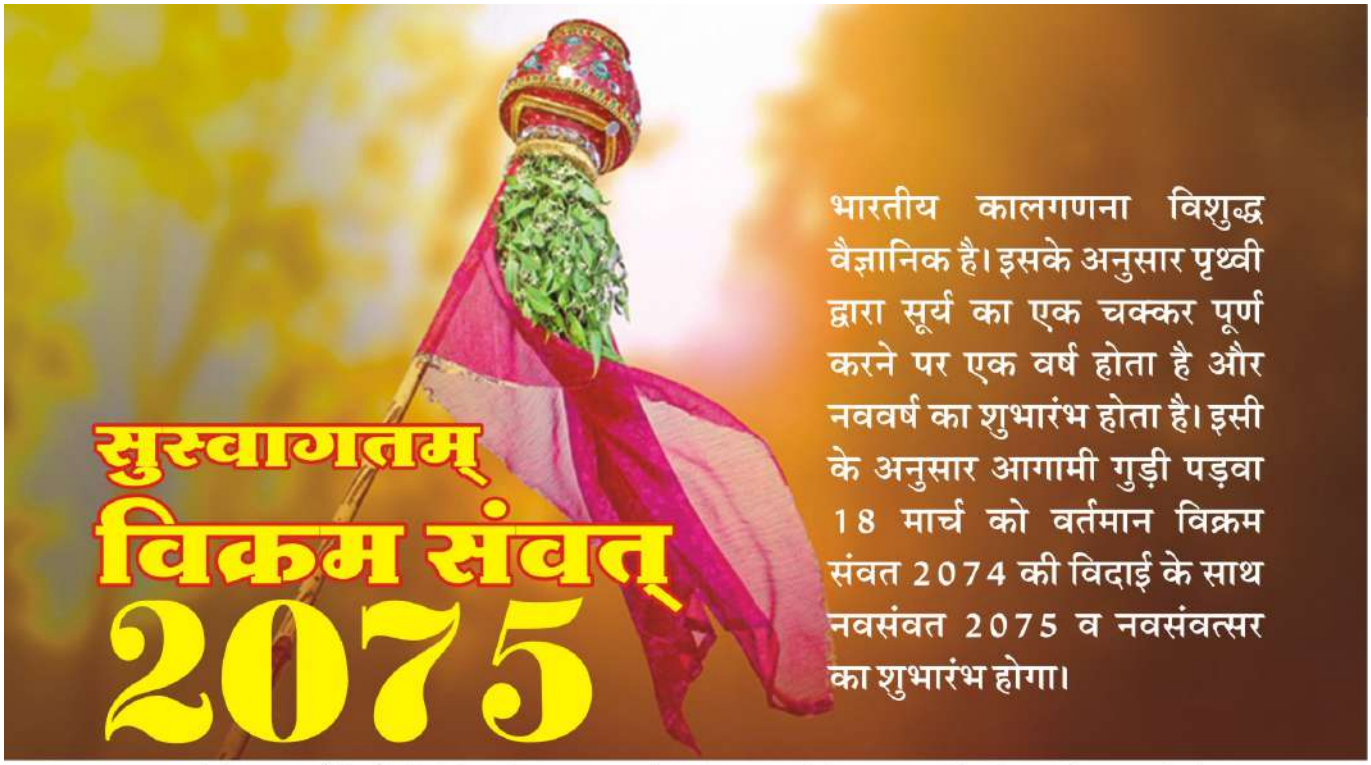

पाश्चात्य देशों का अपना कैलेंडर है, जो ईसवी सन् के अनुसार चलता है। इसी तरह चीन व अरब के भी अपने-अपने कैलेंडर हैं, लेकिन हकीकत यह है कि संपूर्ण विश्व को कालगणना के रूप में पंचांङ्ग या कहें कैलेंडर की सौगात तो हमारे देश ने ही दी है। वैसे तो भारत में कालगणना पद्धति वैदिक काल में भी रही है, लेकिन वर्तमान में प्रचलित भारतीय कैलेंडर सिर्फ विक्रम संवत ही है। इस मामले में भी हमें गर्व होना चाहिए कि विक्रम संवत के रूप में पूर्ण वैज्ञानिक कालगणना पद्धति की सौगात भारत ने ही संपूर्ण विश्व को दी थी। इसी से उन्हें कालगणना के सूत्र मिले और फिर उन्होंने अपने कैलेंडर तैयार किये। हमारे कैलेंडर के आधार पर तैयार होने के बावजूद विक्रम संवत के सिवा कोई भी गणना पद्धति पूर्णतः वैज्ञानिक नहीं है। फिर भी दुखद स्थिति है कि वर्षों तक अंग्रेजों की गुलामी में रहने के कारण हमने स्वयं ही अपने कैलेंडर से दूरी बनाकर पाश्चात्य कैलेंडर ईसवी सन् को स्वीकार कर लिया है।

कैसे हुई थी विक्रम संवत की शुरुआत

विक्रम संवत से पूर्व 6676 ईसवी पूर्व से शुरू हुए प्राचीन सप्तर्षि संवत को हिंदुओं का सबसे प्राचीन संवत माना जाता है। इसकी विधिवत शुरुआत 3076 ईसवी पूर्व हुई मानी जाती है। सप्तर्षि के बाद नंबर आता है कृष्ण के जन्म की तिथि से शुरू कृष्ण कैलेंडर का और फिर कलियुग संवत का। कलियुग के प्रारंभ के साथ कलियुग संवत की 3102 ईसवी पूर्व में शुरुआत हुई थी। विक्रम संवत को नव संवत्सर भी कहते हैं। संवत्सर के पांच प्रकार हैं, सौर, चंद्र, नक्षत्र, सावन और अधिमास। विक्रम संवत में सभी का समावेश है। इस विक्रम संवत की शुरुआत 57 ईसवी पूर्व में हुई। इसको शुरू करने वाले सम्राट विक्रमादित्य थे इसीलिए उनके नाम पर ही इस संवत का नाम विक्रम संवत है। इसके बाद 78 ईसवी में शक संवत का आरंभ हुआ।

पृथ्वी के भ्रमण पर इसका आधार

जैसे ईसा (अंग्रेजी), चीन या अरब का कैलेंडर है। उसी तरह राजा विक्रमादित्य के काल में भारतीय वैज्ञानिकों ने इन सबसे पहले ही भारतीय कैलेंडर विकसित किया था। इसकी शुरुआत हिंदू पंचांग के अनुसार चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से मानी जाती है। मार्च माह से ही दुनियाभर में पुराने कामकाज को समेटकर नए कामकाज की रूपरेखा तय की जाती है। इस धारणा का प्रचलन विश्व के प्रत्येक देश में आज भी जारी है। कारण यह है कि 21 मार्च को पृथ्वी सूर्य का एक चक्कर पूरा कर लेती है। उस वक्त दिन और रात बराबर होते हैं। 12 माह का एक वर्ष और 7 दिन का एक सप्ताह रखने का प्रचलन विक्रम संवत से ही शुरू हुआ। महीने का हिसाब सूर्य व चंद्रमा की गति पर रखा जाता है। विक्रम कैलेंडर की इस धारणा को यूनानियों के माध्यम से अरब और अंग्रेजों ने अपनाया। बाद में भारत के अन्य प्रांतों ने अपने-अपने कैलेंडर इसी के आधार पर विकसित किए।

क्या है संवत व संवत्सर

वास्तव में संवत्सर संवत का ही पर्यायवाची माना जा रहा है क्योकि दोनो लगभग साथ चलते है। इसमें कालगणना पृथ्वी के गुरु के भ्रमण पर आधारित। संवत्सर सौर वर्षानुसार है। सूर्य के 12 राशियों में पूर्ण भ्रमण पर एक सौर वर्ष पूर्ण होता है। मेष, वृषभ, मिथुन, कर्क आदि सौरवर्ष के माह हैं। यह 365 दिनों का है। इसमें वर्ष का प्रारंभ सूर्य के मेष राशि में प्रवेश से माना जाता है। फिर जब मेष राशि का पृथ्वी के आकाश में भ्रमण चक्र चलता है तब चंद्रमास के चैत्र माह की शुरुआत भी हो जाती है। सूर्य का भ्रमण इस वक्त किसी अन्य राशि में हो सकता है। विक्रम संवत चंद्र पर आधारित है। चैत्र, वैशाख, ज्येष्ठ आदि चंद्रवर्ष के माह हैं। चंद्र वर्ष 354 दिनों का होता है, जो चैत्र माह से शुरू होता है। चंद्र वर्ष में चंद्र की कलाओं में वृद्धि हो तो यह 13 माह का होता है। जब चंद्रमा चित्रा नक्षत्र में होकर शुक्ल प्रतिपदा के दिन से बढ़ना शुरू करता है तभी से हिंदू नववर्ष की शुरुआत मानी गई है। सौर मास 365 दिन का और चंद्र मास 355 दिन का होने से प्रतिवर्ष 10 दिन का अंतर आ जाता है। इन बढ़े हुए दिनों को मलमास या अधिमास कहते हैं। इनके द्वारा 365 दिन को एक वर्ष पूर्ण किया जाता है। इस भारतीय पद्धति की विशेषता यही है कि इसमें कालगणना के पाँचों प्रकार का उपयोग हो जाता है।

कैसे होता है संवत्सरों का नामकरण

संवत्सरों की कुल संख्या 60 हैं। प्रत्येक संवत्सर का एक नाम है। ज्योतिष शास्त्रियों के अनुसार इसी दिन से चैत्री पंचाङ्ग का आरंभ होता है। ज्योतिष विद्या में ग्रह, ऋतु, मास, तिथि एवं पक्ष आदि की गणना भी चैत्र प्रतिपदा से ही की जाती है। जिस प्रकार अंग्रेजी कैलेंडर में हर वर्ष को एक संख्या द्वारा लक्षित किया जाता है, उसी प्रकार हिंदू कैलेंडर में हर नवीन संवत्सर को एक विशेष नाम से जाना जाता है, जो 60 वर्ष के चक्र में बदलता रहता है। नवसंवत की शुरुआत इस बार आगामी 18 मार्च प्रातः 6.35 बजे होगी। भारतीय परंपरानुसार वैसे भी रात्रि में कभी-भी नववर्ष का स्वागत नहीं किया जाता। अतः सूर्योदय के साथ ही नववर्ष का स्वागत किया जाएगा।

BiZ CON 2018
HOSTED BY MSF, SURAT — INITIATIVE BY MIG, PUNE
Connect → Create → Collaborate

आभार

सूरत में सम्पन्न
व्यावसायिक सेमीनार
की आशातीत सफलता के लिये
हम आभारी हैं
अपने समस्त सहयोगियों–प्रायजको
तथा इस आयोजन में
युवाओं को मार्गदर्शन देने वाले
समस्त मार्गदर्शकों के
जिनके सहयोग ने
इसे पहुँचाया सफलता के शिखर पर

MIG, Pune
maheshwari STARTERS' FOUNDATION
MSF, Surat

इसी उम्मीद के साथ
2019 में फिर मिलेंगे
जोधपुर में आयोजित होने वाले
बिजकॉन-2019 में

सुरेश लखोटिया
बिजकॉन–फाउंडर चेयरमेन
98230-90411

श्याम राठी
बिजकॉन–चेयरमेन
96878-50000

नवल राठी
को–चेयरमेन
98251-18941

मनीष जाजू
चीफ–कोआर्डिनेटर
93747-13145

नवविक्रम संवत का शुभारंभ होने वाला है। आप भी उत्साहपूर्वक इसके स्वागत के लिए तैयार होंगे। तो तैयार हो जाईये चैत्र प्रतिपदा को पर्व के रूप में मनाने के लिए।

ऐसे करें नव विक्रम संवत का स्वागत

विक्रम संवत की शुरुआत 57 ईसवी पूर्व में हुई थी। सम्राट विक्रमादित्य द्वारा शकों पर विजय प्राप्त करने की स्मृति में इस दिन आनंदोत्सव मनाया जाता था। सम्राट विक्रमादित्य ने इस संवत्सर की शुरुवात की थी, इसीलिए उनके नाम से ही इस संवत का नामकरण हुआ है। इस नववर्ष के स्वागत उत्सव को भारत के विभिन्न प्रांतों में अलग-अलग नामों से मनाया जाता है-जैसे कि महाराष्ट्र में 'गुड़ी पड़वा', जम्मू-कश्मीर में 'नवरेह', सिंधियों में 'चेटीचंद', केरल में 'विशु', असम में 'रोंगली बिहू', आंध्र, तेलंगाना तथा कर्नाटक में 'उगादी' और मणिपुर में 'साजिबू नोंग्मा पन्बा चैराओबा'। वर्तमान में उत्तर भारत में भी गुड़ी पड़वा पर्व मनाया जा रहा है।

सृष्टि का शुभारंभ पर्व भी

चैत्र मास की शुक्ल प्रतिपदा को ही गुड़ी पड़वा कहते हैं। इस दिन से हिंदू नववर्ष का आरंभ होता है। इस बार यह पर्व 8 मार्च 2018 को है। गुड़ी का अर्थ है विजय पताका। कहा जाता है कि इसी दिन ब्रह्माजी ने सृष्टि का निर्माण किया था। इसी दिन से नया संवत्सर भी शुरू होता है। अतः इस तिथि को 'नवसंवत्सर' भी कहते हैं। इसी दिन से चैत्र नवरात्रि का आरंभ भी होता है। चैत्र ही एक ऐसा महीना है, जिसमें वृक्ष तथा लताएं फलते-फूलते हैं। शुक्ल प्रतिपदा का दिन चंद्रमा की कला का प्रथम दिवस माना जाता है। जीवन की मुख्य आधार वनस्पतियों को सोमरस चंद्रमा ही प्रदान करता है। अतः इसे औषधियों व वनस्पतियों का राजा भी कहा गया है और इसीलिए इस दिन को वर्षारंभ माना जाता है।

कैसे करें नववर्ष का स्वागत

गुड़ी पड़वा को हिंदू नववर्ष की शुरुआत माना जाता है, यही कारण है कि हिंदू धर्म के सभी लोग इसे अलग-अलग तरह से पर्व के रूप में मनाते हैं। सामान्य तौर पर इस दिन हिंदू परिवारों में गुड़ी का पूजन कर इसे घर के द्वार पर लगाया जाता है और घर के दरवाजों पर आम के पत्तों से बना बंदनवार सजाया जाता है। ऐसा माना जाता है कि यह बंदनवार घर में सुख-समृद्धि और खुशियां लाता है। गुड़ी पड़वा के दिन खास तौर से हिंदू परिवारों में पूरनपोली नामक मीठा व्यंजन बनाने की परंपरा है, जिसे घी और शक्कर के साथ खाया जाता है। मराठी परिवारों में इस दिन खास तौर से श्रीखंड बनाया जाता है और अन्य व्यंजनों व पूरी के साथ परोसा जाता है। आंध्र में इस दिन प्रत्येक घर में पच्चड़ी प्रसाद बनाकर बांटा जाता है। गुड़ी पड़वा के दिन नीम की पत्तियां खाने का भी विधान है। इस दिन सुबह जल्दी उठकर नीम की कोपलें खाकर गुड़ खाया जाता है। इसे कड़वाहट को मिठास में बदलने का प्रतीक माना जाता है।

सुखद भविष्य की करें कामना

संवत्सर-चक्र के अनुसार सूर्य इस ऋतु में अपने राशि-चक्र की प्रथम राशि मेष में प्रवेश करता है। इस समय के दौरान जलवायु और सौर प्रभावों का एक महत्वपूर्ण संगम होता है। चैत्र नवरात्रि के दौरान उपवास करके शरीर को आगामी ग्रीष्म ऋतु के लिए तैयार किया जाता है। इस समय हमारे शरीर में नए रक्त का निर्माण और संचार होता है। नवसंवत्सर के दिन नीम की कोमल पत्तियों और ऋतु काल के पुष्पों का मिश्रण बनाकर उसमें काली मिर्च, नमक, हींग, मिश्री, जीरा और अजवाइन मिलाकर खाने से रक्त विकार, चर्मरोग आदि शारीरिक व्याधियां होने की आशंका नहीं रहती हैं तथा वर्षभर हम स्वस्थ और रोग मुक्त रह सकते हैं। नया संवत्सर प्रारंभ होने पर भगवान की पूजा करके प्रार्थना करनी चाहिए। ''हे भगवान! आपकी कृपा से मेरा वर्ष कल्याणमय हो, सभी विघ्न बाधाएं नष्ट हों''। दुर्गाजी की पूजा के साथ नूतन संवत की पूजा करें। घर को वंदनवार से सजाकर पूजा का मंगल कार्य करें। कलश स्थापना और नए मिट्टी के बरतन में जौ बोएं और अपने घर में पूजा स्थल में रखें।

क्या है गुड़ी पड़वा का महत्व

▶▶ गुड़ी पड़वा का पर्व चैत्र मास की शुक्ल प्रतिपदा को मनाया जाता है। इसे वर्ष प्रतिपदा या उगादि भी कहा जाता है। ऐसा माना जाता है कि गुड़ी पड़वा यानि वर्ष प्रतिपदा के दिन ही ब्रह्माजी ने संसार का निर्माण किया था। इसलिए इस दिन को नवसंवत्सर यानि नए साल के रूप में मनाया जाता है।

▶▶ हिंदू पंचांङ्ग का आरंभ भी गुड़ी पड़वा से ही होता है। कहा जाता है कि महान गणितज्ञ-भास्कराचार्य द्वारा इसी दिन से सूर्योदय से सूर्यास्त तक दिन, मास और वर्ष की गणना कर पंचांङ्ग की रचना की गई थी।

▶▶ गुड़ी पड़वा शब्द में गुड़ी का अर्थ होता है विजय पताका और पड़वा प्रतिपदा को कहा जाता है। गुड़ी पड़वा को लेकर यह मान्यता है, कि इस दिन भगवान श्रीराम ने दक्षिण के लोगों को बाली के अत्याचार और शासन से मुक्त किया था, जिसकी खुशी के रूप में हर घर में गुड़ी अर्थात विजय पताका फहराई गई। आज भी यह परंपरा महाराष्ट्र और कुछ अन्य स्थानों पर प्रचलित है, जहां हर घर में गुड़ी पड़वा के दिन गुड़ी फहराई जाती है।

▶▶ इस दिन से संवत्सर का पूजन, नवरात्र घटस्थापन, ध्वजारोपण, वर्षेश का फल पाठ आदि विधि-विधान किए जाते हैं। चैत्र शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा वसंत ऋतु में आती है। इसमें संपूर्ण सृष्टि में सुंदर छटा बिखर जाती है। सूर्य, चंद्रमा की गति के अनुसार ही तिथियां भी उदय होती हैं।

▶▶ मान्यता है कि इस दिन दुर्गाजी के आदेश पर ब्रह्माजी ने सृष्टि की रचना की थी। इस दिन दुर्गा जी के मंगलसूचक घट की स्थापना की जाती है।

▶▶ कहा जाता है कि चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन भगवान विष्णु ने मत्स्य रूप में अवतार लिया था।

▶▶ सूर्य में अग्नि और तेज हैं और चंद्रमा में शीतलता, शांति और समृद्धि का प्रतीक सूर्य और चंद्रमा के आधार पर ही सायन गणना की उत्पत्ति हुई है।

▶▶ स्वास्थ्य को अच्छा रखने के लिए नीम की कोपलों के साथ मिश्री खाने का भी विधान है। इससे रक्त से संबंधित बीमारी से मुक्ति मिलती है।

▶▶ एक प्राचीन मान्यता है कि आज के दिन ही भगवान श्रीराम जानकी माता को लेकर अयोध्या लौटे थे। इस दिन पूरी अयोध्या में भगवान के स्वागत में विजय पताका के रूप में ध्वज लगाए गए थे। इसे ब्रह्म ध्वज भी कहा गया।

▶▶ एक अन्य मान्यता है श्री विष्णु ने वर्ष प्रतिपदा के दिन ही प्रथम जीव अवतार (मत्स्यावतार) लिया था।

▶▶ यह भी मान्यता है कि शालीवाहन ने शकों पर विजय आज के ही दिन प्राप्त की थी इसलिए शक संवत्सर प्रारंभ हुआ।

▶▶ मराठी भाषियों की एक मान्यता यह भी है कि मराठा साम्राज्य के अधिपति छत्रपति शिवाजी महाराज ने वर्ष प्रतिपदा के दिन ही हिंदू पदशाही का भगवा विजय ध्वज लगाकर हिंदवी साम्राज्य की नींव रखी।

श्री द्वारिकाधीश विजयते

भगवान श्रीकृष्ण की कर्मभूमि

द्वारकाधाम

में 'श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट' द्वारा संचालित
अत्याधुनिक सुविधायुक्त एकमात्र माहेश्वरी अतिथि गृह

माहेश्वरी सेवा कुंज

21, द्वारकेश पार्क सोसायटी (अम्बुजा प्लाट), नागेश्वर रोड, देवभूमि द्वारका-361335 (गुजरात),
दूरभाष- 02892-235553 / 235554, मो. 097271-22111
E-mail : maheshwarisewakunj@gmail.com

आप अपना आरक्षण ई–मेल अथवा फोन से करवा सकते हैं

उपलब्ध सुविधायें

- ए.सी. व टी.वी. से सुसज्जित 47 डबल बैडरूम (अटैच्ड लैट, बॉथ)।
- 4 फैमिली ए.सी. हॉल (6 व्यक्तियों की क्षमता वाले)।
- अत्याधुनिक किचन के साथ वातानुकुलित भोजनशाला।
- बाई–फाई सुविधा से युक्त पूरा भवन
- विभिन्न मंजिलों पर जाने के लिये दो लिफ्ट की सुविधा।
- स्वच्छ आर ओ पेयजल की सुविधा
- भव्य एयरकंडीशन सत्संग हॉल।
- कार पार्किंग की सुरक्षित व्यवस्था।

श्यामसुंदर कासट (अध्यक्ष)
मो.- 098315-55555

रामस्वरूप जैथलिया (महामंत्री)
मो.- 096490-79999

विनोद कुमार बांगड (कोषाध्यक्ष)
मो. 094142-12835

सेवा के 10 की ओर

श्री माहेश्वरी मेलापक

श्री माहेश्वरी टाईम्स द्वारा प्रकाशित वैवाहिक डायरेक्ट्री श्री माहेश्वरी मेलापक अपने 9 अंकों से हजारों सफल रिश्तों को जोड़ने का कीर्तिमान स्थापित कर चुकी है। अब यह अपने नवीन अंक ''श्री माहेश्वरी मेलापक-10'' के साथ फिर आएगी लेकर श्रेष्ठ रिश्तों की सौगात।

आपकी प्रिय मासिक पत्रिका श्री माहेश्वरी टाईम्स माहेश्वरी समाज को अपनी संस्कृति के साथ एकजुट रखने में सेतु की तरह कार्य कर रही है। वर्तमान दौर की प्रतिस्पर्धा के कारण समाज में विवाह योग्य संतान के लिए योग्य जीवनसाथी तलाशना एक चुनौती बन चुका है। इसी स्थिति पर श्री माहेश्वरी टाईम्स प्रबंधन ने भी विचार किया और लगभग 8 वर्ष पूर्व माहेश्वरी समाज के विवाह योग्य युवक-युवतियों के लिए वैवाहिक डारेक्ट्री श्री माहेश्वरी मेलापक की शुरुआत की। इसमें देशभर ही नहीं बल्कि विश्व के विभिन्न देशों में निवास कर रहे माहेश्वरी परिवारों के विवाह योग्य युवक-युवतियों के बायोडाटा भी समाहित होते हैं। अभी तक इसके 9 अंकों का प्रकाशन सफलतापूर्वक हो चुका है और अब 10वां अंक प्रकाशित होगा। अतः वर्ष 2018 की 'श्री माहेश्वरी मेलापक 10' के लिए समाज के विवाह योग्य युवक-युवतियों से बायोडाटा आमंत्रित हैं।

श्रेष्ठ रिश्तों की सौगात

जीवन की बगिया तब खुशियों से सराबोर हो जाती है, जब जीवन साथी मनचाहा हो। इसी को ध्यान में रखते हुए किया जाता है, श्री माहेश्वरी मेलापक को तैयार। इसमें सभी बायोडाटा को तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाता है, मांगलिक, सामान्य व प्रोफेशनल। प्रोफेशनल वर्ग में डॉक्टर, इंजीनियर, एमबीए, सीए, एडवोकेट, आर्किटेक्ट आदि के बायोडाटा को शामिल किया जाता है। विशिष्ट वर्ग में तलाकशुदा, विधवा-विदुर, निःशक्त व 35 वर्ष से अधिक आयु वाले प्रत्याशियों को शामिल किया जाता है। तलाश की सुविधा के लिए इन सभी वर्गों के बायोडाटा के पृष्ठों के रंग भी भिन्न रखे गए हैं, जिससे आप जिस वर्ग में तलाश करना चाहते हैं, सीधे उसी वर्ग के पृष्ठों पर जा सकते हैं। बायोडाटा में संबंधित की अन्य जानकारी के साथ जन्म दिनांक, जन्म समय भी प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे आप कुंडली मिलान भी कर सकते हैं।

कैसे करवाएँ पंजीयन

यदि आप भी चाहते हैं कि आपके विवाह योग्य पुत्र-पुत्री के लिए घर चलकर आए श्रेष्ठ रिश्ता तो उनके बायोडाटा का प्रकाशित होने वाली डायरेक्ट्री 'श्री माहेश्वरी मेलापव-10' में प्रकाशन के लिए पंजीयन करवा सकते हैं। इसके लिए निर्धारित पंजीयन शुल्क 750 रुपए मात्र है। इस शुल्क में डायरेक्ट्री का मूल्य भी समाहित होगा। प्रकाशित होने पर डायरेक्ट्री बायोडाटा में दिए गए आपके पते पर भेज दी जाऐगी। बायोडाटा फोटो व विस्तृत जानकारी के साथ होना अनिवार्य है। पंजीयन शुल्क **भारतीय स्टेट बैंक** के **'श्री माहेश्वरी मेलापक' के खाता क्रमांक 31725815057** में नकद/चेक जमा कर उसकी जमापर्ची की छाया प्रति (फोटो कॉपी) अपने पते के साथ प्रेषित या मेल कर कार्यालय को सूचित अवश्य करें।

संपर्क- 90 विद्यानगर, उज्जैन (मप्र)
फोन- 0734-2526561, 2526761
मो. 094250-91161
E-mail : srimaheshwarimelapak@gmail.com

विश्वसनीयता का पूर्ण प्रयास

श्री माहेश्वरी मेलापक को तैयार करने में एक वृहद टीम कार्य करती है। इसके लिए इस टीम द्वारा अथक परिश्रम से संबंधित की पूर्ण जानकारी प्राप्त कर बायोडाटा का प्रकाशन किया जाता है। यही कारण है कि श्री माहेश्वरी मेलापक विश्वास का दूसरा नाम बनी हुई है। इसके गत 9 अंकों की सफलता की यात्रा के पीछे भी यही विश्वसनीयता है। फिर भी पाठकों से अनुरोध है कि कोई भी रिश्ता तय करते समय अपने स्तर पर पूर्ण जानकारी प्राप्त करके ही रिश्ता तय करें। नई पीढ़ी के अनुरूप इसे आकर्षक बहुरंगी कलेवर में प्रकाशित किया जाता है, जिसके लिए उत्कृष्ट डिजाइनरों की सेवा ली जाती है।

कितने उचित—अनुचित हैं अन्तर्जातीय विवाह

हिंदू सभ्यता और संस्कृति में विवाह भी जीवन का एक संस्कार है। पूरे सामाजिक रीति-रिवाजों-मर्यादाओं में रहकर समाज-परिवार की स्वीकृति से लड़का-लड़की का गठबंधन में बंधना मर्यादित विवाह की श्रेणी में आता है। वर्तमान में आधुनिकता की होड़, पाश्चात्य संस्कृति की ओर रुझान और खुले वातावरण के प्रभाव के कारण बच्चे विवाह सिर्फ स्वयं की इच्छा और पसंद से करने लगे हैं। अब लड़का-लड़की समाज-परिवार की सहमति को जरूरी नहीं समझते हैं। चूँकि हिंदू समाज ऐसे विवाह की अनुमति नहीं देता है पर परिवार को अपने बच्चों की खुशी के लिए ऐसे विवाह मजबूरीवश स्वीकार करने ही पड़ते हैं। सजातीय विवाह की तुलना में अंतर्जातीय विवाह के विच्छेद होने के मामले भी अधिक होते हैं। अन्तर्जातीय विवाह धर्म-भाषा-जाति आदि को परे रखकर होते हैं। ऐसे विवाह पाश्चात्य संस्कृति की देन है और पाश्चात्य देशों की तरह ही भारत में भी इनकी उम्र कम ही होती है। विरले ही कुछेक अन्तर्जातीय विवाह होते हैं जो आजीवन निभ पाते हैं। हमारे माहेश्वरी समाज में भी आजकल अन्तर्जातीय विवाह बहुत होने लगे हैं। जिस अनुपात में हमारे समाज की लड़कियां दूसरे समाज में विवाह करके जा रही हैं, उसी अनुपात में दूसरे समाज की लड़कियां माहेश्वरी समाज में बहू के रूप में नहीं आ रही हैं। इससे माहेश्वरी समाज की जनसंख्या भी प्रभावित हो रही है। इतना ही नहीं लड़की को विवाह के पश्चात अपना नाम और धर्म भी परिवर्तित करना पड़ता है। लड़कियों को विवाह पश्चात अपने दाम्पत्य जीवन को बनाये रखने के लिए अपने स्वाभिमान को ताक पर रखकर नए परिवार के ताने जीवन भर सुनने भी पड़ सकते हैं। विवाह को यदि परिवार स्वीकार न करे तो लड़के/लड़की को आजीवन जन्मदाता और खून के रिश्तों से कट कर रहना पड़ता है। दोनों परिवारों को सामाजिक बहिष्कार का सामना भी करना पड़ता है।

लड़का-लड़की एक-दूसरे को प्रभावित करने के लिए असंख्य झूठ बोलते हैं। इस झूठ के ऊपर वो अपने विवाह की इमारत भी बनाते हैं जो विवाहोपरांत झूठ खुलने के साथ धराशायी होने लगती है। बचपन से ही लड़के-लड़की का एक ही स्कूल में पढ़ना आधुनिकीकरण का ही एक हिस्सा है। साथ पढ़ने और बढ़ने से दोस्ती और उम्र भी एक-दूसरे के प्रति आकर्षण को जन्म देती है। इस आकर्षण को प्रेम का नाम देकर सपनों की दुनिया को विवाह का रूप दिया जाता है। पर जब असली जिंदगी और दुनियादारी से सामना होता है, तो सपनों की दुनिया बिखरने लगती है।

उच्च शिक्षा के लिए बच्चों का घर से दूर बड़े शहर में अकेले या होस्टल में रहना, लड़का-लड़की की दोस्ती, प्रेम और अंततः प्रेम-विवाह। ऐसे किस्से बहुतायत में हमारे समाज में सामने आ रहे हैं। पर जब एक-दूजे के परिवार और सामाजिक स्तर से सामना होता है तो प्यार का खुमार उतर कर छींटाकशी में परिवर्तित हो जाता है और रिश्ते में दरार आ जाती है। चूँकि विवाह दो लोगों का ही नहीं दो परिवारों का बंधन होता है। अगर अन्तर्जातीय विवाह हो तो भी दोनों परिवारों को एक-दूसरे की संपूर्ण जानकारी होनी चाहिए। अगर दोनों परिवारों के सामाजिक और आर्थिक स्तर समान हों तो विवाह के टूटने के आसार कम हो जाते हैं। हाँ एक लाभ जरूर दृष्टिगोचर हो रहा है, वह यह कि बहुत मामलों में जब अपने समाज में किसी कारणवश (तलाकशुदा/विधुर/विधवा/बढ़ती उम्र इत्यादि) रिश्ते नहीं हो पाते हैं और दूसरे समाज में उसके लायक रिश्ता हो तो विवाह हो जाता है और उनका जीवन भी संवर जाता है। पर यह एक अपवाद भी है।

- सुमिता राजकुमार मूंधड़ा मालेगांव

जिस तरह संपूर्ण विश्व ग्लोब्लाइजेशन से एक हुआ है, उसी तरह संस्कृति भी प्रभावित हुई है। इसमें सबसे अधिक प्रभाव परिवार व्यवस्था पर पड़ा है। मजबूत जातिगत व्यवस्था की संरचना चरमरा गई है और अन्तर्जातीय विवाहों की संख्या में तेजी से वृद्धि हो रही है। आइये जानें वर्तमान परिस्थितियों के अनुसार अन्तर्जातीय विवाह समाज के लिए कितने उचित अनुचित विषय पर समाज के प्रबुद्धजनों के विचार।

अपनी कमियों को भी समझें

हमारा भारतवर्ष सबसे पुरानी सभ्यता, संस्कारों का आध्यात्मिक देश है। अगर हम हमारे पुराने धर्म-ग्रंथ, शास्त्रों की मानें तो अन्तर्जातीय विवाह पहले भी होते थे। पहले राजा अपने राज्यों के सैन्य बल को बैलेंस करने व सत्ता व राज्य के विस्तार, सुरक्षा की जरूरत अनुसार अपने राजकुमार-राजकुमारियों का विवाह करते थे। यह एक सोचा-समझा राज्य के हित में लिया गया राजनीतिक निर्णय होता था। रावण के पिता ब्राह्मण थे व माता राक्षस कुल की थी। आज के परिपेक्ष्य में लड़का-लड़का का प्रेमवश, आकर्षणवश किया गया अंतरजातीय विवाह कई कारणों से कभी-कभी दुखदायी, दिशाहीन व अनुचित हो जाता है और उसके कई दुष्परिणाम, दोष, विसंगतियां होती हैं, परंतु आज के परिपेक्ष्य में समय, समाज, जरूरतें, परिस्थितियां बदल गईं। हमारा समाज कई जातियों, भाषाओं, धर्मों, रीत-रिवाजों में बंटा हुआ है। कहते हैं कि हर 40-60 किलोमीटर पर भाषा, रीत-रिवाज, बोलचाल बदल जाता है। पहले समाज संयुक्त परिवार में रहता था। पढ़ाई, स्कूल, कॉलेज भी घर शहर के आसपास रहते थे व शिक्षा में लड़कियों की संख्या बहुत कम होती थी। धीरे-धीरे जागृति बढ़ती गई। हमारी अर्थव्यवस्था व शिक्षा का खुलापन व ग्लोबलाइजेशन से पूरा विश्व एक हो गया। शिक्षा में लड़कियों की संख्या बढ़ने लगी। समाज में लड़के-लड़कियों का अनुपात में भी लड़कियां कम हो रही हैं। स्कुल कॉलेज में को-एजुकेशन बढ़ने लगा। उच्च शिक्षा के लिये बच्चे दूसरे शहर, विदेश जाने लगे। शिक्षा के बाद नौकरी के लिए दूसरे शहर, विदेश जाना पड़ता है। बच्चे घर से ज्यादा अपने दोस्तों के साथ बाहर रहने लगे। लड़के-लड़कियों का संपर्क बचपन से ही बढ़ने लगा। हमारे समाज की कई विकृतियां जैसे दहेज प्रथा, लड़कियों को हीन समझना आदि भी अंतरजातीय विवाहों को प्रोत्साहन देती हैं।

हम हर काम आज अगर हम बिना अंहकार, ईगो खुले दिल से एक-दूसरे परिवार की कमियों, जरूरतों की सोच-समझ, मान देते हुए पूरा सामंजस्य बिठाकर फैसला करे। यह समाज को जोड़ने का साधन बन सकता है।

शरद गोपीदास बागड़ी, नागपुर

अन्तर्जातीय विवाह अनुचित

शादी जीवन का अहम हिस्सा है। आज भी भारत में इसे जन्म-जन्मांतर के साथ के रूप में देखा जाता है। आज आधुनिक युग के चलते अपनी पसंद अनुसार शादी का चयन करने का हक युवा वर्ग अपने पास रखना चाहता है। ऐसे में उनके लिए जाति धर्म कोई मायने नहीं रखता। प्रेम विवाह तो आजकल फैशन सा हो गया है। लड़का-लड़की में से कोई भी अन्य जाति का हो यह बात मामूली और अनदेखी होने लगी है। आज युवा शक्ति को प्रेम विवाह जो अन्तर्जातीय है, इससे होने वाले नुकसान से अवगत कराना होगा। हमारा जीवन हमारे पूर्वजों का यथार्थ प्रतिरूप है। हममे पाए जाने गुणधर्म पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे स्थानांतरण होते हैं। शरीर विज्ञान अनुसार, माता-पिता से मिलने वाले गुण सूत्रों से हमें रंग, रूप, स्वभाव विरासत में मिलते हैं। यानी माता पिता की आदतें, गुण व बीमारियां हम तक पहुंचती हैं। आनुवंशिक रोग भीतर पीढ़ी में हस्तांतरित होते हैं। कुछ रोग दूषित वातावरण अलग-अलग रहन-सहन, अलग-अलग खान-पान के साथ उत्पन्न होते हैं। इससे यही निष्कर्ष निकलता है कि दो विभिन्न जातियों का रहन-सहन, खान-पान, अगली पीढ़ी में संक्रामित गुण सूत्रों के जरिए आनुवंशिक रोगों को आमंत्रित करने का जरिया साबित हो रहा है। क्या हमें रोगग्रस्त पीढ़ियां तैयार करनी हैं? दूसरी ओर महत्वपूर्ण बात की, शादियां अपने ही समाज में हो तो फायदा यह होगा कि हमारे समाज के परिवारों में बढ़ते मेल से हमारे समाज की एकजुटता अखंड और अबाधित रहेगी। - **सौ. सोनाली काला, मालेगांव**

नस्लीय व्यवस्था का ह्रास

मेरे विचार में अंतरजातीय विवाह परंपरा अगली दो पीढ़ी बाद नस्लीय विधान को तबाह कर देगी। इसके समझाने के लिये मैं आपको हमारे जीवन की महत्वपूर्ण खाद्य सामग्री दूध के बारे में गंभीरता से कुछ कहना चाहूंगा और उम्मीद भी करता हूं कि आप भी उसी गंभीरता से चिंतन करेंगे।

भारत भूमि पर गोमाता मातृ तुल्य है। किंतु हमने दूध पीने, एक रोटी या गुड़ का एक टुकड़ा या थोड़ी सी घास खिलाकर इस गो सम्मान को सीमित कर दिया। 30 वर्षों में (इतनी अवधि में गोमाता की लगभग 9 पीढ़ी निकल गई) हमारे तथाकथित पशु वैज्ञानिकों ने हमारी गोमाता का सत्यानाश कर दिया। देसी नंदी खत्म हो गए और विदेशी नंदियों के वीर्य से तैयार सीमेन (इंजेक्शन) से देसी गायों की हालत क्या हुई-यह जगजाहिर है। अब पिछले कुछ वर्षों से गोपालक नस्ल सुधार के प्रति सचेत हुए हैं। मैं स्वयं इस पुनीत कार्य से जुड़ा हुआ हूँ। प्रकृति ने क्षेत्रवार जींस की रचना की। पर हमारे चंचल मन ने उसकी अवहेलना की। परिणामस्वरूप आज की पारिवारिक व्यवस्था ही लटपटा गई। सोच और संस्कार, परिवार और समाज जैसी बातें किताबी हो गईं। आज विज्ञान भी इस बात पर गंभीर है। वर्णशंकरीय व्यवस्था के फायदे गिनाने वालों की हालत का अध्ययन कीजिए, उनकी जीवन शैली का विवेचन कीजिए।

माहेश्वरी तो महादेव का आशीर्वाद हैं। आज भी कमोवेश वही जींस हममें विद्यमान हैं। जगत हमारी कुलीनताओं की चर्चा भी करता है किंतु जिन परिवारों में मिश्रण हो गया है-उनकी ओर झाँककर हमें शंकरीय व्यवस्था के परिणाम तो घोषित करने ही चाहिए।

आइए-पुनः वैदिक और पौराणिक व्यवस्थाओं का अनुशरण करें। हम भी गोमाता की नस्ल सुधार व्यवस्था को अपनाएं। शादी-विवाह की वर्तमान स्थितियों से बाहर निकलकर सामाजिक जीवन की स्थापना करें। आज प्रोफेशनल सिस्टम में शादी (शादी ही होती तो तलाक क्यों बढ़ते!) की बाहर निकलें। यही तो अन्तर्जातीय विवाह पद्धति का विष है जो हमारे सामने राक्षस की तरह खड़ा है। विचार नहीं गहन चिंतन कीजिएगा

जुगलकिशोरजी सोमाणी, जयपुर

सर्वथा अनुचित है यह सोच

अन्तर्जातीय विवाह यानी ऐसा विवाह संबंध जो अपनी जाति से अलग किसी अन्य जाति से हो। मेरी नजर में ऐसा सर्वथा अनुचित है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। प्रत्येक जाति-समुदाय, समाज के अलग-अलग रीति-रिवाज, परंपरा, सिद्धांत हैं जिस पर कोई समाज टिका होता है। हर समाज के सिद्धांतों के आधार पर संस्कार बचपन में ही डाल दिए जाते हैं। अन्तर्जातीय विवाह होने से सारे रीति-रिवाज, परंपरा, सिद्धांत दफन हो जाते हैं। आने वाली पीढ़ी को किस प्रकार से अनुशासित व संस्कारित करें। सोचिए, अन्तर्जातीय विवाह करने वालों के बच्चे निश्चित रूप से अन्तर्जातीय विवाह ही करेंगे, क्योंकि उन्हें विरासत में और कुछ मिले या ना मिले अन्तर्जातीय विवाह की सौगात व स्वीकृति जरूर मिल जाती है। यदि जाति विशेष में काबिल लड़के-लड़कियों की कमी है जो हमारी खोज दूसरी जाति-समुदाय पर जाकर खत्म होती है। यह बहुत गंभीर व चिंतनीय विषय है। अन्तर्जातीय विवाह, समाज की जड़ों को खोखला करता जा रहा है। इस समस्या का इलाज अभी हमारे पास ही है। इसे संकीर्ण विचारधारा समझ कर खारिज करने वाले अगर एक बार भविष्य की भी सोच लें तो शायद समस्या यही थम जाए।

स्वाति मानधना, बालोतरा (राजस्थान)

समय के साथ बदलाव जरूरी

आज भी शादी से पहले लड़के वाले पूछते हैं लड़की/लड़का के ननिहाल वाले कौन हैं, कहाँ रहते हैं? अगर किसी ने कह दिया लड़का/लड़की के माँ-बाप ने प्रेम विवाह किया है, तो यह सोचकर रिश्ता तोड़ देते हैं कि माँ बाप ऐसे हैं तो औलाद कैसी होगी? उच्च शिक्षा की पढ़ाई करवाना भी हर माँ बाप परिवार का सपना होता है। सोचो जब अच्छी पढ़ाई कर के वो अच्छा बुरा सोच सकते हैं, अच्छा परिश्रम कर पैसा कमाते हैं तो अपना हमसफर भी अच्छा ही ढूंढेंगे लेकिन बच्चे अपनी पसंद से किसी अन्य जाति में प्रेम विवाह कर लें तो समाज में कई प्रकार की बातें होने लगती हैं। माता-पिता भी बच्चों के इस कदम को गलत मानने लगते हैं। यही वजह है कि आज भी शादी लायक लड़का हो या लड़की जब विवाह की बात आती है तो हर माता-पिता चाहते हैं कि उनके बच्चों के लिए अपनी ही जाति का जीवन साथी मिले। इसके लिए वह रिश्तेदारों और दोस्तों से भी योग्य लड़का और लड़की बताने की बात करते हैं, लेकिन आज वर्तमान के हर माता-पिता के लिए अपने युवा बच्चों का विवाह भी बहुत बड़ी चुनौती बन गया है। पढ़ाई या जॉब के दौरान कोई अपनी पसंद से हमसफर चुनते हैं तो पहले माँ-बाप व समाज भी उसका साथ दे। आज के इस दौर में कोई किसी को पसंद कर प्रेम विवाह करते हैं तो कोई बुरी बात नहीं। इससे उनके घरवालों को राहत मिलेगी। व्यर्थ समय नहीं जाएगा। एक बात समाज से कहना चाहूंगा, पढ़ाई, लिखाई, अच्छी जॉब, व्यापार, रहन-सहन हर जगह परिवर्तन होना चाहते है पर शादी की बात में आज भी हम परिवर्तित नहीं होते हैं। हर परिवार इस तकलीफ से जूझ रहा है पर कहासुनी नहीं छोड़ते। ये एक घर की बात नहीं है। आज उनके घर की बात है तो कल अपने घर की बात होगी। सोच सकारात्मक होनी चाहिए इसके साथ ही हर रिश्तों में सच्चाई होनी चाहिए, दिखावा नहीं। इसके साथ ही यदि अपने 'जातीय हो या अंतरजातीय' कोई भी एक दूसरे को यदि अपनाता है तो गलत बात नहीं। बदलते जमाने में कुछ न कुछ तो बदलाव होना चाहिए।

राज मालपाणी, शोरापुर, कर्नाटक

यह हमारे भटकाव का नतीजा

मुझे यह कहने में तनिक भी संकोच नहीं है आज से पचास वर्ष पूर्व का हमारा समाज अपने स्वधर्म, इतिहास व कर्तव्य के बारे में जितना जानता था आज का पढ़ा माहेश्वरी समाज दशांश भी नहीं जानता है। आज का समाज अपने स्वधर्म एवं संस्कृति के प्रति उदासीन होता जा रहा है। परिणाम आपके सामने हैं। स्वार्थ और लोलुपता के चक्कर में अनैतिक कार्यों में भी वे धंसते चले जा रहे हैं। समाज के प्रति उनका क्या दायित्व है यह भी भूलते जा रहे हैं, जिस वजह से अन्य जातियां हमसे आगे निकलती जा रही हैं और हम कर्तव्य से पीछे हटते चले जा रहे हैं। यही स्थिति आज की नवयुवतियों व बालिकाओं में भी परिलक्षित हो रही है। इन्होंने भी अपना स्वधर्म, परंपरा व कर्तव्यों का ज्ञान खो दिया है और यदि ऐसा होता रहा तो हमारी महान संस्कृति का प्रायः लोप ही हो जाएगा। पाश्चात्य संस्कृति हावी होती जा रही है और लोग उसका अनुसरण कर रहे हैं, जबकि विदेशी भी हमारी संस्कृति से प्रभावित होकर इसे अपनाने में गर्व महसूस कर रहे हैं। इसलिए प्रत्येक माता-पिता अथवा अभिभावक का यह महान दायित्व है कि बालक/बालिकाओं को न केवल शिक्षित करें बल्कि शिक्षा के साथ उनको अपने पूर्वजों का इतिहास, परम्पराओं, स्वधर्म और संस्कृति का भी सम्यक ज्ञान कराएं।

मेरा मानना है कि लड़के/लड़कियां उच्च शिक्षा अवश्य ग्रहण करें, लेकिन उन्हें यह भी जानना आवश्यक है कि वह एक माहेश्वरी कुल में जन्म लिया है जिसका समाज में सर्वोच्च स्थान है और वह एक ऐसे कुल का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, जिसका एक अलग महत्वपूर्ण स्थान है। अतः कोई भी कदम उठाने के पूर्व कुल की मर्यादा का अवश्य ही ख्याल रखें। अतएव माता-पिता अथवा अभिभावकों का भी यह विशेष कर्तव्य बनता है कि उनके बच्चे/बच्चियां कुल की मर्यादा को तिलांजलि देकर कोई सामाजिक बुराइयों, अनैतिक कृत्यों में संलग्न हो जाएं या दूसरों की देखादेखी या किसी के बहकावे में कोई अनुचित कदम न उठा पाएं। इसके लिए उन पर पूर्ण नियंत्रण/निगाह रखने की जरूरत है।

स्वाति 'सरु' जैसलमेरिया, जोधपुर

बदलते समय की मांग है यह

आधुनिक दृष्टिकोण एवं बदलते परिवेश को देखते हुए किसी भी वस्तु-विशेष के बारे में कोई भी विशेष टिप्पणी कर पाना कठिन है कि वो उचित है या अनुचित। जिस प्रकार ये एक कटु सत्य है कि 'बदलाव प्रकृति का नियम है।' उसी प्रकार वर्तमान युग में अन्तर्जातीय विवाह भी उचित है, किंतु ये सर्वसम्मत नहीं है। आधुनिकीकरण में अन्तर्जातीय विवाह एक प्रश्नमात्र है, जिसे भली प्रकार से उचित कह पाना तो कठिन है। हिंदू धर्म एवं संस्कृति की मान्यता के अनुसार प्रेम विवाह (अन्तर्जातीय विवाह) अनुचित है, जिसे हमारे पुराणों में भी कोई स्थान प्राप्त नहीं है। वर्तमान में जिस प्रकार सामाजिक ताने-बाने से वर्ण व्यवस्था बनी है, उसमें संस्कृति, सभ्यता एवं रीति-रिवाजों को लेकर इन परिस्थितियों के संदर्भ में अन्तर्जातीय विवाह के पक्षधर बन पाना मन की स्वीकृति नहीं है। किंतु समय की मांग के अनुसार अंतरजातीय विवाह को उचित ठहराया जाना ही सही है। अंततः मेरा मानना है कि वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए अन्तर्जातीय विवाह को स्वीकृति देने के अलावा हमारे पास अन्य विकल्प नहीं है।

प्रमिला कमल राठी, पूना

सही निर्णय अधिक महत्वपूर्ण

दो अलग-अलग जाति व संप्रदाय के लोगों का विवाह बंधन में बंधना अन्तर्जातीय विवाह कहलाता है। वर्तमान में शहरीकरण के कारण अन्तर्जातीय विवाह को बढ़ावा मिला है। आज जहाँ लोग जातिगत व्यवसाय के लिए बाध्य नहीं हैं तो जातिगत विवाह के लिए भी बाध्य नहीं हो सकते हैं। अन्तर्जातीय विवाह के अंतर्गत आने वाली मुश्किलों का सामाना धैर्य, संयम व सकारात्मका के साथ रिश्तों की आंकाक्षाओं व इच्छाओं को मद्देनजर करना पड़ता है। क्योंकि विवाह एक ऐसा प्यारा पारिवारिक बंधन है जिसकी नींव मजबूत होनी चाहिए। अन्तर्जातीय विवाह उचित है या अनुचित इस तथ्य की सार्थकता तो वैवाहिक व पारिवारिक परिस्थितियों पर निर्भर करती है। कभी-कभी जातीय विवाह के अभाव में तथा कभी-कभी बच्चों के व्यक्तिगत निर्णय की पूर्णता को सार्थक करने हेतु यह निर्णय लिया जाता है। पूर्ण रूप से तात्पर्य यह है कि इस विवाह से यदि व्यक्तिगत, पारिवारिक तथा सामाजिक भावनाएँ यदि आहत न हों तो इस विवाह रूपी बंधन को सहज ही स्वीकार कर लेना चाहिए अन्यथा इस तथ्य रूपी अध्याय का यहीं पर समापन कर देना चाहिए।

ममता लखाणी, नापासर (बीकानेर)

आसान नहीं है गलत कहना

आज मोहश्वरी समाज की जो स्थिति-परिस्थिति है, किसी से छिपी नहीं है। अन्तर्जातीय विवाह के पक्ष में या विपक्ष में विचार प्रकट करना एक जटिल भ्रम की स्थिति है। आज वंश को बढ़ाने के लिए जिस तरह का संघर्ष जारी है, उससे निपटने के लिए अन्तर्जातीय विवाह आवश्यक है। जिस परिवार के यहां समस्या है, वह अपने दिल पर पत्थर रखकर यह कार्य करता होगा। यह उसकी मजबूरी है। हम या तो अपनी बेटी किसी कमजोर परिवार में देने का साहस करें या उस परिवार के कदम को सराहें। अन्तर्जातीय संबंध से मेरा तात्पर्य वैश्य समाज से है। यह आज के युग में बहुत आवश्यक व समाधान की और बढ़ती हुई दीर्घकालीन सोच नजर आती है। आज एक पिता अपनी संतान के लिए व्यवसाय से भी ज्यादा विवाह के बारे में चिंतित रहता है। वह अच्छा मकान-सुख-सुविधा व कई अन्य आवश्यकताओं के लिए अनावश्यक खर्च कर्ज लेकर इसी के निमित्त करता है। जब किसी भी येन-केन प्रकरण बात नहीं बनती तो वह मजबूरन यह विवादित कदम नजर आता है जो की समाधान की ओर बढ़ता कदम है।

- प्रमोदकुमार गदिया, चित्तौड़गढ़ (राजस्थान)

विरोध नहीं समाधान पर करें चिंतन

हम माहेश्वरी हैं इस बात का हमें गर्व है। यदि किसी भी माहेश्वरी से पूछेंगे तो वे अन्तर्जातीय विवाह के विरुद्ध ही होंगे। अपना समाज ऐसा है जिसके रीति रिवाज व विवाह समारोह की प्रशंसा हर जगह की जाती है। विदेशी भी यहां का अनुकरण करने लगे हैं। फिर क्यों अपने समाज की कन्याएं व कुमार अन्तर्जातीय विवाह की ओर बढ़रहे हैं, यह विचारणीय है। पहला कारण लड़की दिखाने की पद्धति है, शो की वस्तु जैसे सभी के बीच बैठाकर इंटरव्यू लिया जाता है। फिर हां या ना का जवाब आता है जिससे उसकी मानसिकता पर परिणाम होता है। दहेज को भी दूसरा कारण कह सकते हैं। हर क्षेत्र में लड़कियां उन्नति कर रही हैं उनसे ज्यादा पढ़े लिखे व लायक लड़के मिलना मुश्किल हो गया है। सबसे बड़ी समस्या लड़कियों की बढ़ती उम्र है। सही उम्र होती है शादी विवाह की 20-21 वर्ष, पर आजकल माता पिता 25 से 26 वर्ष के बाद लड़कियों की शादी के बारे में सोचते हैं। इस उम्र में समझौता करना कठिन हो जाता है। इससे आगे की समस्याएँ उत्पन्न हो जाती हैं व विवाह टिक नहीं पाता। यदि कुछ कुरीतियाँ अपने समाज से हटाई जाएं तो इस समस्या का समाधान मिल सकता है व अपना घटना हुआ समाज बढ़ सकता है। इसके लिए प्रयत्नशील रहना है, सभी को जागरूक होना है कार्यरत होना है। बच्चों को देने हैं अच्छे संस्कार एवं अच्छी शिक्षा जिससे बढ़े अपना समाज। याद रखें अभी नहीं तो कभी नहीं।

- शोभा किशोर काबरा

सामाजिक मुश्किलों का कारण

अन्तर्जातीय विवाह अनुचित ही है, क्योंकि हमारी जो सामाजिक परंपराएं, रीति-रिवाज हैं उनको अंतरजातीय विवाह करके जो लड़की आती है वह फॉलो नहीं कर पाती। अधिकांशतः लड़कियां अपने नए परिवार और समाज में खुद को ढाल नहीं पाती हैं। ऐसे में दोनों परिवारों को सामाजिक मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।

- हेमंतकुमार तुरकिया,
माहेश्वरी युवा संगठन भीलवाड़ा

अन्तर्जातीय विवाह बिल्कुल अनुचित है

करोड़ों की की तादात में हजारों लोग यदि समर्थन करते हैं तो होने वाली जान मान की हानि के वह स्वयं जिम्मेदार होते हैं। किसी हरी सब्जी बनाने खाने वाले को, मुर्गा पकड़ा दिया जाये कि इसे काटो, बनाओ तब? या किसी शिव भक्त को बुद्ध भक्ति करने को बोल दिया जाए तब?

सिर्फ प्यार से पेट नहीं भरता, रिश्ते नहीं निभते। आजकल हर जगह तलाक की खबरें आ रही हैं क्यों? क्योंकि अन्तर्जातीय विवाह के पश्चात होने वाली हानिकारक-दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति को टालना नामुमकिन है। **- जयति जैन 'नूतन' झांसी उप्र**

माता-पिता अधिक जिम्मेदार

बहुत गंभीर विषय है। आज के परिवेश में जहाँ एकल परिवार का बोलबाला है, और यदि पति-पत्नी दोनों ही नौकरीपेशा हैं, तो बच्चों के लालन-पालन की सारी जिम्मेदारी उनके द्वारा नियुक्त दाई की हो जाती है, या बच्चों को बालगृह में छोड़ने की परंपरा हो गई है। भौतिकवादी युग में प्रधानता अर्थ की हो गई है। हम बच्चों को आदर्शों, संस्कारों में ढालने में असमर्थ होते जा रहे हैं और इसका दुष्परिणाम यह हो रहा है कि बच्चा जिसके पास रह रहा है, जिस वातावरण में पल बढ़ रहा है, उसमें संस्कार और सोच भी उसी प्रकार की होती जा रही है। वैसे तो जीवमात्र भगवान की बनाई गई अनुपम कलाकृति है, परंतु विज्ञान का आधार भी यही कहता है कि नीम के पेड़ पर आम का फल नहीं लग सकता। ठीक उसी प्रकार शुक्र संकरण से भी उत्तम संतानोत्पत्ति नहीं हो सकती। इसीलिये हमारे सनातन धर्म में गौत्र और कम से कम तीन शाखा टाल कर विवाह करने की परंपरा है। अन्तर्जातीय विवाह में रीति-रिवाज, रहन-सहन, खान-पान, सोच-विचार आदि के साथ सामंजस्य बिठाने से लेकर भावी पीढ़ी पर भी गहरा कुप्रभाव पड़ता है। अन्तर्जातीय विवाह मुख्यतया प्रेम प्रसंग की देन है। इसमें भी बच्चों का दोष उनके माता-पिता से कम ही होता है। कारण बच्चों को जो प्यार, आत्मीयता अपने माता-पिता से मिलनी चाहिये, वह नहीं मिलती और बच्चे उसी प्यार को पाने के लिए तरसते रहते हैं। अब जो उनसे मीठा बोलता है, वह उसी ओर आकर्षित होने लगते हैं। अतः अन्तर्जातीय विवाह को रोकना ही चाहिये, परंतु उसके लिये माता-पिता को अपने बच्चों के समुचित विकास का उत्तरदायित्व स्वतः ही उठाना पड़ेगा।

- महेशकुमार मारू, मालेगांव

माता-पिता की भी विवशता

हर माता-पिता अपने बच्चों का विवाह अपने ही समाज में करवाने के इच्छुक होते हैं। कोई भी मां-बाप कभी भी अन्तर्जातीय विवाह के समर्थक कदापि नहीं होते। चूंकि आजकल उच्च शिक्षा हेतु या जॉब के लिए बच्चों को दूसरे स्थान पर अकेले भेजना पड़ता है। 20-30 वर्ष की उम्र ही ऐसी होती है कि लड़का-लड़की में आपसी खिंचाव होने लगता है। इस समय उनको धर्म, समाज और संस्कार-संस्कृति की कोई भी बात याद नहीं रहती है। प्यार के आगे सबकुछ ताक पर रख दिये जाते हैं। मां-बाप को झकमार कर बच्चों के गलत फैसलों में साथ देना पड़ता है। बच्चों की इच्छापूर्ति ना की जाए तो गर्म खून कोई भी फैसला लेने को तैयार रहता है। अर्थात दोनों ही स्थितियों में माता-पिता ही मजबूर रहते हैं। हम बस इतना प्रयत्न कर सकते हैं कि जहां तक हो सके बच्चों से दोस्ताना व्यवहार रखते हुए उनकी निजी जिंदगी और दोस्तों के बारे में पूरी खबर रखें। उन्हें समाज, संस्कार और संस्कृति से जोड़े रखें। उन्हें परिवार की जिम्मेदारी सौंपें। अगर समय पर 25 वर्ष की उम्र तक विवाह हो जाये तो भी कुछ हद तक इस समस्या को सुलझा सकते हैं। माहेश्वरी समाज की दिनोंदिन घटती जनसंख्या चिंताजनक है। उसके ऊपर अंतर्जातीय विवाह करके माहेश्वरी बेटियों का दूसरे समाज में घर बसाना इसको चिंतनीय बना रहा है। **- सरोज लड्ढा**

कैसे बनाएं अखरोट को अमृत

अखरोट आम भाषा में कहा जाए तो एक ड्रायफ्रूट है, जिसका लोग स्वाद के कारण उपयोग करते हैं। बहुत कम लोग जानते हैं कि इसका सेवन कैसे करें? यदि तरीका सही हो तो अखरोट अमृत की तरह सेहत का कारण बन सकता है।

हमारे जीवन के आसपास बहुत सी चीजें विद्यमान हैं लेकिन जब तक हम उसके गुण और प्रभाव से अनजान हैं तब तक उसका लाभ नहीं उठा पाते हैं। अखरोट भी हमारे लिए बहुत ही फायदेमंद है। इसकी दो जातियां पाई जाती हैं। जंगली अखरोट 100 से 200 फीट तक ऊंचाई पर अपने आप उगते हैं और इसके फल का छिलका मोटा होता है, लेकिन कृषिजन्य अखरोट का पेड़ 40 से 90 फीट तक ऊंचा होता है और इसके फलों का छिलका पतला होता है इसे हम कागजी अखरोट कहते हैं। पर्वतीय देशों में होने वाले पीलू को ही अखरोट कहते हैं इसका नाम कर्पपाल भी है। इसकी मींगी मीठी बादाम के समान पुष्टकारक और मजेदार होती है।

क्या छिपा है अखरोट में

अखरोट में मौजूद तत्व हमारी सेहत के लिए काफी फायदेमंद हैं। साथ ही इसमें ओमेगा 3 भी पाया जाता हैं जो हमारे दिल को स्वस्थ रखता है। अखरोट में मैगनीज, मैग्नीशियम, फास्फोरस, विटामिन तथा आयरन भी पाया जाता है। अखरोट की तुलना चिलगोजा और चिरौंजी से की जा सकती है। अखरोट गरम व शुष्क प्रकृति का होता है। अखरोट पित्त प्रकृति वालों के लिए हानिकारक होता है, लेकिन अनार का पानी अखरोट के दोषों को दूर करता है। अखरोट बहुत ही बलवर्धक है। हृदय को कोमल करता है। हृदय और मस्तिष्क को पुष्ट करके उत्साही बनाता है। इसकी भुनी हुई गिरी सर्दी से उत्पन्न खांसी में लाभदायक है और यह वात, पित्त, टीबी, हृदय रोग, रुधिर दोष वात, रक्त और जलन का नाश करता है। आप अखरोट का सेवन 10 ग्राम से 20 ग्राम तक की मात्रा में कर सकते हैं।

कैसे करें अखरोट का सेवन

20 ग्राम अखरोट को एक गिलास दूध में डालकर उबाल लें, उबलने के बाद मिश्री डालकर अच्छी तरह से मिला लें, फिर थोड़ी देर बाद मिश्रण का सेवन करें। इस सही विधि से सेवन करने से स्मरण शक्ति बढ़ती है। इसमें मौजूद विटामिन ई, ओमेगा 3 तथा एंटीऑक्सीडेंट तत्व मस्तिष्क को स्वस्थ बनाने में मदद करते हैं। अखरोट में मौजूद विटामिन और खनिज तत्व उम्र के साथ होने वाली दिमागी कमजोरी को भी दूर रखने का काम करता है। ओमेगा 3 की कमी से तनाव, गुस्सा और चिड़चिड़ापन भी हो सकता है, लेकिन अखरोट के सेवन से इन सभी परेशानियों से बचा जा सकता है। अखरोट के सेवन से डिप्रेशन से भी राहत मिलती है। अखरोट के सेवन से हमारा हृदय स्वस्थ रहता है। नियमित अखरोट के सेवन से रक्त में थक्के बनने की आशंका कम हो जाती है। यह अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाता है और हानिकारक को कम करने का काम करता है। अगर आपको पथरी की शिकायत है तो साबूत (छिलके और गिरी सहित) अखरोट को कूट-छानकर एक चम्मच सुबह-शाम ठंडे पानी में कुछ दिनों तक नियमित रूप से सेवन कराने से पथरी मूत्र-मार्ग से बाहर निकल जाती है। जिन लोगों को फुंसियां अधिक निकलती हों तो एक साल तक रोजाना प्रतिदिन सुबह के समय 5 अखरोट सेवन करते रहने से हमेशा के लिए लाभ हो जाता है। जिन माँ में दूध की कमी होती है तो गेहूं की सूजी, अखरोट के पत्ते 10 ग्राम को एक साथ पीसकर दोनों को मिलाकर गाय के घी में पूरी बनाकर सात दिन तक खाने से दूध की वृद्धि होती है।

स्व. श्री बद्रीनारायणजी
स्वर्गवास – 13-05-2016

स्व. श्रीमती कमलाबाई खडलोया
स्वर्गवास – 25-08-2008

श्रद्धांजलि अर्पित

रमेश–उर्मिला खडलोया (पुत्र–पुत्रवधू)
आशिश–मिनाक्षी खडलोया (पौत्र–पौत्रवधू)
अंकित–अंकिता खडलोया (पौत्र–पौत्रवधू)
पदमा–गोविन्दलाल लाहोटी (पुत्री–दामाद)
लक्ष्मीकांता बांगड़ (पुत्री)

फर्म – बछराज बद्रीनारायण खडलोया
2-4-118, रामगोपाल पेठ, सिकंद्राबाद –500003
फोन – 98490-77450

खुश रहें... खुश रखें...

कहां-कहां रहता है कलियुग?

शास्त्रों में चार युग बताए गए हैं। ये चार युग हैं - सतयुग, त्रेतायुग, द्वापर युग और कलियुग। अभी तक तीन युग समाप्त हो चुके हैं और कलियुग चल रहा है। ऐसी मान्यता है कि कलियुग के अंतिम समय में भगवान विष्णु का कल्कि अवतार होगा। इसके बाद ही सृष्टि का विनाश होगा।

पं. विजयशंकर मेहता
(जीवन प्रबन्धन गुरु)

श्रीमद्भागवत के अनुसार जब पांडवों द्वारा स्वर्ग की यात्रा प्रारंभ की गई, तब वे समस्त राज्य और प्रजा के भरण-पोषण और सुरक्षा का भार परीक्षित को सौंप गए। राजा परीक्षित के जीवन में ही द्वापर युग की समाप्ति हुई और कलियुग का प्रारंभ हुआ। कथा के अनुसार जब कलियुग का आगमन हुआ, तब चारों ओर पाप, अत्याचार और अधर्म बढ़ने लगा। इस प्रकार बढ़ते कलियुग के प्रभाव को समाप्त करने के लिए राजा परीक्षित ने कलियुग को नष्ट करने के लिए धनुष पर बाण चढ़ा लिया। जब कलियुग को ऐसा प्रतीत हुआ कि राजा परीक्षित से जीतना संभव नहीं है। अत: उसने राजा के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया और खुद के निवास करने के लिए स्थान मांगा। इस प्रकार अपनी शरण में कलियुग को परीक्षित ने पांच स्थान बताए, जहां कलियुग को निवास करना था। ये स्थान हैं- झूठ, मद, काम, वैर और रजोगुण।

इन पांच स्थानों का अर्थ यही है कि जहां-जहां झूठ होगा, नशा होगा, वैश्यावृत्ति होगी, वैर-क्रोध होगा, सोना या धन होगा, वहीं कलियुग निवास करता है। अत: इन पांचों से हमें दूर रहना चाहिए। जो भी व्यक्ति इनके मोह में फंसता है, उसका नाश होना निश्चित है। यह सभी पाप को बढ़ाने वाले ही है। इनके प्रभाव में आने के बाद व्यक्ति के परिवार और पुण्य कर्म नष्ट हो जाते हैं।

सामग्री क्रिस्पी वेजिटेबल के लिए-मैदा पाव कप, कॉर्न फ्लोअर पाव कप, नमक-सफेद मिर्च पाउडर स्वादानुसार, सोडा चुटकी भर, मिक्स सब्जियों के पतले स्लाइस 2 कप (पत्तागोभी, शिमला मिर्च, प्याज इत्यादि)। तेल तलने के लिए।

सॉस के लिए-तेल 1 टेबल स्पून, बारीक कटा अदरक 1 टेबल स्पून, बारीक कटा लहसुन 2 टी स्पून, अजिनोमोटो चुटकी भर, टमाटर का सॉस 3 टेबल स्पून, नमक-चीनी-सफेद मिर्च स्वादानुसार, स्टॉक या पानी 1 कप, कॉर्न फ्लोअर डेढ़टेबल स्पून।

विधि : मैदा, कॉर्न फ्लोअर, नमक, सफेद मिर्च और सोडा मिलाकर पानी से उसका गाढ़ा पेस्ट बना लीजिए। इसमें सब्जी का एक-एक स्लाइस डूबोकर कुरकुरा होने तक तल लें। सॉस बनाने के लिए तेल गरम करके उसमें अदरक, लहसुन और अजिनोमोटो डालकर थोड़ा भूनें। फिर उसमें टमाटर का सॉस, लाल मिर्च, नमक, सफेद मिर्च, चीनी और स्टॉक या पानी मिलाएं। थोड़े पानी में कॉर्न फ्लोसर का पेस्ट बनाकर सॉस में डालकर सॉस गाढ़ा होने तक पकाएं। गरम सॉस में तली हुई सब्जियां मिलाकर तुरंत परोसें।

Net Protector
NP AV
Total Security
PC, Laptop
Tablet, Mobile
सुरक्षा
PC Kaa Doctor
Net Protector
AntiVirus
WEST COAST LABS CHECKMARK
Internationally
Tested & Certified
ISO 9001:2008
WhatsApp
92.72.70.50
98.22.88.25.66

Computerised
Horoscope
Most Advanced
Mathematical
Software in India
Windows
based Software
- Accurate Calculations
- Accurate Charts
- Full Screen VIEW Facility
- Use any printer -
Dot Matrix or Inkjet or Laser.
Choice
of 6
Languages
English
Marathi
Hindi
Gujarati
Kannada
Telugu
Call: 922.566.48.17
98.22.88.25.66
Kundali 2018
www.kundalisoftware.com

आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर

इतिहास री चिंता

खम्मा घणी सा हुक्म इण दिनों संजय भंसाली री फिल्म पद्मावत रिलीज हुई जो बैन लगादी थी पर काफी विरोधाभास में भी कई राज्यों में प्रदर्शित हुई कई राज्यों में प्रदर्शित नही हो पा रही है। हुक्म अगर इतिहास रा पन्ना खोलने देखा तो उण समय री स्थिती रे बारे में या बात समझ में आवे कि उण समय जो रजवाडों रो दौर थो जण औरता री बहुत दुर्गति थी। अलाउदिन खिलजी ही नही हर मुस्लिम राजा री नियत हिन्दु नारीयों ने शोषित करण री ही थी। जण पदमावती रानी रे साथे सैकड़ो नारियों ने आत्मदाह करणो पड़ियो क्योंकि वा एक लाचारी थी। अगर महाभारत रो इतिहास पढ़ा तो द्रोपदी चीरहरण रे पिछे कोई मुसलमान नही द्रोपदी रे परिवार का ही लोग था वे तो क्षत्रिय था जो द्रोपदी ने वस्तु समझ दांव पर लगा दी और भरी सभा में बेइज्जती की। पद्मावती से इतिहास री बात पर इतो नारी-सम्मान पर हगांमा कर रिया है पर आपा अगर आज री स्थिती रो आंकलन करा तो हुक्म देश में रोजाना 28 गेंगरेप हो रिया है। आप फुलन देवी रो जो अबार कुछ साल पेली घटना हुई। एक औरत और 25 ठाकुर 3 दिन तक लगातार बलात्कार और बाद में गांव में नंगी घुमाणणों, पानी भरवाणों और बदहालत में छोड देणों। फुलवा ने फुलन देवी बणन ने मजबुर कर दियों और वाही ही फुलन देवी 25 ठाकरों ने ठिकाणे लगा दियो उण पर फिल्म बणी 'बेडिट क्वीन' जिणमें अश्लील सीन री भरमार पर भारत री जनता ठहाका-मार-मार ने उण फिल्म देखण रो आनन्द लियों। पद्मावत फिल्म पर भारत री जनता तोड़फोड़ कर रही है वाह आपाणो भारत रो प्रभुत्व .....

800 साल पेली जन्मी पद्मावत रे सम्मान री चिन्ता इति की देश रा हजारो नागरिक हिंसा पर उतर गया। शायद उनी आधी चिंता भी जिवित स्त्रियों रे सम्मान में कर देवे तो देश में बलात्कार तो कांई एक भी छेडछाड री घटना न बणे।

आ बात कड़वी है हुक्म पर मन में इण बात रो आंकलन करिजों कि सत्य है या नहीं.....?

विड़म्बना या ही है कि आपा इतिहास रे सम्मान री चितां कर रिया हाँ और वर्तमान और भविष्य री चितां नहीं ...

दुसरा देश 100 साल आगे रो प्लान करने चाले जणे वे विकसित हो रिया है, और आपा तमाशबीन ।

मुलाहिज़ा फरमाइये

आँसू जानते हैं कौन अपना है
तभी अपनों के आगे निकलते हैं,
मुस्कुराहट का क्या है ,
ग़ैरों से भी वफ़ा कर लेती है..!!

बुलन्द रखो हौसला उडान से पहले
मंजिल मिलेगी तुझको हुनर से पहले

किसने कहा वो मुजसे दूर रहकर खुश है...,
उसके सामने मेरा नाम लेकर तुम देखो तो जरा!

अश्क़ तेरे नाम के छलकें तो इसमें हैरत भी क्या है
यूँ भी तो हम हर महफिल में तुझे ही ढूंढते हैं

साथ अगर दोगे तो मुस्कुराएंगे ज़रूर;
प्यार अगर दिल से करोगे तो निभाएंगे ज़रूर;
कितने भी काँटे क्यों ना हों राहों में;
आवाज़ अगर दिल से दोगे तो आएंगे ज़रूर।

'तुफ़ाँ में कहां दम था...कि क़श्ती मेरी डुबोता...,
मैंने डुबो के अपनी क़श्ती...तूफ़ाँ की लाज रख ली...!'

आयकर में उद्योगों को मिली बड़ी राहत

▸▸ सीए विष्णुदास दरक, मुंबई

केंद्र सरकार ने गत 1 फरवरी को अपना बजट प्रस्तुत किया। आयकर में आम व्यक्ति को इससे कोई राहत नहीं मिली, तो उस पर कोई अतिरिक्त भार भी नहीं पड़ा, लेकिन उद्योगों को बड़ी राहत देकर देश के उद्योगों के उत्थान के द्वार अवश्य ही खोले गए। लगभग अधिकांश बदलाव 1 अप्रैल 2018 से लागू होंगे।

इसमें 2.5 लाख तक कोई टैक्स नहीं, वरिष्ठों (60 वर्ष से अधिक आयु वालों) को 3 लाख तथा अतिवरिष्ठों (80 वर्ष से अधिक आयुवालों) को 5 लाख तक कर नहीं देना है। शेष कर दरें भी पूर्व की तरह ही हैं। 2.5 लाख से 5 लाख तक 5 प्रतिशत, 5 से 10 लाख तक 20 प्रतिशत तथा 10 लाख से अधिक आय पर 30 प्रतिशत कर व कर पर 10 प्रतिशत तथा 1 करोड़ से अधिक पर आयकर का 15 प्रतिशत सरचार्ज पूर्व की तरह देय होगा। जो परिवर्तन हुआ है, वह एज्युकेशनल सेस में हुआ है। अभी तक यह सेस आयकर का 3 प्रतिशत देय होता था। इस बजट में इसका नाम बदलकर एज्युकेशन और हेल्थ सेस कर दिया गया और इसकी दर अब 4 प्रतिशत कर दी गई है।

कंपनियों को मिली बड़ी राहत

कंपनियों को 30 प्रतिशत की दर से आयकर देना होता है। इसके अतिरिक्त व्यक्तियों की तरह कंपनियों की आय रुपए 1 करोड़ से अधिक परंतु 10 करोड़ के बीच हो तो आयकर के 7.5 प्रतिशत और रुपए 10 करोड़ से अधिक हो तो 12 प्रतिशत की दर से सरचार्ज देय होता है। कंपनियों को भी सेस उपरोक्त निर्देशित 4 प्रतिशत के दर से ही देय होगा। वित्त मंत्री ने दो वर्ष पूर्व यानी 2016 के बजट में कुछ भारतीय कंपनियों को जिनका वित्तीय वर्ष 2015-16 का टर्न ओवर 50 करोड़ था उनको लगने वाले 30 प्रतिशत की आयकर दर को घटाकर 25 प्रतिशत कर दिया था। इस वर्ष के बजट में बड़ी राहत देते हुए जिन कंपनियों का वित्तीय वर्ष 2016-17 का टर्न ओवर रुपए 250 करोड़ तक है, उनको भी अब 25 प्रतिशत की आयकर दर ही लगेगी। इस बदलाव के कारण सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्योगों की श्रेणी में आने वाली सभी कंपनियां लाभान्वित होंगी। घटे हुए दर से टैक्स लगने के कारण इन कंपनियों के निवेश योग्य फंडस और रोजगार में वृद्धि हो सकेगी।

वेतनभोगी कर्मचारियों को कागजी कार्रवाई से मुक्ति

वर्तमान में वेतनभोगी करदाताओं को यातायात खर्च के रूप में प्रति मास रुपए 1600 (वर्षभर में 19200) एवं स्वास्थ्य उपचार के लिए रुपए 15 हजार तक यानी कुल 34200 रुपए की छूट प्राप्त थी। परंतु मेडिकल ट्रिटमेंट के इस खर्च के लिए बिल जमा करवाना अनिवार्य था। अब इस प्रक्रिया के सुलभ बना दिया गया है। यह दोनों छूट समाप्त कर दी गई हैं तथा रुपए 40 हजार का एकमुश्त स्टैंडर्ड डिक्शन दिया गया है। अब वेतनभोगी करदाताओं को इससे कागजी कार्रवाई से राहत मिल जाएगी। कर्मचारी को नौकरी छोड़ने अथवा जिन शर्तों पर नौकरी दी गई थी उसमें बदलाव किए जाने की स्थिति में उसके मालिक की ओर से हर्जाना या अन्य किसी रूप में जो राशि मिलती थी उस पर टैक्स लगता है या नहीं इस बात पर आशंका बनी हुई थी। इस बजट में धारा 56 (2) में संशोधन करके उक्त राशि पर टैक्स लगाने की बात स्पष्ट कर दी गई है।

वरिष्ठ को ब्याज पर कर में बड़ी राहत

वरिष्ठ नागरिकों को अन्य करदाताओं की तरह बैंकों में जमा राशि पर जो रुपए दस हजार की छूट थी वह बढ़ाकर अब 50 हजार रुपये कर दी गई है। इस ब्याज की राशि पर अब टीडीएस भी नहीं कटेगा। मेडिक्लेम इंश्योरेंस हेतु दिए जाने वाले प्रीमियम की अधिकतम छूट 30 हजार थी, उसे बढ़ाकर 50 हजार रुपए कर दिया गया है। गंभीर बीमारियों के इलाज हेतु वरिष्ठ व वरिष्ठतम लोगों को 60 हजार की छूट मिलती थी उसको भी बढ़ाकर अब 1 लाख रुपए कर दिया गया है। वरिष्ठ नागरिकों को एलआईसी में निवेश की जाने वाली राशि की सीमा जो 7.50 लाख थी जिस पर 8 प्रतिशत की निर्धारित दर से फिक्स ब्याज प्राप्त होता था वह निवेश सीमा बढ़कार अब 15 लाख रुपए कर दी गई है।

अब एलटीसीजी पर भी आयकर

करदाता द्वारा कंपनी के इक्विटी शेयर्स अथवा इक्विटी उन्मुख म्यूचल फंड बेचे जाने पर जो "लंबी अवधि का पूंजीगत लाभ" (एलटीसीजी) होता था वह इनकम टैक्स की धारा 10 (38) के तहत पूर्ण रूप से मुक्त था। यह टैक्स की छूट अब 1/4/18 से प्रारंभ होने वाले वित्तीय वर्ष से समाप्त कर दी गई है। इसके बदले अब नई धारा 112 (ए) का समावेश करके कैपिटल गेन्स संबंधित नए प्रावधान किए गए हैं। इसमें एक वित्तीय वर्ष में प्रत्येक करदाता की लंबी

अवधि के पूंजीगत लाभ की छूट 1 लाख तक ही रहेगी। इसमें 10 प्रतिशत की दर से टैक्स देना होगा। लंबी अवधि के पूंजीगत लाभ की गणना करने में इनकम टैक्स की धारा 48 में जो सूचीकरण का प्रावधान है उसका लाभ नहीं मिल पाएगा। कुछ सिक्यूरिटीज को छोड़ दिया जाए तो इक्विटी शेयर की खरीदी और बिक्री पर और इक्विटी म्यूचल फंड की बिक्री पर सिक्यूरिटीज ट्रांसक्शन टैक्स दिया हुआ होना जरूरी है। करदाता की सकल वार्षिक आय में लंबी अवधि के पूंजीगत लाभ का समावेश हो तो करदाता को इंश्योरेंस प्रीमियम, मेडिक्लेम प्रीमियम, पीपीएफ, डोनेशन आदि के भुगतान जो छूट जीटीआई में से मिलती है वह केवल अन्य आय तक सीमित रहेगी।

अब चैरिटी खर्च में भी चेक से भुगतान

वर्तमान में अपने उद्देश्य पूर्ति हेतु ट्रस्टों द्वारा किए जाने वाले विनियोजन का भुगतान चेक द्वारा करना आवश्यक नहीं था। अब ट्रस्टों को 10 हजार से ज्यादा का भुगतान अकाउंट पेयी चेक से करना होगा। यदि चेक से पेमेंट नहीं किया जाता है तो आयकर की धारा 40ए (3) के तहत उस राशि को ट्रस्ट का खर्च नहीं माना जाएगा। वर्तमान में अन्य करदाताओं की तरह ट्रस्टों पर भी टीडीएस के प्रावधान लागू हैं। कोई ट्रस्ट यदि टैक्स नहीं काटता है अथवा काटने पर रिटर्न फाइल करने की आखिरी तारीख तक उसको सरकारी खजाने में जमा नहीं कराता है तो आयकर विभाग ऐसे ट्रस्टों पर कानूनी कार्रवाई करके टीडीएस की राशि ब्याज के साथ वसूल करता है। बजट के नए प्रावधानों के अनुसार आयकर विभाग अब न केवल टीडीएस वसूलेगा अपितु कुल खर्च की 30 प्रतिशत राशि को उस वर्ष का खर्च नहीं गिनेगा।

इक्विटी ओरिएंटेड फंड पर भी टैक्स

वर्तमान में देश के म्यूचल फंड्स को धारा 115 आर के तहत केवल डेट म्युचल फंड की आय के वितरण पर 10 प्रतिशत की दर से डीडीटी देना होता था। इस बजट में उक्त धारा में संशोधन करके अब इक्विटी ओरिएंटेड फंड की आय पर भी 10 प्रतिशत की दर से डीडीटी का भुगतान अनिवार्य कर दिया गया है। इसके कारण अब यूनिट होल्डर्स को अपने निवेश पर पूर्व में जहां 100 रुपए का लाभांश मिलता था, अब वह घटकर 90 रुपए हो जाएगा और यदि एक वित्तीय वर्ष में उसके इक्विटी शेयर्स और एक्विटी म्यूचल फंड यूनिट के लाभांश की राशि 1 लाख से अधिक हो जाती है तो उस राशि पर भी 10 प्रतिशत की निर्धारित दर से टैक्स देना होगा।

सिर्फ भूमि-भवन पर एलटीसीजी निवेश छूट

इनकम टैक्स अधिनियम की धारा 54 सीई में वर्तमान में यह प्रावधान है कि किसी भी प्रकार के कैपिटल असेट जैसे सोना, चांदी, गहने, मकान, जमीन आदि के बेचने पर प्राप्त लंबे पूंजीगत लाभ की राशि को करदाता यदि 6 माह के भीतर 3 वर्ष की अवधि के बांड में निवेश कर देता है तो उसको 20 प्रतिशत की दर से लगने वाले लंबी अवधि के पूंजीगत टैक्स से छूट मिल जाती है। इस धारा में बड़ा संशोधन करके मकान और जमीन को छोड़कर अन्य सभी कैपिटल असेट पर होने वाले लंबी अवधि के पूंजीगत निवेश करने पर छूट को समाप्त कर दिया गया है तथा मकान और जमीन से प्राप्त बांड के निवेश की अवधि को 3 से बढ़कार 5 वर्ष कर दिया गया है। ज्ञातव्य हो कि करदाता द्वारा निवासी मकान की बिक्री से प्राप्त मुआवजे की राशि को दूसरे निवासी मकान की खरीदी में लगा दी जाती है तो जो छूट प्राप्त थी, उसे कायम रखा गया है।

परम पूज्य

पुण्य स्मरण

परम पूज्य

विनम्र श्रद्धांजलि

स्व. श्री गिरिराजजी कलंत्री
गोकुलवास – 11/01/2018
मिति माघ दशमी

स्व.श्रीमती कमलादेवी कलंत्री
गोकुलवास – 20/07/2011
मिती श्रावण सुदी पंचमी

प्रेम आपका था हम पर, करते है नमन आपको
श्रद्धा के सब सुमन समर्पित, रहेंगे सदैव स्मरण आपको

– श्रद्धा युक्त –

▸▸ लालचंद जी कलंत्री (अनुज) ▸▸ पुरुषोत्तम जी कलंत्री (अनुज)
▸▸ राजेन्द्र–अनामिका कलंत्री (पुत्र–वधु) गुडगांव ▸▸ नरेन्द्र–अरूणा कलंत्री (पुत्र–वधु) हैदराबाद
▸▸ महेन्द्र–संगीता कलंत्री (पुत्र–वधु) हैदराबाद ▸▸ धर्मेन्द–शोभा कलंत्री (पुत्र–वधु) हैदराबाद
▸▸ ऋषि–स्नेहा कलंत्री (पौत्र–वधु) गुडगांव ▸▸ पूनम–सुमित जी डागा (पौत्री–दामाद) गुडगांव
▸▸ कुणाल, अभिषेक, पवन, हर्षद (पौत्र) ▸▸ निधि, ग्रिष्मा, राधिका (पौत्रियां)

राजस्थानी परंपरा में विवाह आदि के आयोजन के समय गाये जाने वाले गीतों में टोरडरमल के गीत भी गाए जाते हैं। इनके बिना परंपरा का निर्वाह नहीं होता। आखिर क्यों है यह परंपरा जानने के लिए पढ़ें, यह लोककथा।

जीत्यो जी टोडरमल वीर

प्रस्तुति-**जयकिशन झँवर, कोलकाता**

लगभग चार सौ वर्ष पहले की बात है। सम्राट अकबर का शासन था। उसके मंत्रिमंडल में नौ मंत्री थे, जिन्हें 'नवरत्न' कहा जाता था। उनमें टोडरमल का विशेष आदरपूर्ण स्थान था। वे वित्त और माल जैसे महत्वपूर्ण विभागों को संभालते थे। राज्य के काम से उन्हें प्रायः पंजाब, सिंध और कश्मीर की यात्राएं करनी पड़ती थीं। आगरा से 200 मील दूर राजस्थान की सीमा पर नारनौल एक कस्बा है, वहां अग्रवाल समाज का एक प्रतिष्ठित और धनी परिवार था। टोडरमल का इस परिवार से मैत्री का संबंध था। वे आते-जाते उनके यहां एक-दो दिन आराम करने के लिए ठहर जाते थे। एक बार दो-तीन वर्ष तक वे नारनौल नहीं गए। इस बीच में उस परिवार पर संकट के बादल छा गए। सेठ का देहांत हो गया, जो धन-संपत्ति थी, वह मुनीमों की बदइंतजामी से समाप्त हो गई। घर में रह गई विधवा सेठानी और 25 वर्ष का पुत्र।

उन दिनों बहुत छोटी उम्र में बच्चों के सगाई-विवाह हो जाते थे। पुत्र की सगाई सेठजी के रहते ही पास के कस्बे में एक सम्पन्न स्वजातीय घराने में हो गई थी। अब वह विवाह के योग्य हो गया। लड़की वाले उनकी नाजुक हालत को जान चुके थे, परंतु उन दिनों बिना पर्याप्त कारण के संबंध नहीं तोड़े जाते थे। कभी-कभी तो संबंध टूट जाने पर वर पक्ष के लोग अपने भाई-बंधु और मित्रों के साथ हथियारों से सुसज्जित होकर बारात ले जाते और युद्ध में जीतकर बहू को ले आते थे।

कन्या पक्ष वालों ने सुपारियों की एक कोथली नारनोल भेजी और लिखा कि विवाह का लगन फाल्गुन में है। आपके और हमारे घराने की इज्जत का ध्यान रखते हुए आप कम से कम इन सुपारियों जितने प्रतिष्ठित बाराती अवश्य लावें। हमारे यहाँ हमेशा वर हाथी के हौदे पर आता है, इसलिए कम से कम दो-तीन हाथी भी बारात में रहने जरूरी हैं।

सेठानी समझदार महिला थी। वह उन लोगों की चालाकी समझ गई। सैकड़ो बारातियों की बारात के लिए उसी अनुपात में रथ, घोड़े और ऊँट चाहिए। आने-जाने के समय उन सबके लिए भोजन और पशुओं के लिए दाना-चारा। वह सब अब उसके बस की बात नहीं थी। परिवार के स्वजन और मित्रों से सलाह ली, परंतु कोई उपाय नजर नहीं आया।

सेठानी कई दिनों से इसी चिंता में थीं कि अचानक पंजाब जाते हुए टोडरमल उनके यहाँ ठहरे। उन दिनों उत्तर भारत में पर्दा प्रथा थीं परंतु सेठानी उनकी मुँह बोली बहन थी, इसलिए उनसे बोलती थी और पर्दा नहीं करती थी। टोडरमल ने महसूस किया कि बहिन बहुत उदास है। कारण पूछने पर वह कुछ बोल नहीं पायी और सुबक-सुबक कर रोने लगी। थोड़ी देर में जब आश्वस्त हुई तब बताया कि लड़की वाले बहुत धनाढ्य हैं, वे अब संबंध तोड़ना चाहते हैं। सीधे तौर पर कहने से उन्हें अपनी बदनामी का डर है, इसलिए ऐसी शर्त रख रहे हैं कि जिससे हम लोग स्वयं सगाई तोड़ दें। आज हमारी ऐसी दयनीय दशा हो गई है कि हमें अपनी माँग (वाग्दत्ता) को छोड़ना पड़ रहा है।

सारी बातें सुनकर टोडरमल ने कहा कि आप चिंता मत करिये, जो कुछ जवाब देना होगा, मैं आपकी तरफ से भिजवा दूँगा। कुछ दिनों बाद, कन्या पक्ष वालों के यहाँ मूँगों से भरी हुए एक कोथली लिए कासिद पहुँचा। पत्र में यथायोग्य के बाद लिखा था कि विवाह की तिथि हमें मंजूर है, परंतु आपकी और हमारी इज्जत का ख्याल करके हम इतने बाराती लाना चाहते हैं, जितने मूँग इस कोथली में हैं। स्वर्गीय सेठजी का जयपुर से होकर आगरा तक बहुत लोगों से स्नेह संपर्क था, भला इकलौते पुत्र के विवाहोत्सव पर उन सबको हम कैसे भूल सकते हैं? आप खातिर जमा रखें, बारात में बड़े से बड़े लोग आएंगे। हम लोग बारात लेकर फलां दिन पहुँच रहे हैं, आप सारी तैयारी रखियेगा।

पत्र पढ़कर उन लोगों ने मूँग गिने, जिनकी संख्या करीब 2 हजार थी। वे मन ही मन हँस रहे थे कि अधिक दुख से सेठानी शायद विक्षिप्त हो गई हैं। इतने बारातियों के लिए जितने हाथी, घोड़े, ऊँट व रथ चाहिए उन सबकी व्यवस्था तो शायद नगर सेठ भी नहीं कर सकते। रास्ते में इन सबके खाने-पीने और आराम के लिए भी लाखों रुपए चाहिए। खैर, उन्होंने कासिद के साथ उत्तर दे दिया कि हमें आपकी बात मंजूर है। बारातियों की खातिर-तवज्जह के लिए आप बेफिक्र रहें। हम शुभ दिन की प्रतीक्षा में हैं।

इधर टोडरमल ने आगरा आकर अपने मित्रों और साथियों से सलाह ली। बादशाह से अर्ज किया कि हुजूर मेरे भानजे की बारात जाएगी, इसलिए शाही दरबार से पचास हाथी, पाँच सौ घोड़े, एक हजार रथ और ऊँट चाहिए। इस मौके पर शाही बाजे और तोपे भी बारात के साथ जाने की इजाजत बख्शी जाए।

बड़े-बड़े राजे-रईस, सरदार और आला अफसरों को बारात के लिए न्योता दिया गया। रास्ते में भोजन वगैरह की व्यवस्था के लिए पहले ही सैकड़ों आदमी भेज दिए गए। नारनौल पहुँचकर राजा टोडरमल ने लाखों रुपयों का भात भरा। बहिन (वर की माता) के लिए मोतियों जड़ी चुमरी और वर-वधू के लिए कीमती गहनों और कपड़ों का अंबार लगा दिया तथा वर पक्ष से लोगों के लिए यथायोग्य भेंट और सिरोपाव।

सारे कस्बे में चर्चा फैल गई कि नरसी मेहता के मुनीम साँवरिया सेठ जैसा भात सेठजी के यहाँ आया है।

नारनौल से जो बारात रवाना हुई, वैसी इसके पहले देखी-सुनी नहीं गई थी। घोड़े, रथ, ऊँट, पालकी और सुखपालों की लंबी कतार मीलों तक जा रही थी। करीब दो हजार तो बाराती थे और उनके साथ एक हजार नौकर, सईस, महावत और रसोइये आदि। इनके अलावा बाजे वाले, गाने वाले और नर्तकियों की भी एक बड़ी तादाद थी।

कन्या पक्ष वालों ने जब सुना कि बारात में जयपुर महाराज मानसिंह, अर्थमंत्री टोडरमल, खानेखाना अब्दुर्रहीम और राजा बीरबल आदि देश के बड़े से बड़े लोग आ रहे हैं, साथ ही हाथी, घोड़े, रथ और ऊँटों का एक बड़ा काफिला है, तो वे घबरा गए। यद्यपि वे नगर सेठ थे, लखपति थे, परंतु फिर भी इतनी बड़ी बारात की व्यवस्था करना उनके वश की बात नहीं थी।

अगवानी के लिए कन्या का पिता कुछ प्रतिष्ठत व्यक्तियों को साथ लेकर

गया। टोडरमल के पैरों में पगड़ी रखकर कहने लगा कि हमने अपनी तरफ से बहुत भूल की, जो बहाना बनाकर संबंध तोड़ना चाहते थे परंतु अब हमारी इज्जत आपके हाथ है। इतनी बड़ी बारात ठहराने का न तो हमारे गाँव में स्थान है और न ही हम सबके लिए भोजन और चारे-पानी की व्यवस्था ही कर सकते हैं। सैकड़ों वर्षों से हमारे परिवार को नगर सेठ की पदवी हैं। आपकी दया से आसपास के गाँवों में इज्जत हैं परंतु जहाँ हमारे अनेक स्वजन मित्र हैं, वहाँ ईर्ष्यालु दुश्मनों की संख्या भी कम नहीं है। उन्हें हमारी बेइज्जती से जगहँसाई करने का मौका मिल जाएगा। कन्यादान मेरे परिवार का भाई कर देगा। मैं जिल्लत और बेइज्जती देखने के पहले गाँव छोड़कर सदा के लिए चले जाना चाहता हूँ।

राजा टोडरमल ने उसे उठाकर गले लगाते हुए कहा कि जो कुछ हुआ उसे भूल जाइये, अब तो आप हमारे संबंधी हैं। आपकी मान बढ़ाई में ही हमारी शोभा है। आप चिंता न करें, किसी को भी पता नहीं चलेगा कि सारी व्यवस्था हम लोगों की तरफ से है। आप केवल प्रवेश के समय शर्बत-पान से बारातियों की अच्छी तरह खातिरदारी कर दीजिएगा।

बारात की सजावट और आतिशबाजी देखने के लिए आसपास के गाँवों से हजारों स्त्री-पुरुष और बच्चे आए थे। उन सबके लिए यह एक अभूतपूर्व दृश्य था। मोतियों की झूल पहने हाथी और घोड़े झूम रहे थे। चार-पाँच तरह के शाही बाजे थे। आगरा की प्रसिद्ध नर्तकियों का नाच-गाना हो रहा था और तरह-तरह की आतिशबाजियों की रोशनी से आसमान चमक रहा था। सारे विवाह कार्य आनंदपूर्वक समाप्त हुए। वधू को विदा कराकर जब वे नारनौल पहुँचे और द्वाराचार हुआ तो वर पक्ष की महिलाओं ने जो गीत गाया वह था

अतो जीत्याजी, जीत्या म्हारा टोडरमल वीर,
केशरियो बनड़ो जीत्यो म्हारै वीरैजी कै पाण।।

आज इस बात को 400 वर्ष हो गए, अभी तक बहू की अगवानी के समय राजस्थान में उस उदारमना भाई टोडरमल की पुण्य-स्मृति में यही गीत गाया

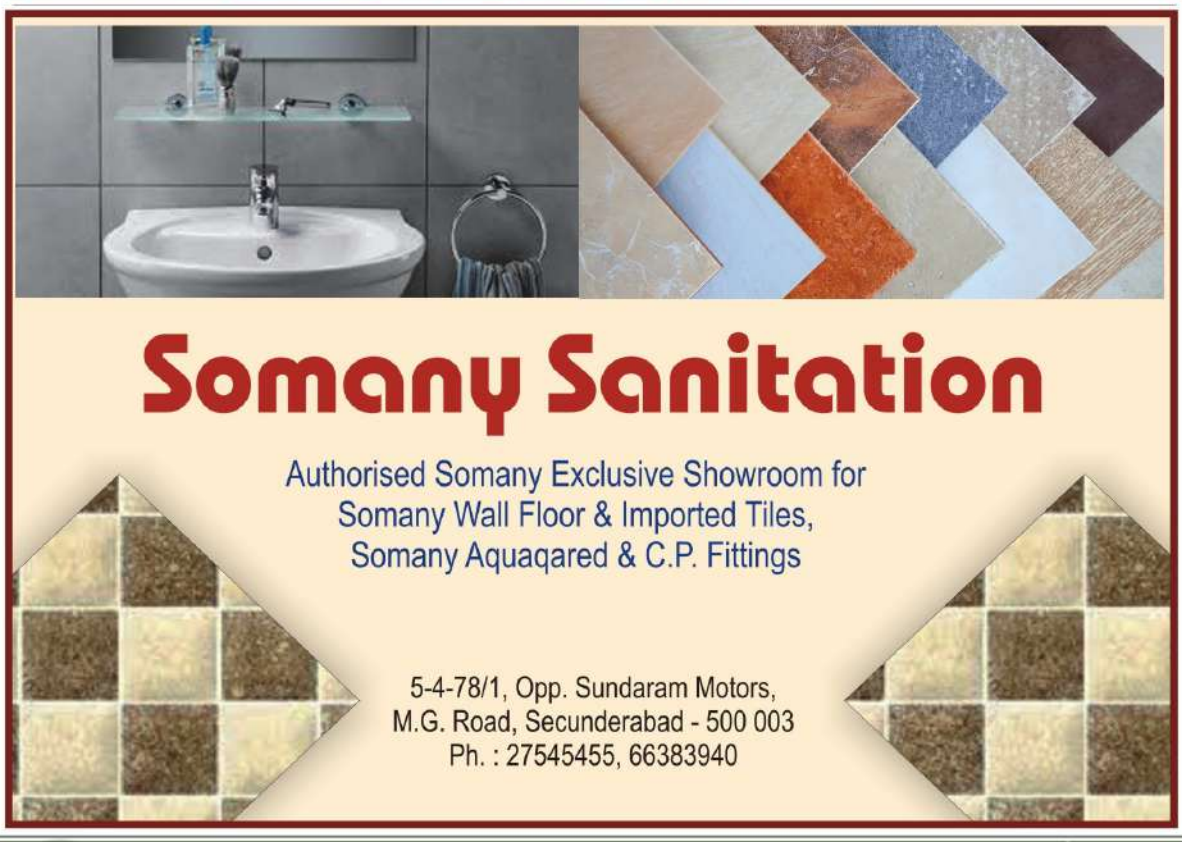

पुस्तक समीक्षा

आई एम स्पेशल

'सर्जन–' संवेदनशील होता है तो संवेदना की 'सर्जरी' नहीं होती

लघु कथा संग्रह - डॉ. जया मिश्रा

अपने कठिन पेशे के साथ न्याय करते हुए अपने स्वभाव, अपने शौक को जीवित रखना और उससे सामंजस्य कायम रखना मुश्किल प्रतीत होता है। मगर जब हमारे हाथों में 'आई एम स्पेशल' पुस्तक आती है तो सहसा यकीन नहीं होता है कि एक सर्जन इतनी संवेदनशीलता के साथ रचना कर्म भी कर सकता है। डॉ. जया मिश्रा अग्निहोत्री में कोई खासियत नहीं होती यदि वे मात्र एक चिकित्सक होती, या केवल स्त्री होती, या केवल पत्नी-बहन होती या केवल वह रचनाकार होती। जयाजी पर आज हम सभी को गर्व हो रहा है तो सिर्फ इसलिए कि वे उक्त सभी विशेषणो को अपनी संज्ञा का हिस्सा बना चुकी हैं।

इस संग्रह में उनकी तैंतीस कहानियाँ हैं। सभी कहानियाँ उनके पेशे और दैनिक जीवन से जुड़ी हैं। चाहे 'बेटी' का जिक्र करें या 'कनीज फातिमा' का इनमें कहीं न कहीं जयाजी स्वयं उपस्थित मिलती है। अक्सर डॉक्टर को सिर्फ व्यावसायिक मानने की हम से हर कोई धारणा बना लेता है, लेकिन जया जी इस धारणा को तोड़ती हैं। वे अपने मरीजों के साथ संवेदनात्मक रिश्ता भी कायम करती हैं और उनमें अपनी छवि को देखती है। उनकी संवेदनाएं बताती हैं कि यदि 'सर्जन' संवेदनशील हो जाता है तो संवेदना की 'सर्जरी' कभी न हो। उनकी सभी कहानियां हमें उद्वेलित भी करती हैं और रोमांचित भी। यह उनकी सीधी और सरल लेखनी का कमाल है कि हर पाठक इन कथाओं से स्वयं जुड़ जाता है।

इन कहानियों के माध्यम से स्त्री विमर्श को भी समझा जा सकता है। स्त्री प्रताड़ना के इस दौर में जयाजी की कहानियां निश्चित रूप से स्त्री मुक्ति और सशक्त स्त्री की छवि को गढ़ने में मददगार साबित होगी। उनका यह सृजन निरंतर कायम रहे यही कामना है।

▸▸ आशीष दशोत्तर
(रतलाम)

पुस्तक - आई एम स्पेशल
(हिन्दी व अंग्रेजी दोनो भाषाओं में उपलब्ध)
लेखिका - **डॉ. जया मिश्रा अग्निहोत्री**
मूल्य - **200 रुपये**
प्रकाशक - **ऋषिमुनि प्रकाशन**
90, विद्या नगर, उज्जैन (म.प्र.)
मो. 94250-91161
amazon पर भी उपलब्ध

TEMPUS®
JEANS & COTTON COLLECTION

R. K. JAGETIYA
Mo. : 94611-14810

MAHAVIR JAGETIYA
Mo. : 94141-15210

TEMPUS APPARELS QUALITY CLOTHING
11, KAMAL COMPLEX, DAK BUNGALOW ROAD, GANDHI NAGAR, BHILWARA - 311 001 (RAJ.)
PH. : 01482-247700, E-mail : tempusapparels@gmail.com
Cell. : +91 94611 14810, 94141 15210

राशिफल

संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष- यह माह आपके लिये संतान से संबंधित कार्यों में सफलता प्रदान करने वाला होगा। विशिष्टजनों से परिचय होगा एवं संबंध स्थापित होगा। नौकरी तथा व्यापार के सुअवसर प्राप्त होंगे। पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्थान परिवर्तन होगा, लंबी यात्रा के अवसर मिलेंगे। विवाह संबंध का निर्धारण होगा। शिक्षा में उन्नति होगी। विरोधी सक्रिय होंगे, किंतु ध्यैय से सफलता अर्जित हो जाएगी। स्थायी संपत्ति के प्रकरणों में सफलता मिलेगी।

वृषभ- यह माह आपके लिये आर्थिक रूप से श्रेष्ठ फल प्रदान करने वाला होगा।

आर्थिक स्थिति में सुधार, आय के साधनों की प्राप्ति होगी। पद-प्रतिष्ठा बढ़ेगी, पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ेगी एवं सफलता भी मिलेगी। लंबी यात्रा के योग रहेंगे। आय की तुलना में व्यय अधिक करेंगे। कठिन एवं चुनौती भरे कार्यों को हाथ में लेंगे एवं युक्तियुक्त तरीके से करने में सफलता प्राप्त करेंगे। गूढ़ रहस्यमय ज्ञान में वृद्धि होगी। पाचन तंत्र से कष्ट रहेगा।

मिथुन- यह माह आपके लिये सामाजिक कार्यों में सफलता प्रदान करने वाला होगा। नौकरी एवं व्यवसाय में कार्य की अधिकता रहेगी। जीवन साथी के स्वास्थ्य की चिंता, झूठे आरोपों का सामना करना पड़ेगा। प्रतियोगी परीक्षा में परिश्रम के उपरांत सफलता मिलेगी। संपत्ति से सम्बंधित प्रकरणों में परेशानी का सामना करना पड़ेगा। हड्डी एवं दांतों से कष्ट, धार्मिक यात्रा होगी। शुभ एवं मांगलिक कार्य होंगे। विवाह संबंध तय होगा।

कर्क- यह माह आपके लिये वाहन सुख, मकान सुख में वृद्धि दायक होगा। चुनौती भरे कार्यों में सफलता मिलगी। धार्मिक एवं मांगलिक कार्यों में भाग लेंगे। सामाजिक कार्यों में भाग लेंगे। सुस्वाद नमकीन व्यंजन, लंबी यात्रा,भौतिक सुख सुविधा का आनंद उठाएंगे। मामा परिवार से वैचारिक मतांतर होंगे। अपने परिश्रम से सफलता मिलेगी। देव विशेष की आराधना करेंगे। नौकरी एवं व्यवसाय में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी।

सिंह- यह माह आपके लिये परीक्षा जैसा रहेगा, किंतु आप अपने विवेक एवं कुशाग्रह बुद्धि से सफलता अर्जित कर लेंगे। शुभ समाचार मिलेंगे। अतिथियों का आवागमन रहेगा। धार्मिक कार्य, शुभ कार्य, भोजन, तीर्थस्थान, तीर्थाटन पर व्यय होगा। शिक्षा में परिश्रम की तुलना में सफलता कम मिलगी। हड्डी एवं दांतों से कष्ट, कडी मेहनत से सफलता मिलेगी। विरोधियों को भी परास्त करने में सफलता मिलेगी। विवाह संबंध तय होगा। शुभ समाचार प्राप्त होगा।

कन्या- यह माह आपके लिये आर्थिक रूप से सफलता प्रदान करने वाला होगा। मित्रों एवं भाई से सहयोग प्राप्त होगा। खोई प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। रुके कार्य पूर्ण होंगे। कार्यों में सफलता मिलेगी। वाहन सुख एवं मकान सुख की प्राप्ति के योग रहेंगे। परिवार जन, कुटुम्ब का सहयोग मिलेगा। शुभ एवं मांगलिक कार्य होगा। आय के नये स्त्रोत की प्राप्ति होगी। शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। श्री गणेश जी की आराधना करें।

तुला- यह माह आपको चुनौती भरा रहेगा किंतु आप अपनी शक्ति एवं क्षमता से उसमें सफलता अर्जित कर लेंगे। शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। पाचन तंत्र से कष्ट के योग, माता से विशेष स्नेह एवं लाभ प्राप्त होगा। पिता से वैचारिक मतांतर रहेंगे किंतु राजकीय पक्ष से लाभ होगा। विरोधियों पर सफलता मिलेगी। धार्मिक शुभ मांगलिक कार्य होंगे। विवाह संबंध होगा। आय के नवीन स्त्रोत की प्राप्ति, किंतु कानूनी प्रकरणों में सावधानी आवश्यक रहेगी।

वृश्चिक- यह माह आपके लिये स्थायी सम्पत्ति में वृद्धि प्रदान करने वाला होगा, जिसके परिणाम स्वरूप आर्थिक स्थिति प्रभावित होगी। राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी। विरोधी परास्त होंगे। पाचन तंत्र से कष्ट के योग रहेंगे। धार्मिक कार्यों में बढ़चढ़ कर भाग लेंगे। शिक्षा में सफलता मिलेगी किंतु साझेदारी के कार्यों एवं जमानत देने से बचें अन्यथा धोखे के योग रहेंगे। संतान प्राप्ति के योग वाहन सुख में वृद्धि होगी।

धनु- यह माह आपके लिये नई नौकरी एवं व्यवसाय के लिये रहेगा किंतु इस के लिये घर से दूर जाना एवं कठिन परिश्रम का सामना करना पड़ेगा। आर्थिक स्थिति उत्तम रहेगी। यश एवं सम्मान मिलेगा। संतान से संबंधित कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। चुनौती भरे कार्यों को करने में सफल होंगे। प्रबंधन की शिक्षा ग्रहण करेंगे। स्थायी सम्पत्ति से संबंधित प्रकरणों में सफलता अर्जित होगी। किसी विशेष ज्ञान की प्राप्ति एवं अचानक धन लाभ के योग रहेंगे।

मकर- यह माह आपको किसी विशिष्ट उद्देश्य से लंबी यात्रा प्रदान करने वाला होगा। चुनौती भरे कार्यों को पूरा करने से सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। जान-पहचान में वृद्धि होगी। बड़ी नौकरी की प्राप्ति के योग, घर से दूर जाने तथा सफलता प्राप्ति के योग रहेंगे। लेखन-प्रकाशन के क्षेत्र में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। जीवन साथी से मिलन एवं उसके स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलेगी।

कुंभ- यह माह आपके लिये आय में वृद्धि देने वाला, पद प्रतिष्ठा को बढाने वाला रहेगा। धार्मिक यात्रा के योग रहेंगे। संतान के कार्यों में अधिक खर्च करना पड़ेगा। शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। संतान के कार्य पूर्ण होने से प्रसन्नता मिलेगी। विरोधी परास्त होंगे। परिवारजनों का स्नेह सहयोग मिलेगा। शुभ कार्य मांगलिक कार्य धार्मिक कार्य में भाग लेंगे एवं खर्च होगा। हड्डी, दांतों में कष्ट के योग रहेंगे।

मीन- यह माह धार्मिक कार्यों में भाग लेने, विवाह आदि भौतिक सुख-सुविधा एवं यात्राओं पर खर्च करने वाला रहेगा। आय की तुलना में व्यय बढ़ा-चढ़ा रहेगा। परिवारजनों से मन मुटाव बना रहेगा। स्थायी सम्पत्ति से संबंधित कार्यों में सफलता अर्जित होगी। मकान सुख वाहन सुख की प्राप्ति के योग रहेंगे। जिसके लिये कर्ज लेना पड़ेगा। वाणी के कारण बनते कार्य बिगड़ सकते हैं जीवन साथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। पुराने मित्रों से भेंट होगी। शुभ समाचार मिलेंगे। धर्मगुरु से भेंट के योग रहेंगे।

हिन्दु नववर्ष, होली एवं महिला दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

परशराम लढ़ा
94133-56699

संजय लढ़ा
99826-56699

अंकित लढ़ा
90015-56699

सज्जन
सिटेंक्स प्रा.लि.
F-3, 1st Floor, Nolkha Tower, B.T.M., Bhilwara (Raj.)
Ph. : 01482-248899, Mo. : 90015-56699

ऋषिमुनि प्रकाशन समूह का नया प्रकाशन

म्हारो देस–म्हारो मालवो

म्हारो मालवो

मीठी मालवी की पहली मासिक पत्रिका

मालव माटी की खुशबू
अब आपकी अपनी बोली 'मालवी' में

मासिक

म्हारो मालवो

जिसमें आप पाएंगे
मालवा की संस्कृति से ओतप्रोत
लोक साहित्य के साथ
मालवा की 'मीठी बोली' में
अपने क्षेत्र, प्रदेश व देश के
ताजातरीन हालचाल

आवश्यकता है
तहसील व पंचायत स्तर पर
ऊर्जावान प्रतिनिधियों की।
आकर्षक कमीशन देय होगा।
शीघ्र सम्पर्क करें

ऋषि–मुनि प्रकाशन
90, विद्या नगर, सांवेर रोड,
उज्जैन (म.प्र.) 456010
मो. 94250-91161, 98270-58833, 99263-00973
E-mail : mharo.malwo@gmail.com

श्रीकृष्णा मणियार

वरंगल. समाज के वरिष्ठ स्व. श्री कन्हैयालाल मणियार के पौत्र व मुरलीमनोहर मणियार के युवा सुपुत्र कृष्णा मणियार का मात्र 19 वर्ष की अवस्था में मुंबई में गत 4 फरवरी को असामयिक निधन हो गया। इनके निधन से संपूर्ण वरंगल समाज में शोक की लहर दौड़ गई।

श्री गिरीराज कलंत्री

हैदराबाद. हरियाणा-पंजाब-हिमाचल-जम्मू-कश्मीर प्रादेशिक सभा के उपाध्यक्ष राजेंद्र कलंत्री के पिताजी सीए श्री गिरीराज कलंत्री का 81 वर्ष की अवस्था में हृदयगति रुकने से स्वर्गवास हो गया। आप अपने पीछे चार पुत्रों सहित भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं। आपकी अंतिम इच्छानुसार आपके नेत्रदान किए गए।

श्रीमती कंचनदेवी लाहोटी

भीलवाड़ा. स्वर्गीय हेमंत कुमार लाहोटी की माताजी व अशोककुमार व पंकज लाहोटी की दादीजी समाज की वरिष्ठ श्रीमती कंचनदेवी का स्वर्गवास गत 12 फरवरी को हो गया है। श्रीमति लाहोटी धार्मिक मिलनसार, व्यावहारिक महिला थीं।

श्री इंद्रमल सोमानी

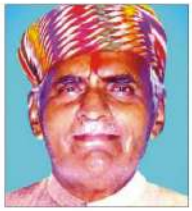

भीलवाड़ा. समाज सदस्य जगदीशचंद्र, बद्रीलाल, राजेश कुमार, मुकेशकुमार सोमानी के पिताजी श्री इंद्रमल सोमानी का स्वर्गवास गत 31 जनवरी को हो गया। श्री सोमानी समाजसेवी, मिलनसार व व्यावहारिक व्यक्ति थे।

श्रीमती गीतादेवी राठी

पुणे. समाज की वरिष्ठ सदस्य एवं ख्यात समाजसेवी श्री प्रदीप राठी तथा रमेश राठी की माता श्रीमती गीतादेवी राठी का 98 वर्ष की आयु में गत 9 फरवरी को देहावसान हो गया। उल्लेखनीय है कि प्रदीप राठी को अन्य सम्मानों के साथ श्री माहेश्वरी टाईम्स द्वारा माहेश्वरी ऑफ द ईयर सम्मान से भी सम्मानित किया जा चुका है। स्व. श्रीमती राठी अपने पीछे पौत्र राहुल राठी सहित भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गई हैं। वे मुंबई निवासी सीए विष्णुदरक की सासू मां थीं। उनके निधन पर पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री शिवराज पाटिल व देशमुख परिवार ने अंतिम दर्शन किए और कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सोनिया गांधी, अनेक मुख्यमंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री सहित वर्तमान व पूर्व मंत्रियों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

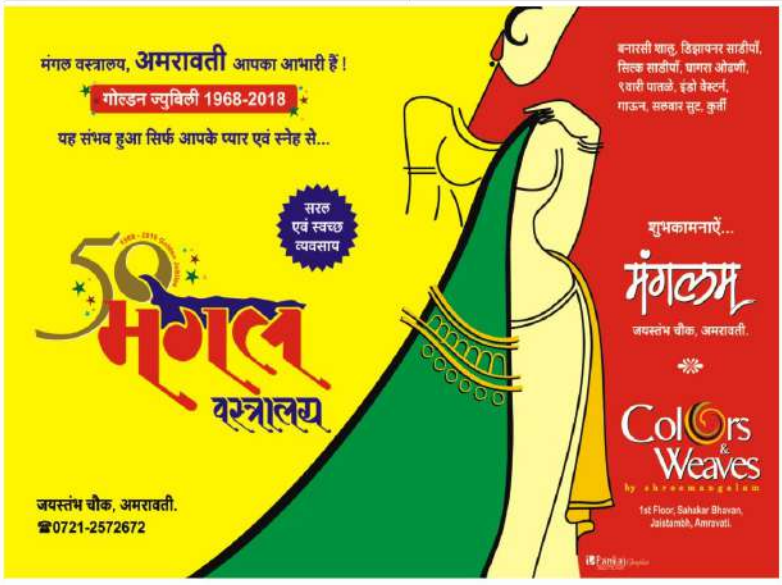

श्रीमती कंचनबाई जागेटिया

भीलवाड़ा. गंगरार निवासी बालूराम, हरिप्रसाद जागेटिया की माताजी श्रीमती कंचनबाई जागेटिया का स्वर्गवास गत 1 फरवरी को हो गया। 92 वर्षीय श्रीमती कंचनबाई धार्मिक, सामाजिक, मिलनसार महिला थीं। आप अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

श्री सीताराम सोमानी

भीलवाड़ा. मंगरोप निवासी राघव व देवेंद्र सोमानी के पिताजी एवं शंकरलाल, चांदमल व कैलाशचंद्र सोमानी के भ्राता और समाज के वरिष्ठ सदस्य 75 वर्षीय श्री सीताराम सोमानी का स्वर्गवास गत 13 फरवरी को हो गया। आप कुछ समय से बीमार थे।

श्री गजानंद जाजू

मैनपुरी. समाज के वरिष्ठ समाजसेवी श्री गजानंद जाजू का गत 10 फरवरी को 87 वर्ष की उम्र में मुंबई में निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार मैनपुरी में 11 फरवरी को हुआ। आप माहेश्वरी समाज, मैनपुरी के संस्थापक न्यासी थे। उनके ज्येष्ठ पुत्र रामप्रकाश जाजू गत 3 सत्रों से महासभा कार्यकारी मंडल के सदस्य हैं। छोटे पुत्र राधेश्याम जाजू मध्य उत्तर प्रदेश माहेश्वरी सभा के उपाध्यक्ष तथा माहेश्वरी समाज, मैनपुरी के कोषाध्यक्ष हैं।

श्री चुन्नीलाल मंत्री

अमरावती. शहर के ख्यात समाजसेवी श्री चुन्नीलाल मंत्री का 99 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। आप अपने पीछे पुत्र किशोर, अशोक, जय मंत्री के साथ पौत्र विक्रम, राम व श्याम तथा बहू-बेटी-दामाद आदि का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं। आप पानीवाले मंत्रीजी के नाम से प्रसिद्ध समाज के सक्रिय कार्यकर्ता थे तथा गर्मी के 4 मास में बस स्टैंड पर 24 घंटे अपने साथियों के साथ जल सेवा कर रहे थे। उनका यह काम सराहनीय था। उनकी अंतिम यात्रा में शहर के सैकड़ों नागरिक शामिल हुए।

माहेश्वरी समाज में सर्वाधिक पढ़ी जाने वाली
अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की मासिक पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

का आगामी अंक होगा
समाज की नारी शक्ति को समर्पित

महिला विशेषांक

समाज के उन नींव के पत्थरों को
समर्पित होगा, जिनके कंधे पर
टिका सफलता का इतिहास.

"महिला विशेषांक के लिये समाज की ऐसी महिलाओं की जानकारी आमंत्रित हैं जिन्होंने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा, उद्योग, व्यवसाय, समाजसेवा, प्रशासनिक सेवा अथवा किसी भी क्षेत्र में प्राप्त की हो। ऐसी प्रेरक महिलाएं तो हमें संपर्क नंबर के साथ उनकी विस्तृत जानकारी अवश्यक प्रेषित करें। प्रकाशन का अंतिम निर्णय सम्पादक मंडल का होगा।

90, विद्या नगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.)
दूरभाष - 0734-2526561, 2526761 मोबाइल - 094250-91161

E-mail : smt4news@gmail.com

श्री माहेश्वरी टाईम्स के स्वामित्व के बारे में जानकारी देखें
नियम -4

प्रकाशक का नाम	श्री माहेश्वरी टाईम्स (मासिक)
भाषा	हिंदी
प्रकाशन की अवधि	2 तारीख (हर माह की अंग्रेजी)
प्रकाशक का नाम	सरिता बाहेती
मुद्रक का नाम	सरिता बाहेती
संपादक का नाम	पुष्कर बाहेती
क्या भारत का नागरिक है?	हाँ
मुद्रक	ऋषि ऑफसेट गोलामंडी, उज्जैन (म.प्र.)
प्रकाशन का स्थान	ऋषि ऑफसेट गोलामंडी, उज्जैन (म.प्र.)
उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हो तथा पंजी के एक प्रतिशत से अधिक के हिस्सेदार हो।	सरिता बाहेती

मैं सरिता बाहेती एतद् द्वारा घोषित करती हूं कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिये गये विवरण सत्य हैं। उज्जैन

अब जून व नवम्बर
माह में प्रकाशन

अब वर्ष में दो बार आयेगी
'आपकी मित्र'

'श्री माहेश्वरी मेलापक'

अन्तर्राष्ट्रीय विवाह योग्य
युवक-युवतियों की
डायरेक्ट्री आपके द्वार

जून 2018
के अंक के लिए
बॉयोडाटा आमन्त्रित

बायोडॉटा आज ही मेल करें –
E-mail : srimaheshwarimelapak@gmail.com
90, विद्या नगर, उज्जैन (म.प्र.) 456010
Ph. : 0734-2513059, 2556140, 2556144, Mob. : 094250-91161

हिन्दू नववर्ष की
हार्दिक मंगलकामनाएं

पद्मश्री बंशीलाल राठी
पूर्व सभापति
अखिल भारतवर्षीय महासभा

GBR
Metals
Private Ltd.

Manufacturers of M.S. Ingots & TMT Bars

Regd. Office-
#4, Ramanan Road, Chennai - 600 079
Ph. : 25292644, 25292151,
Fax : 2591095
E-mail : myco@eth.net

Factory-
#295, G.N.T. Road, Peravallur Village,
Ponneri - 601204 (T.N.)
Ph. : 27984719, 27984729,
Fax : 27984729

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2017-2019
Despatch Date - 02 March 2018

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah)
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. : 0734-2526561, 2526761 , Mo. : 94250-91161
E-mail : smt4news@gmail.com